डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय

मार्च 2022

शिक्षक की नौकरशाही से मुक्ति आवश्यक : प्रो.सिंह

परिचर्चा ● डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षकों के लिए मानक विषय पर हुआ आयोजन

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षक मौजूद थे। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षकों के लिए मानक विषय पर गुरुवार को एक दिवसीय खुली परिचर्चा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग मप्र के सहयोग से आयोजित की गई।

कार्यक्रम में एनसीटीई के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री जगमोहन सिंह राजपूत ने कहा कि वर्तमान से शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा संकट नौकरशाही है, जो उनकी स्वायत्ता को समाप्त करती है। शिक्षक व्यवसाय एक सेवा है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस परिचर्चा की आवश्यकता को रेखांकित किया और बताया कि भारत में शिक्षक का सम्मान सदैव एक सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता का अंग रहा है. शिक्षक पर समाज सदैव विश्वास करता है। शिक्षक के लिए कौशल मानक आवश्यक है, जिनसे वह एक गुणात्मक शिक्षण-अधिगम कर सकेगा।

परिचर्चा में भाग लेते हुए केंद्रीय *विश्वविद्यालय शिक्षक परिसंघ के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने बताया* कि जब तक शिक्षकों की सेवा-शर्तों, कार्य-प्रणाली, प्रोन्नति, कार्य-संस्कृति में सुधार नहीं हो जाता तब तक किसी भी प्रकार के कौशल मानक व्यावहारिक नहीं कहे जा सकते। उन्होंने बताया कि आज सबसे ज्यादा संकटग्रस्त शिक्षक ही है। लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. रमेश पाठक ने कहा कि आज शिक्षक से समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्राचीन और आधुनिक ज्ञान के सापेक्ष स्वयं को परिभाषित करने की है। हमें पारम्परिक गुरु भी चाहिए और आधुनिक तकनीक से सुसज्जित आचार्य भी।

पूरे भारत से आए दो हजार सुझाव: कार्यक्रम में एनसीटीई के सदस्य सचिव सांग वाई शेरपा ने कहा कि राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीसीटी) का पिछले एक साल से ड्राफ्ट तैयार हो रहा है और इस खुली चर्चा के माध्यम से आगे इसके क्रियान्वन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि करीब 2000 सुझाव पूरे भारत से एनपीसीटी के लिए आए थे और अभी तक 14 मुक्त विमर्श इस विषय पर हो चुके है। यह दस्तावेज शिक्षक प्रशिक्षण में सहायता करने के लिए एक महत्वपूर्ण नीति के रूप में सामने आएगा। इस सत्र में कार्यक्रम समन्वयक डा. संजय शर्मा ने परिचर्चा की आवश्यकता और उद्देश्यों को बताया। सत्र का संचालन डा. सतीश ने किया।

पाठ्यक्रम में तैयारी, अभ्यास और प्रस्तुति में सुधार लाएं: राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निदेशक डा. अतुल दनायक ने मप्र में शिक्षक कौशल प्रशिक्षण के लिए अभी तक हुई गतिविधियों और कार्यशालाओं की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को जरूरी संसाधन और गुणवत्ता के साथ नेतृत्व देने की बात कही जिससे उनकी क्षमताओं का बेहतर विकास हो सके। जामिया मिलीया इस्लामिया के डा. सज्जाद अहमद ने एनपीएसटी को तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव लाने की चर्चा करते हुए पाठ्यक्रम में तैयारी, अभ्यास और प्रस्तुति में सुधार लाने की बात कही। मंच संचालन आफरीन खान और आभार डा. रश्मि जैन ने दिया। प्रो. अजय कुमार चौबे, दिल्ली ने अपने वक्तव्य में शिक्षा एवं शिक्षक को अत्यंत संवेन्दनशील विषय बताया। डा. राकेश सिंह, डा. अश्विनी, मानू ने अध्यापकों और शिक्षण संस्थाओं को सुविधाओं और जवाबदेही के मानक तय करने का सुझाव दिया। डा. मनीष वर्मा संयुक्त सचिव शिक्षा *विभाग सागर ने कहा कि पूर्व में बनी व्यवस्थाओं में सुधार एवं नवीनीकरण की* आवश्यकता है। इस दौरान संयुक्त सचिव शिक्षा विभाग डा. आशुतोष गोस्वामी, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डा. नवनीत शर्मा, हरियाणा केंद्रीय विवि की कुलसचिव सारिका शर्मा, अीम प्रेमजी न्यास के डा. आलोक सिंह, डा. संजय शर्मा, एनसीटीई के उप सचिव डा. डीके चतुर्वेदी ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन डा. विवेक जायसवाल ने किया।

शिक्षकों को उनकी क्षमताओं के आधार पर चार स्तरों पर रखा जाएगा

दूसरे सत्र में ऋषभ खन्ना ने बताया कि एनपीसीटी में बीएड और एमएड से ही शिक्षकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की बात पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने पांच प्रमुख कारक को समझाया जिस पर इस दस्तावे का निर्माण किया जा रहा है। इसमें शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षक भर्ती, शिक्षक कौशल, शिक्षक मूल्यांकन और शिक्षक पदोन्नति शामिल है। इससे हर शिक्षक अपने विकास पर ध्यान दे सकेगा। शिक्षकों को उनकी क्षमताओं के आधार पर चार स्तरों पर रखा जाएगा जिसमें प्रगामी शिक्षक, प्रवीण शिक्षक, कुशल शिक्षक और प्रमुख शिक्षक की श्रेणी शामिल की गई है। एनआरसी एनसीटी नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. बीएल. नाटिया ने कहा कि अंग्रेजी न आने के कारण हीन भावना का निर्माण होता है और इससे शिक्षक के प्रदर्शन में अंतर आता है। उन्होंने भारतीय परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इसे बनाने की सलाह दी। शिक्षा को व्यवसाय कहने और उसके उत्पादन विद्यार्थी पर शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ने से होने वाले प्रभावों को भी उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया।

धातु ऑक्साइड के प्रयोगात्मक परिणाम विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार

'वर्तमान में सेंसर टेक्नोलॉजी का बहुत महत्व'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा संवेदन अनुप्रयोगों के लिए धातु ऑक्साइड नैनोमटेरियल्सय कुछ प्रयोगात्मक परिणाम विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित हुआ।

मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में लखनऊ विवि के भौतिकी विभाग के प्रो. नरेंद्र कुमार पांडेय ने व्याख्यान दिया। भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर कुमार ने बताया की आज के ही दिन प्रो. सीवी रमन ने भौतिक विज्ञान के महत्वपूर्ण रमन प्रभाव की खोज की उद्घोषणा की थी, जिसने लिए प्रो. सीवी रमन को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरुस्कार से सम्मनित किया। प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में सेंसर टेक्नोलॉजी का बहुत महत्व है। प्रो वर्मा ने फ्लेक्सिबल सेंसर के बारे में भी जानकारी दी। उन्होने बताया कि सेंसर की संवेदना को बढ़ाने में कई प्रकार के पदार्थों का प्रयोग किया जाता है।

बढ़ता ध्वनि प्रदूषण कान की समस्याओं की बड़ी वजहः कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र में ब्रिज हियरिंग एवं स्पीच थेरेपी क्लिनिक एवं श्रुति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क ऑडियोमेट्री शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं ऑडियोलॉजिस्ट डॉ सपना सिंह की उपस्थिति में किया। इस शिविर में लगभग 70 व्यक्तियों के कान का परीक्षण डिजिटल ऑटोस्कॉपी एवं ऑडियोमेट्री द्वारा किया गया जिसमें लगभग 50 प्रतिशत लोगों को कम सुनाई देने की समस्या पाई गई। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस तरह हम अपने आंख एवं दांत या अन्य समस्याओं के लिए जागरूक रहते हैं, उसी तरह हमें अपने कान की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं

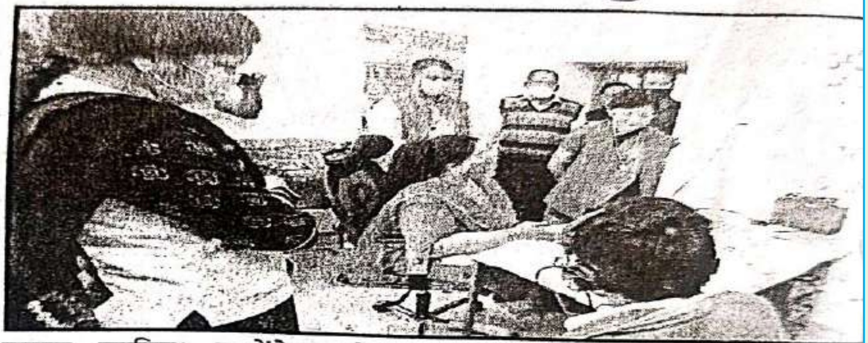

करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को भी युवा वर्ग में बढ़ती कान संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण माना एवं इसे कम करने के उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ऑडियोमेट्री जांच से संबंधित एवं कान की समस्या उत्पन्न करने वाले कारणों को कम करने की प्रयास करने पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट डॉक्टर सपना सिंह ने इस शिविर में होने वाली जांचों की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भूपेंद्र पटेल ने शिविर को आयोजित करने का उद्देश्य व्यक्त किया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ किरण महेश्वरी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। शिविर में प्रो. जेडी आही, श्रुति के कोऑर्डिनेटर बलवंत सिंह, सुश्री कुमारी, माधव चंद्र, फिजियोथेरेपी सैंटर के रंजन मोहती, छात्र, कर्मचारी एवं स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

आयोजन | शिक्षकों के लिए भावात्मक पैमाने का हो निर्धारण : प्रो. पाठक

शिक्षक की नौकरशाही से मुक्ति आवश्यक: प्रो. सिंह

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षकों के लिए मानक विषय पर एक दिवसीय खुली परिचर्चा टीएलसी सागर, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें एन.सी.टी.ई के पूर्व अध्यक्ष पदमश्री जगमोहन सिंह राजपूत ने बताया की वर्तमान से शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा संकट नौकरशाही है. जो उनकी स्वायत्ता को समाप्त करती है. शिक्षक व्यवसाय एक सेवा है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस परिचर्चा की आवश्यकता को रेखांकित किया और बताया कि भारत में शिक्षक का सम्मान सदैव एक सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता का अंग रहा है. शिक्षक पर समाज सदैव विश्वास करता है. शिक्षक के लिए कौशल मानक आवश्यक है, जिनसे वह एक गुणात्मक शिक्षण-अधिगम कर सकेगा।

परिचर्चा में भाग लेते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक परिसंघ के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने बताया कि जब तक शिक्षकों की सेवा-शर्तों, कार्य-प्रणाली, प्रोन्नति, कार्य -संस्कृति में सुधार नहीं हो जाता तब तक किसी भी प्रकार के कौशल मानक व्यावहारिक नहीं कहे जा सकते. उन्होंने बताया कि आज सबसे ज्यादा संकटग्रस्त शिक्षक ही है।

लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. रमेश पाठक ने कहा कि आज शिक्षक से समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्राचीन और आधुनिक ज्ञान के सापेक्ष स्वयं को परिभाषित करने की है. हमें पारम्परिक गुरु भी चाहिए और आधुनिक तकनीक से सुसज्जित आचार्य भी। कार्यक्रम में सदस्य सचिव, एनसीटीई नई दिल्ली केसांग वाई. शेरपा, ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीसीटी) का पिछले एक साल से ड्राफ्ट तैयार हो रहा है और इस खुली चर्चा के माध्यम से आगे इसके क्रियान्वन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि करीब 2000 सुझाव पूरे भारत से एनपीसीटी के लिए आए थे और अभी तक 14 मुक्त विमर्श इस विषय पर हो चुके है। इस सत्र में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने परिचर्चा की आवश्यकता और उद्देश्यों को बताया. सत्र का संचालन डॉ. सतीश ने किया। दूसरे सत्र में ऋषभ खत्रा ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि एनपीसीटी में बीएड और एमएड से ही शिक्षकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की बात पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने पांच प्रमुख कारक को समझाया जिस पर इस दस्तावेज का निर्माण किया जा रहा है इसमें शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षक भर्ती, शिक्षक कौशल, शिक्षक मूल्यांकन और शिक्षक पदोन्नति शामिल है। इससे हर शिक्षक अपने विकास पर ध्यान दे सकेगा।

एनआरसी एनसीटीई नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. वी. एल. नाटिया, ने भाषा के साथ शिक्षकों के आत्मविश्वास को जोड़ते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहाकि अंग्रेजी न आने के कारण हीन भावना का निर्माण होता है और इससे शिक्षक के प्रदर्शन में अंतर आता है। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निदेशक डॉ. अतुल दनायक ने मध्य प्रदेश में शिक्षक कौशल प्रशिक्षण के लिए अभी तक हुई गतिविधियो और कार्यशालाओं की जानकारी दी। जामिया मिलीया इस्लामिया, नई दिल्ली के डॉ. सज्जाद अहमद ने एनपीएसटी को तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव लाने की चर्चा की। उन्होने संचालित पाठ्यक्रम में तैयारी, अभ्यास और प्रस्तुति मे सुधार लाने की बात कही। मंच संचालन आफरीन खान और आभार डॉ. रश्मि जैन ने दिया।

प्रो. अजय कुमार चौबे, दिल्ली ने अपने वक्तव्य में शिक्षा एवं शिक्षक को अत्यंत संवेन्दनशील विषय बताया। शिक्षण के तीन मॉडल के बारे में बात करते हुए उन्होंने प्रथम मॉडल में शिक्षक अपना कार्य मात्र जीवन-यापन के लिए करता है। दूसरे में वह शिक्षण को व्यावसायिक रूप में देखता है और तीसरे मॉडल मे शिक्षण को सामाजिक दायित्व के रूप में करता है। शिक्षक के पास कार्य करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए तभी वह अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा से कर पाएगा।

डॉ राकेश सिंह, नई दिल्ली ने क्लास रूम में होने वाले संवाद में भाषा की उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शिक्षक प्रशिक्षण में भाषा और माध्यम को स्पष्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ अश्विनी, मानू हैदराबाद ने बताया कि यह दस्तावेज पूरी तरह से शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने अभ्यासकों और शिक्षण संस्थाओं को सुविधाओं और जवाबदेही के मानक तय करने का सुझाव दिया। शिक्षकों को चार स्तरों में वर्गीकरण करने को उन्होंने नकारात्मक प्रक्रिया बताया और कहा कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा को आपस में जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। जो शिक्षक सेवा में हैं उनके लिए भी शिक्षण की सही व्यवस्था नहीं है, इस पर भी प्रयास होने चाहिए। डॉ. मनीष वर्मा संयुक्त संचालक सचिव शिक्षा विभाग सागर ने कहा कि पूर्व में बनी व्यवस्थाओं में सुधार एवं नवीनीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने एक अहम सुझाव भी सामने रखा कि बीएलएड की शिक्षा को नर्सरी से पांचवीं तक करने और बीएड को छठवीं से बारहवीं तक करना चाहिए। इससे बीएलएड पूर्ण रूप से प्राथमिक में और बीएड उच्च शिक्षा के लिए क्रियान्वित हो सकेगी और भविष्य में शिक्षकों की कमी भी नहीं होगी।

डॉ आशुतोष गोस्वामी संयुक्त सचिव शिक्षा विभाग सागर ने कहा कि एनपीएसटी ने पहली बार शिक्षकों की राय ली है।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. नवनीत शर्मा ने इस दस्तावेज का प्रमुख उद्देश्य प्रभावी शिक्षण को बताया जिससे अभ्यासकों का स्व मूल्यांकन किया जाएगा। यह एक शिक्षण कौशल को विकसित करने में काम आएगा।

डॉ. सारिका शर्मा, कुलसचिव केन्द्रीय विवि हरियाणा ने कहा कि जब यह दस्तावेज लागू होने के बाद इसे आकलने पर भी प्रयास होने चाहिए। शिक्षक को नई तकनीक आनी चाहिए जिससे वह विद्यार्थी को समझा सके। डॉ. प्रबोध जैन ने इस प्रारूप के संदर्भ में शिक्षकों के विचारों को समाहित करने का सुझाव दिया।

अजीम प्रेमजी न्यास, सागर के डॉ. आलोक सिंह ने व्यावसायिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दस्तावेज धारावत से जुड़ा हुआ होना चाहिए। परिकल्पनाओं को स्पष्ट करने की आवश्यकता है क्योंकि एक बात को कई बार दोहराया गया है जिसे बेहतर किया जा सकता है। सत्र की अध्यक्षता कर रहे डॉ. ऋतु यादव ने कहा कि विद्यालय शिक्षा में सुधार की आवश्यकता है।

डॉ संजय शर्मा ने खुली चर्चा में शामिल हुए समस्त वक्ताओं की बात का सारांश प्रस्तुत करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शिक्षक पैदा नहीं होते उन्हें प्रशिक्षण देकर शिक्षक बनाया जाता है। हमें इस दस्तावेज को भारतीय संदर्भ में तैयार करने की जरूरत है। एनसीटीई के उप सचिव डॉ. डी. के. चतुर्वेदी ने बताया कि परिषद् को 28 साल हो चुके हैं, यह लगातार शिक्षकों की गुणात्मक शिक्षा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने प्रारूप निर्माण की विभिन्न गतिविधियों को साझा किया. सागर विश्वविद्यालय के सहयोग से आगे भी कार्य करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने बताया कि एनपीसीटी में सुझाव के लिए पोर्टल खोला गया है, जिसमें प्राप्त सभी सुझावों के आधार पर कार्य किया जायेगा. मंच संचालन डॉ विवेक जायसवाल ने किया और आभार कुलसचिव संतोष सहगौरा ने माना।

पाठक मंच समीक्षा गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन 6 को

सागर, आचरण। साहित्य अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद भोपाल के स्थानीय उपक्रम पाठक मंच सागर की पुस्तक समीक्षा गोष्ठी में सुप्रसिद्ध लेखक की कुबेर नाथ राय की कवि भवानी प्रसाद मिश्र को समर्पित पुस्तक मन पवन की नौका पर 6 मार्च 2022 रविवार को दोपहर 2.00 बजे से आदर्श संगीत महाविद्यालय सागर के सभागार में

फांसी लगाकर महिला ने दी जान

सागर, आचरण। मकरोनिया थाना क्षेत्र में आने वाले रपोस्या में एक महिला ने गुरुवार की दोपहर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी लगते ही थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव को फंदे से उतार और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए

भवन निर्माण कमेटी में शिवशंकर बने अध्यक्ष

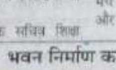

सागर, आचरण। गुरुवार को यादव समाज के पदाधिकारियों की बैठक श्रीदेव गोपाल मंदिर परिसर पर आयोजित हुई जिसमें सर्वसम्मति से यादव समाज के भवन

आयोजन । शिक्षकों के लिए भावात्मक पैमाने का हो निर्धारण : प्रो. पाठक

शिक्षक की नौकरशाही से मुक्ति आवश्यक: प्रो. सिंह

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षकों के लिए मानक विषय पर एक दिवसीय खुली परिचर्चा टीएलसी सागर, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें एन.सी.टी.ई के पूर्व अध्यक्ष पदमश्री जगमोहन सिंह राजपूत ने बताया की वर्तमान से शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा संकट नौकरशाही है. जो उनकी स्वायत्ता को समाप्त करती है. शिक्षक व्यवसाय एक सेवा है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस परिचर्चा की आवश्यकता को रेखांकित किया और बताया कि भारत में शिक्षक का सम्मान सदैव एक सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता का अंग रहा है. शिक्षक पर समाज सदैव विश्वास करता है. शिक्षक के लिए कौशल मानक आवश्यक है, जिनसे वह एक गुणात्मक शिक्षण-अधिगम कर सकेगा।

परिचर्चा में भाग लेते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक परिसंघ के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने बताया कि जब तक शिक्षकों की सेवा-शर्तों, कार्य-प्रणाली, प्रोन्नति, कार्य -संस्कृति में सुधार नहीं हो जाता तब तक किसी भी प्रकार के कौशल मानक व्यावहारिक नहीं कहे जा सकते. उन्होंने बताया कि आज सबसे ज्यादा संकटग्रस्त शिक्षक ही है।

लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. रमेश पाठक ने कहा कि आज शिक्षक से समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्राचीन और आधुनिक ज्ञान के सापेक्ष स्वयं को परिभाषित करने की है. हमें पारम्परिक 'गुरु' भी चाहिए और आधुनिक तकनीक से सुसज्जित आचार्य भी। कार्यक्रम में सदस्य सचिव, एनसीटीई नई दिल्ली केसांग वाई. शेरपा, ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीसीटी) का पिछले एक साल से ड्राफ्ट तैयार हो रहा है और इस खुली चर्चा के माध्यम से आगे इसके क्रियान्वन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि करीब 2000 सुझाव पूरे भारत से एनपीसीटी के लिए आए थे और अभी तक 14 मुक्त विमर्श इस विषय पर हो चुके है। इस सत्र में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने परिचर्चा की आवश्यकता और उद्देश्यों को बताया. सत्र का संचालन डॉ. सतीश ने किया। दूसरे सत्र में ऋषभ खन्ना ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि एनपीसीटी में बीएड और एमएड से ही शिक्षकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की बात पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने पांच प्रमुख कारक को समझाया जिस पर इस दस्तावेज़ का निर्माण किया जा रहा है इसमें शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षक भर्ती, शिक्षक कौशल, शिक्षक मूल्यांकन और शिक्षक पदोन्नति शामिल हैं। इससे हर शिक्षक अपने विकास पर ध्यान दे सकेगा।

एनआरसी एनसीटी नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. बी. एल. नाटिया, ने भाषा के साथ शिक्षकों के आत्मविश्वास को जोड़ते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहाकि अंग्रेजी न आने के कारण हीन भावना का निर्माण होता है और इससे शिक्षक के प्रदर्शन में अंतर आता है। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निदेशक डॉ. अतुल दनायक ने मध्य प्रदेश में शिक्षक कौशल प्रशिक्षण के लिए अभी तक हुई गतिविधियों और कार्यशालाओं की जानकारी दी। जामिया मिलीया इस्लामिया, नई दिल्ली के डॉ. सज्जाद अहमद ने एनपीएसटी को तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव लाने की चर्चा की। उन्होने संचालित पाठ्यक्रम में तैयारी, अभ्यास और प्रस्तुति में सुधार लाने की बात कही। मंच संचालन आफरीन खान और आभार डॉ. रश्मि जैन ने दिया।

प्रो. अजय कुमार चौबे, दिल्ली ने अपने वक्तव्य में शिक्षा एवं शिक्षक को अत्यंत संवेन्दनशील विषय बताया । शिक्षण के तीन मॉडल के बारे में बात करते हुए उन्होंने प्रथम मॉडल में शिक्षक अपना कार्य मात्र जीवन-यापन के लिए करता है। दूसरे में वह शिक्षण को व्यावसायिक रूप में देखता है और तीसरे मॉडल में शिक्षण को सामाजिक दायित्व के रूप में करता है। शिक्षक के पास कार्य करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए तभी वह अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा से कर पाएगा।

डॉ राकेश सिंह, नई दिल्ली ने क्लास रूम में होने वाले संवाद में भाषा की उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शिक्षक प्रशिक्षण में भाषा और माध्यम को स्पष्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ अश्विनी, मानू हैदराबाद ने बताया कि यह दस्तावेज पूरी तरह से शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने अध्यापकों और शिक्षण संस्थाओं को सुविधाओं और जवाबदेही के मानक तय करने का सुझाव दिया। शिक्षकों को चार स्तरों में वर्गीकरण करने को उन्होंने नकारात्मक प्रक्रिया बताया और कहा कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा को आपस में जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। जो शिक्षक सेवा में है उनके लिए भी शिक्षण की सही व्यवस्था नहीं है, इस पर भी प्रयास होने चाहिए। डॉ. मनीष वर्मा संयुक्त संचालक सचिव शिक्षा विभाग सागर ने कहा कि पूर्व में बनी व्यवस्थाओं में सुधार एवं नवीनीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने एक अहम सुझाव भी सामने रखा कि बीएलएड की शिक्षा को नर्सरी से पांचवी तक करने और बीएड को छटवीं से बारहवीं तक करना चाहिए। इससे बीएलएड पूर्ण रूप से प्राथमिक में और बीएड उच्च शिक्षा के लिए क्रियान्वित हो सकेगी और भविष्य में शिक्षकों की कमी भी नही होगी।

डॉ आशुतोष गोस्वामी संयुक्त सचिव शिक्षा विभाग सागर ने कहा कि एनपीएसटी ने पहली बार शिक्षकों की राय ली है।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. नवनीत शर्मा ने इस दस्तावेज का प्रमुख उद्देश्य प्रभावी शिक्षण को बताया जिससे अध्यापकों का स्व मूल्यांकन किया जाएगा। यह एक शिक्षण कौशल को विकसित करने में काम आएगा।

डॉ. सारिका शर्मा कुलसचिव केन्द्रीय विवि हरियाणा ने कहा कि जब यह दस्तावेज लागू होने के बाद इसे अपनाने पर भी प्रयास होने चाहिए । शिक्षक को नई तकनीक आनी चाहिए जिससे वह विद्यार्थी को समझा सके । डॉ. प्राचोश जैन ने इस प्रारूप के संदर्भ में शिक्षकों के विचारों को समाहित करने का सुझाव दिया.

अजीम प्रेमजी न्यास, सागर के डॉ. आलोक सिंह ने व्यावसायिक विकास पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि दस्तावेज धरातल से जुड़ा हुआ होना चाहिए। परिकल्पनाओ को स्पष्ट करने की आवश्यकता है क्योंकि एक बात को कई बार दोहराया गया है जिसे बेहतर किया जा सकता है। सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ. ऋतु यादव ने कहा कि विद्यालय शिक्षा में सुधार की आवश्यकता है ।

डॉ संजय शर्मा ने खुली चर्चा में शामिल हुए समस्त वक्ताओं की बात का सारांश प्रस्तुत करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शिक्षक पैदा नही होते उन्हे प्रशिक्षण देकर शिक्षक बनाया जाता है। हमे इस दस्तावेज को भारतीय संदर्भ में तैयार करने की जरूरत है। एनसीटीई के उप सचिव डॉ. डी. के. चतुर्वेदी ने बताया कि परिषद् को 28 साल हो चुके है, यह लगातार शिक्षकों की गुणात्मक शिक्षा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने प्रारूप निर्माण की विभिन्न गतिविधियों को साझा किया. सागर विश्वविद्यालय के सहयोग से आगे भी कार्य करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने बताया कि एनपीसीटी में सुझाव के लिए पोर्टल खोला गया है, जिसमे प्राप्त सभी सुझावों के आधार पर कार्य किया जायेगा. मंच संचालन डॉ विवेक जायसवाल ने किया और आभार कुलसचिव संतोष सहगोरा ने माना।

सागर, शुक्रवार, 04 मार्च 2022 3

आयोजन । शिक्षकों के लिए भावात्मक पैमाने का हो निर्धारण : प्रो. पाठक

शिक्षक की नौकरशाही से मुक्ति आवश्यक: प्रो. सिंह

सागर, आचरण संवाददाता।

पाठक मंच समीक्षा गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन 6 को

फांसी लगाकर महिला ने दी जान

भवन निर्माण कमेटी में शिवशंकर बने अध्यक्ष

महाशिवरात्रि पर विशेष • खजुराहो और दमोह जिले के कोड़ल के शिव मंदिर में भी विवाह से जुड़ी कल्याण सुंदर की प्रतिमाएं हैं

विवि के म्यूजियम में 11वीं सदी की प्रतिमा में शिव-पार्वती पाणिग्रहण का अंकन, ब्रह्माजी का पुरोहित के रूप में संस्कार कराने का चित्रण

संदीप तिवारी | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में 11वीं सदी की शिव पार्वती की प्रतिमा संरक्षित है। इसे कल्याण सुंदर प्रतिमा भी कहते हैं। शिव-पार्वती के पाणिग्रहण संस्कार यानी विवाह से जुड़ी जो प्रतिमाएं हैं, वे कल्याण सुंदर के नाम से ही देश भर में जानी जाती हैं। विश्वविद्यालय के म्यूजियम में उपलब्ध इस प्रतिमा में शिव-पार्वती विवाह के पाणिग्रहण संस्कार का अंकन किया गया है। इसमें ब्रह्माजी भी दिखाई दे रहे हैं, जो पुरोहित के रूप में विवाह संपन्न कराने के लिए आए थे। विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने बताया कि बुंदेलखंड में कल्याण सुंदर की प्रतिमाओं के और भी प्रमाण मिलते हैं। खजुराहो के 9वीं-10वीं शताब्दी के चंदेलकालीन कंदरिया महादेव मंदिर में कल्याण सुंदर की प्रतिमा है तो दमोह जिले के कोड़ल गांव के कलचुरीकालीन शिव मंदिर के द्वार पर भी कल्याण सुंदर की शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित है। इससे साफ है कि उस समय यहां पर शिव-पार्वती के विवाह यानी महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता रहा होगा।

विवि में कल्याण सुंदर शिव की प्रतिमा

विवि में प्रदर्शित कल्याण सुंदर शिव की प्रतिमा पाल कला की उत्कृष्ट प्रतिमा है। प्रतिमा में शिव-पार्वती के विवाह का दृश्य उकेरा गया है। देवी और देवता संपूर्ण आभूषणों से सुसज्जित हैं। शिव के शीश पर जटा मुकुट, माथे पर आभूषण, कानों में चक्राकार कुंडल, गले में हार, उपवीत, बाजुओं तथा हाथों में कुंडल, कमर में कटिसूत्र तथा पैरों में विविध आभूषण प्रदर्शित हैं। उनका दाहिना हाथ देवी पार्वती के हाथ में पाणिग्रहण की मुद्रा में दर्शाया गया है। देवी पार्वती भी संपूर्ण आभूषणों से सुसज्जित हैं। नीचे की ओर ब्रह्मा वर-वधु के पाणिग्रहण हेतु मंत्रोच्चार करते हुए दिख रहे हैं। मूर्ति के दोनों ओर अनुचर यानी सेवक उकेरे गए हैं।

11वीं-12वीं सदी की कमलाकार उमा-महेश्वर की प्रतिमा

- जिला पुरातत्व संग्रहालय में संरक्षित यह प्रतिमा सागर जिले के खुरई से प्राप्त है। जो 10वीं-11वीं शताब्दी की है। आसन पर चतुर्भुजी महेश्वर की बाईं जंघा पर द्विभुजी उमा को प्रदर्शित किया गया है। इस मूर्ति में नंदी भी प्रदर्शित है। दाईं तरफ कार्तिकेय और वीरभद्र के साथ ही गणपतिजी को भी प्रदर्शित किया गया है। सबसे नीचे के भाग में रावण कैलाश को उठाता हुआ दिखाई देता है।
- खुरई से प्राप्त 11वीं और 12वीं शताब्दी की उमा महेश्वर की प्रतिमा में शिव की जंघा पर देवी उमा को प्रदर्शित किया गया है। इसमें देवी का निचला हाथ अभय मुद्रा में है। मूर्ति में देवी शिव को देख रही हैं। इस प्रतिमा में ... गणेश को भी दर्शाया गया है। विद्याधरों का अंकन भी किया गया है ... जो गण हैं वे भी दिख रहे हैं। इसका प्रभामंडल कमलाकार है।

9वीं से 12वीं शताब्दी तक बुंदेलखंड में शैव धर्म का हुआ विस्तार

प्रो. दुबे के मुताबिक बुंदेलखंड में 9वीं से 12वीं शताब्दी तक चंदेलों, कल्चुरियों एवं ... के शासकों का प्रभुत्व था। इन शासकों ने शैव धर्म को अपनाया और उसकी उन्नति में योगदान ... इसीलिए बुंदेलखंड में इन शासकों के शासनकाल में शैव धर्म से संबंधित मंदिर, मूर्तियों ... का विकास हुआ। इनके शासनकाल में शैव धर्म अपने चरमोत्कर्ष पर था।

विज्ञान दिवस पर विवि में हुआ कार्यक्रम

सागर। डा. हरीसिंह गौर विवि के रसायन विभाग एवं डिपार्टमेंटल केमिकल सोसायटी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर, पूर्व प्राक्टर केएस पित्रे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफे. एपी मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डा. उत्पल घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में संक्षेप में व्याख्यान दिया, जिसके तुरंत बाद क्वांटम इंडियन नामक एक छोटी फिल्म दिखाई गई। डाक्टर कलपतरू दास ने संक्षेप में बताया। डा. रितु यादव ने इसी परिप्रेक्ष्य में इंडियन केमिकल सोसायटी के बारे में भी छात्रों एवं शोध छात्रों को अवगत कराया। प्रोफेसर फरीद खान ने सर सीवी रमन के बाद भारत में विशेष रूप से मैटेरियल साइंस में हुए विशिष्ट अनुसंधानों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम में अभिषेक शर्मा, पंकज जायसवाल, हीरालाल केवट, स्वतंत्र अग्रवाल, अशफाक वानी आदि के साथ कई लोग मौजूद थे। (नप्र)

विज्ञान दिवस पर दिखाई क्वांटम इंडियन फिल्म

सागर. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग एवं डिपार्टमेंटल केमिकल सोसायटी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया।

इस अवसर पर डॉ. उत्पल घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में संक्षेप में व्याख्यान दिया। इसके बाद क्वांटम इंडियन नामक एक छोटी फिल्म दिखाई गई। इस फिल्म में भारतीय वैज्ञानिकों के क्वांटम विज्ञान में हुए विभिन्न योगदानो को साझा किया गया। इसी कार्यक्रम के साथ डिपार्टमेंट केमिकल सोसायटी का प्रारंभ भी हुआ।

जिसके बारे में डॉ. कलपतरू दास ने संक्षेप में बताया। डॉ रितु यादव ने इसी परिप्रेक्ष्य में इंडियन केमिकल सोसायटी के बारे में भी छात्रों एवं शोध छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम में 105 विद्यार्थी शामिल हुए।

विवि की महिला समाज ने आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा दिनांक 27 फरवरी को एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महिलाओं के विभिन्न अंगों मे होने वाले कैंसर, अस्थि रोग, मधुमेह, रक्त परीक्षण आदि पर जागरूकता और परीक्षण पर केंद्रित था।

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, अस्थिरोग विशेषज्ञ डा. अंशुल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. ललिता पाटिल व महिला समाज की अध्यक्षा डा. रत्ना शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। अध्यक्षा डा. रत्ना शुक्ला ने निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने की आवश्यकता, उपयोगिता व सार्थकता पर अपना पक्ष रखा। डा. अंशुल गुप्ता ने उपचार की अपेक्षा सतर्कता, आस्टियोपोरेसिस, गठिया आदि पर विचार रखे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. ललिता पाटिल ने कैंसर के कारण व व्यवहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की। आपने महिलाओं को रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी विशेष बल दिया।

विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर रसायन विभाग में ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम हुआ

जागरण न्यूज, सागर

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग एवं डिपार्टमेंटल केमिकल सोसायटी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022 का सम्मिलित रूप से आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर, पूर्व प्रॉक्टर एवं पूर्व एक्टिंग कुलपति प्रोफेसर केएस पित्रे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एपी मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डॉ. उत्पल घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में संक्षेप में व्याख्यान दिया। जिसके क्वांटम इंडियन नामक एक लघु फिल्म दिखाई गई। जिस फिल्म में भारतीय वैज्ञानिकों के क्वांटम विज्ञान में हुए विभिन्न योगदानों को साझा किया गया। इसी कार्यक्रम के साथ डिपार्टमेंट केमिकल सोसायटी का प्रारंभ भी हुआ। जिसके बारे में डॉक्टर कल्पतरू दास ने संक्षेप में बताया। डिपार्टमेंटल केमिकल सोसायटी के द्वारा हुआ यह पहला आयोजन था। डॉ रितु यादव ने इसी परिप्रेक्ष्य में इंडियन केमिकल सोसायटी के बारे में भी छात्रों एवं शोध छात्रों को अवगत कराया। प्रोफेसर फरीद खान ने सर सीवी रमन के बाद भारत में विशेष रुप से मैटेरियल साइंस में हुए विशिष्ट अनुसंधानों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। अध्यक्षीय भाषण में प्रो.एपी मिश्रा ने विभाग के विद्यार्थियों को विशेष तौर पर सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

डॉ हरिसिंह गौर विवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हुआ कार्यक्रम

सागर। डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग एवं डिपार्टमेंटल-केमिकल सोसायटी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022 का सम्मिलित रूप से आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर, पूर्व प्रॉक्टर एवं पूर्व एक्टिंग कुलपति प्रो.केएस पित्रे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रोफेसर एपी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोध छात्र अंशिता वार्ष्णेय एवं बलराम ने किया। इस अवसर पर डॉ उत्पल घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में संक्षेप में व्याख्यान दिया। जिसके बाद क्वांटम इंडियन नामक एक छोटी फिल्म दिखाई गई। जिस फिल्म में भारतीय वैज्ञानिकों के क्वांटम विज्ञान में हुए विभिन्न योगदानो को साझा किया गया। इसी कार्यक्रम के साथ डिपार्टमेंट केमिकल सोसायटी का प्रारंभ भी हुआ। जिसके बारे में डॉ कलपतरू दास ने संक्षेप में बताया। डिपार्टमेंटल केमिकल सोसायटी के द्वारा हुआ यह पहला आयोजन था। डॉ रितु यादव ने इसी परिप्रेक्ष्य में इंडियन केमिकल सोसायटी के बारे में भी छात्रों एवं शोध छात्रों को अवगत कराया। प्रो फरीद खान ने सर सीवी रमन के बाद भारत में विशेष रुप से मैटेरियल साइंस में हुए विशिष्ट अनुसंधानों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर केएस पित्रे ने अपने अभिभाषण में न केवल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस या सर सीवी रमन के बारे में बल्कि उस पूरे अनुसंधान के आगे और पीछे के कई अनछुए तथ्यों को उजागर किया। कार्यक्रम में 26 फरवरी को हुए क्विज कंपटीशन एवं ओरल प्रेजेंटेशन के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

एक नजर में

विवि में महिला समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सागर. डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, अस्थिरोग विशेषज्ञ डा. अंशुल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. ललिता पाटिल व महिला समाज की अध्यक्षा डा. रत्ना शुक्ला ने शिविर की शुरुआत की. कुलपति प्रो. गुप्ता ने मोटापा नियन्त्रण, नियन्त्रित जीवन शैली, स्वस्थ्य भोजन व निरंतर स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने पर बल दिया. अध्यक्षा डा. शुक्ला ने स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने की आवश्यकता, उपयोगिता व सार्थकता पर पक्ष रखा. इस अवसर पर समानान्तर रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमे रक्तचाप, ब्लड ग्रुप, मधुमेह, वजन, स्त्रियों के विभिन्न अंगों के कैंसर की भी जांच की गई. स्वागत भाषण सहसचिव श्रीमती ओमिका सिंह ने दिया, संचालन डा.रीना बासू व त्रिवेणिका राय ने आभार व्यक्त किया.

विवि रसायन विज्ञान विभाग में छात्रों का हुआ शैक्षणिक दौरा

आचरण संवाददाता।

सागर। एक बेहतर दुनिया के लिए वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगत सोच दो महत्वपूर्ण पूर्वापेक्षाएं हैं। एक अकादमिक आउटरीच कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभागए डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने 25 फरवरी, 2022 को सरकारी श्याम सुंदर कॉलेज, जबलपुर के छात्रों ध् संकायों को आमंत्रित किया है। डॉ. सुनू मैथ्यू के नेतृत्व में 20 स्नातकोत्तर छात्रों और आठ संकायों ने रसायन विज्ञान विभाग का दौरा किया।

सागर पहुंचने के बाद इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पुष्पल घोष और अन्य संकायों और छात्रों द्वारा उनका स्वागत किया जाता है। एक छोटे से संवाद सत्र का आयोजन किया गया जहां रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख और रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल के डीन प्रो. ए.पी.मिश्रा ने उनका स्वागत किया और विज्ञान और विभाग की यात्रा के बारे में चर्चा की। डॉ.नीरज उपाध्याय, डॉ.सरिता राय सहित विभाग के अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। इसके बाद छात्रों को विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर (एसआईसी) का दौरा करने के लिए निर्देशित किया गया। पूरे दिन के दौरान छात्रों ने संकायों को माइक्रोवेव सिंथेसाइज़र, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, पाउडर, एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेष्क, विभिन्न इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप जैसे टीईएम और एसईएमएएनएमआर आदि जैसे कई परिष्कृत उपकरणों के साथ प्रदर्शित किया गया।

जबलपुर के छात्र और संकाय अत्यधिक थे विश्वविद्यालय में इन उच्च अंत उपकरणों को देखने के बाद प्रेरित किया। इसी तरह की गतिविधि 5 जनवरी 2022 को आयोजित की गई थी जहां ज्ञान सागर कॉलेज, सागर के छात्रों को आमंत्रित किया गया था और प्रदर्शन किया गया था। इस कार्यक्रम में ज्ञान सागर कॉलेज के तीस बीएससी छात्रों और पांच शिक्षकों ने भाग लिया। वैज्ञानिक और सामाजिक उत्तरदायित्व एसएसआर योजना के तहत डॉ. पुष्पल घोष को स्वीकृत परियोजना के माध्यम से इन आयोजनों को प्रायोजित करने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) भारत सरकार को विशेष धन्यवाद किया।

देशबन्धु

विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर महिलाओ के विभिन्न अंगों मे होने वाले कैंसर, अस्थि रोग, मधुमेह, रक्त परीक्षण आदि पर जागरूकता और परीक्षण पर केन्द्रित था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ.अंशुल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ललिता पाटिल व महिला समाज की अध्यक्षा डॉ.रत्ना शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। इस अवसर पर कुलपति ने मोटापा नियन्त्रण, नियंत्रित जीवन शैली,स्वस्थ्य भोजन व निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने पर बल दिया। अध्यक्षा डॉ.रत्ना शुक्ला ने निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने की आवश्यकता, उपयोगिता व सार्थकता पर अपना पक्ष रखा। डॉ.अंशुल गुप्ता ने उपचार की अपेक्षा सतर्कता, आस्टियोपोरेसिस,गठिया आदि पर विचार रखे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ललिता पाटिल ने कैंसर के कारण व व्यवहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की। आपने महिलाओ को रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी विशेष बल दिया। डॉ.सरोज भूरिया ने एम्पटी नेस्ट सिंड्रोम नामक बीमारी के विषय मे विस्तार से समझाया। डॉ.रीतेश ने मधुमेह व रक्तचाप चर्चा की। डॉ.दीपाक्षी ने प्रजनन स्वास्थ्य को सारगर्भित ढंग से समझाया। डॉ.भास्वती ने स्तन कैंसर को रेखांकित किया। इस अवसर पर समानान्तर रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमे रक्तचाप, ब्लड ग्रुप, मधुमेह, वजन, स्त्रियों के विभिन्न अंगों के कैंसर की भी जांच की गई।

विवि के रसायन विभाग में छात्रों का शैक्षणिक दौरा

जागरण, सागर। एक बेहतर दुनिया के लिए वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगत सोच दो महत्वपूर्ण पूर्वापेक्षाएं हैं। एक अकादमिक आउटरीच कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सरकारी श्याम सुंदर कॉलेज जबलपुर के छात्रों संकायों को आमंत्रित किया है। डॉ. सुनू मैथ्यू के नेतृत्व में बीस स्नातकोत्तर छात्रों और आठ संकायों ने विवि के रसायन विज्ञान विभाग का दौरा किया। सागर पहुंचने के बाद इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ पुष्पल घोष और अन्य संकायों और छात्रों द्वारा उनका स्वागत किया। एक छोटे से संवाद सत्र का आयोजन किया गया जहां रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख और रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल के डीन प्रो. एपी मिश्रा ने उनका स्वागत किया और विज्ञान और विभाग की यात्रा के बारे में चर्चा की। डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. सरिता राय सहित विभाग के अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। इसके बाद छात्रों को विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर एसआईसी का दौरा करने के लिए निर्देशित किया गया। पूरे दिन के दौरान छात्रों/ संकायों को माइक्रोवेव सिंथेसाइजर, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, पाउडर, एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेषक, विभिन्न इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप जैसे टीईएम और एसईएमए एनएमआर आदि जैसे कई परिष्कृत उपकरणों के साथ प्रदर्शित किया गया। जबलपुर के छात्र और संकाय अत्यधिक थे। विश्वविद्यालय में इन उच्च अंत उपकरणों को देखने के बाद प्रेरित किया। इसी तरह की गतिविधि 5 जनवरी 2022 को आयोजित की गई थी जहां ज्ञानसागर कॉलेज सागर के छात्रों को आमंत्रित किया गया था और प्रदर्शन किया गया था। इस कार्यक्रम में ज्ञानसागर कॉलेज के तीस बीएससी छात्रों और पांच शिक्षकों ने भाग लिया। वैज्ञानिक और सामाजिक उत्तरदायित्व एसएसआर योजना के तहत डॉ. पुष्पल घोष को स्वीकृत परियोजना के माध्यम से इन आयोजनों को प्रायोजित करने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड एसईआरबी भारत सरकार को विशेष धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा दिनांक 27 फरवरी को एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर महिलाओं के विभिन्न अंगों मे होने वाले कैंसर, अस्थि रोग, मधुमेह, रक्त परीक्षण आदि पर जागरूकता और परीक्षण पर केन्द्रित था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ.अंशुल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ललिता पाटिल व महिला समाज की अध्यक्षा डॉ. रत्ना शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने मोटापा नियन्त्रण, नियंत्रित जीवन शैली, स्वस्थ्य भोजन व निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने पर बल दिया। अध्यक्षा डॉ. रत्ना शुक्ला ने निरंतर स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने की आवश्यकता, उपयोगिता व सार्थकता पर अपना पक्ष रखा। डॉ.अंशुल गुप्ता ने उपचार की अपेक्षा सतर्कता, आस्टियोपोरोसिस, गठिया आदि पर विचार रखे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ललिता पाटिल ने कैंसर के कारण व व्यवहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की। आपने महिलाओं को रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी विशेष बल दिया। डॉ. सरोज भूरिया ने एम्पटी नेस्ट सिंड्रोम नामक बीमारी के विषय मे विस्तार से समझाया। डॉ. रीतेश ने मधुमेह व रक्तचाप चर्चा की। डॉ.दीपाक्षी ने प्रजनन स्वास्थ्य को सारगर्भित ढंग से समझाया। डॉ.भास्वती ने स्तन कैंसर को रेखांकित किया। इस अवसर पर समानान्तर रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमे रक्तचाप, ब्लड ग्रुप, मधुमेह, वजन, स्त्रियों के विभिन्न अंगों के कैंसर की भी जांच की गई। कार्यक्रम में अतिथियों के लिए स्वागत भाषण सहसचिव श्रीमती ओमिका सिंह ने कार्यक्रम का संचालन डॉ. बासू ने एवं श्रीमती त्रिवेणिका राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महिला समाज की सदस्याएं, शिक्षक पतियां उपस्थित रही। घरों मे सेवाएं देने वाली महिलाओं ने भी निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।

भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय वेबीनार हुआ आयोजित

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉ.हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के भौतिकी विभाग में डीन एवं वेबिनार संयोजक प्रो.आशीष वर्मा द्वारा संवेदन अनुप्रयोगों के लिए धातु ऑक्साइड नैनोमटेरियल्सय कुछ प्रयोगात्मक परिणाम विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित करवाया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो.नरेंद्र कुमार पांडेय, विभागाध्यक्ष भौतिकी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने व्याख्यान दिया। उद्घाटन सत्र में सबसे पहले माँ सरस्वती की वंदना की गई।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत करते हुए भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर कुमार ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का नेशनल वेबिनार में स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

साथ ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज के ही दिन प्रो. सी.वी. रमन ने भौतिक विज्ञान के महत्वपूर्ण रमन प्रभाव की खोज की उद्घोषणा की थी जिसने लिए प्रो. सीवी रमन को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उद्घाटन वक्तव्य में प्रो. आशीष वर्मा सर ने बताया कि वर्तमान समय में सेंसर टैक्नोलॉजी का बहुत महत्व है प्रो वर्मा ने फ्लेक्सिबल सेंसर के बारे में भी संछिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया क्री सेंसर की संवेदना को बढ़ाने में कई प्रकार के पदार्थों का प्रयोग किया जाता है जैसे कि कार्बनिक पदार्थ, बायो मॉलिक्यूल, कंडक्टिंग पॉलीमर्स, इनऑर्गेनिक नैनो मटेरियल आदि। वेबिनर के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय की प्रभारी कुलपति प्रो जनक दुलारी आहि अथिति के रूप में उपस्थित रही।

इस महत्वपूर्ण विषय पर वेबिनार आयोजित करने के लिए कुलपति महोदया ने डीन एसएमपीएस एवं वेबीनार संयोजक प्रोफेसर आशीष वर्मा जी बधाई दी। इसके बाद टेक्निकल सेशन में प्रो. नरेंद्र कुमार पांडेय ने बुनियादी रूप से विभिन्न सेंसर्स ए ट्रान्सड्यूसर, एक्टुएटर आदि के बारे में बताते हुए विभिन्न प्रकार के सेंसर्स के बारे में जानकारी देते हुए उनके अनुप्रयोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वेबिनार के अंत में स्रोताओं के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर भी दिया।

शोध छात्र प्रवीण कुमार लिटोरिया ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि प्रो. नरेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी स्नाकोत्तर एवं शोध की पढ़ाई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानए दिल्ली से पूरी की है। प्रो. पांडेय अब तक 145 से अधिक शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पत्रिकाओं एवं संगोष्ठियों में प्रदर्शित कर चुके हैं। प्रो पांडेय को उनके उत्कृष्ट शोध के लिए सार्थक अनुसंधान पुरस्कारए लखनऊ विश्वविद्यालय (2017) विज्ञान गौरव पुरस्कार स्मार्ट फाउंडेशन, लखनऊ आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया।

शोध छात्र अरुण कुमार सिंह ने आभार प्रकट करते हुए इस विषय की महत्ता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन शैरी नासिर ने किया। स्वाति कुर्मी आदि भी आयोजिक समिति में रहे। इस ऑनलाइन वेबिनार में डॉ अलकाए डॉ फजल निर्बाशा, राजेंद्र दीक्षितए इंद्राकुमार, अक्ष वर्मा सुनील सोनी, अनुभा शोधिया, स्वेतांबरा पटेल, पुष्पेंद्र सिंह, प्रेरणा गुप्ता, पुष्पांजलि पटेल, सुजाता यादव पूजा अहिरवार, शादाब खान, सतीश गुप्ता, स्वेता पाठक, वैशाली अमृते, प्रतीक्षा राजपूत, यशिका सोनी, विजय कुमार आदि प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बच्चों को किया सम्मानित

सागर, आचरण।

युवा कांग्रेस मकरोनिया नगर अध्यक्ष इंजीनियर संजय रोहिदास ने आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष पर नगर पालिका मकरोनिया के शंकर नगर वार्ड क्रमांक 12 में पढ़ने वाले बच्चों स्टेशनरी किट देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रकाश डालते हुए नगर अध्यक्ष इंजी संजय रोहिदास ने बताया कि महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी वी रमन ने रमन प्रभाव प्रकाश का विकिरण की खोज कर 28 फरवरी 1928 को घोषणा की थी। इस महान खोज के लिए वैज्ञानिक सीवी रमन जी को सन 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संजय रोहिदास ने बताया कि दैनिक जीवन में विज्ञान का बहुत बड़ा महत्व है विज्ञान ने मनुष्य को दुखों से छुटकारा दिलाने मनुष्य की अज्ञानता को दूर भगाने मनुष्य की मुश्किलों को कम करने में सार्थक भूमिका निभाई है

विज्ञान मानव का निष्ठावान सेवक है विज्ञान से मनुष्य का जीवन सरल हो गया है चाहे वह है घर हो या कृषि क्षेत्र को या कारखाना हो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान मानव की सहायता करता है

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का उद्देश्य विज्ञान के कारण मनुष्य के दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले विज्ञान के महत्व के बारे में संदेश फैलाने के लिए आज 28 फरवरी को नगर युवक कांग्रेस मकरोनिया द्वारा मनाया गया और साथ ही साथ पढ़ने वाले बच्चों को स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय की महिला समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के महिला समाज द्वारा रविवार को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया । यह शिविर महिलाओं में होने वाले कैंसर, अस्थि रोग, मधुमेह, रक्त परीक्षण आदि पर जागरूकता और परीक्षण पर केन्द्रित था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. अंशुल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ललिता पाटिल व महिला समाज की अध्यक्षा डॉ. रत्ना शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। इस अवसर पर कुलपति ने मोटापा नियंत्रण, नियंत्रित जीवन शैली, स्वस्थ्य भोजन व निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने पर बल दिया। अध्यक्षा डॉ. रत्ना शुक्ला ने निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने की आवश्यकता, उपयोगिता व सार्थकता पर अपना पक्ष रखा। डॉ. अंशुल गुप्ता ने उपचार की अपेक्षा सतर्कता, आस्टियोपोरेसिस, गठिया आदि पर विचार रखे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ललिता पाटिल ने कैंसर के कारण व व्यवहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की। डॉ.सरोज भूरिया ने एम्पटी नेस्ट सिंड्रोम नामक बीमारी के विषय में विस्तार से समझाया। डॉ. रीतेश ने मधुमेह व रक्तचाप चर्चा की। डॉ. दीपाक्षी ने प्रजनन स्वास्थ्य को सारगर्भित ढंग से समझाया। डॉ. भास्वती ने स्तन कैंसर को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अतिथियों के लिए स्वागत भाषण सहसचिव श्रीमती ओमिका सिंह ने कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीना बासू ने व धन्यवाद श्रीमती त्रिवेणिका राय ने ज्ञापित किया।

बढ़ता ध्वनि प्रदूषण कान की समस्याओं की बड़ी वजहः कुलपति

विश्व श्रवण दिवस पर आयोजित शिविर में लोगों ने कराई कान से संबंधित समस्याओं की जांच

जागरण, सागर। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र में ब्रिज हियरिंग एवं स्पीच थेरेपी क्लिनिक एवं श्रुति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क ऑडियोमेट्री शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. सपना सिंह की उपस्थिति में किया। इस शिविर में लगभग 70 व्यक्तियों के कान का परीक्षण डिजिटल ऑटोस्कॉपी एवं ऑडियोमेट्री द्वारा कियां गया जिसमें लगभग 50 प्रतिशत लोगों को कम सुनाई देने की समस्या पाई गई। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस तरह हम अपने आंख एवं दांत या अन्य समस्याओं के लिए जागरूक रहते हैं, उसी तरह हमें अपने कान की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को भी युवा वर्ग में बढ़ती कान संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण माना एवं इसे कम करने के उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ऑडियोमेट्री जांच से संबंधित एवं कान की समस्या उत्पन्न करने वाले कारणों को कम करने की प्रयास करने पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. सपना सिंह ने इस शिविर में होने वाली जांचों की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेंद्र पटेल ने शिविर को आयोजित करने का उद्देश्य व्यक्त किया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण महेश्वरी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। शिविर में प्रो. जेडी आही, श्रुति के कोऑर्डिनेटर बलवंत सिंह, कु. माधव चंद्र, फिजियोथेरेपी सेंटर के रंजन मोहंती, छात्र, कर्मचारी एवं स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

बढ़ता ध्वनि प्रदूषण कान की समस्याओं की बड़ी वजहः कुलपति

सागर, देशबन्धु। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र में ब्रिज हियरिंग एवं स्पीच थेरेपी क्लिनिक एवं श्रुति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क ऑडियोमेट्री शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. सपना सिंह की उपस्थिति में किया। इस शिविर में लगभग 70 व्यक्तियों के कान का परीक्षण डिजिटल ऑटोस्कॉपी एवं ऑड्यियोमेट्री द्वारा किया गया जिसमें लगभग 50 प्रतिशत लोगों को कम सुनाई देने की समस्या पाई गई। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा जिस तरह हम अपने आंख एवं दांत या अन्य समस्याओं के लिए जागरूक रहते हैं, उसी तरह हमें अपने कान की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ऑडियोमेट्री जांच से संबंधित एवं कान की समस्या उत्पन्न करने वाले कारणों को कम करने की प्रयास करने पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट डॉ.सपना सिंह ने इस शिविर में होने वाली जांचों की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा अधिकारी डॉ.भूपेंद्र पटेल ने शिविर को आयोजित करने का उद्देश्य व्यक्त किया।

विश्व श्रवण दिवस पर कार्यक्रम

ध्वनि प्रदूषण बन रहा कान की समस्याओं की बड़ी वजह: कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र में ब्रिज हियरिंग एवं स्पीच थेरेपी क्लिनिक के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क ऑडियोमेट्री शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 70 व्यक्तियों के कान का परीक्षण डिजिटल ऑटोस्कॉपी एवं ऑडियोमेट्री द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत लोगों को कम सुनाई देने की समस्या पाई गई।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि जिस तरह हम अपने आंख एवं दांत या अन्य समस्याओं के लिए जागरूक रहते हैं। उसी तरह हमें अपने कान की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को भी युवा वर्ग में बढ़ती कान संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण माना। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ऑडियोमेट्री जांच से संबंधित एवं कान की समस्या उत्पन्न करने वाले कारणों को कम करने की प्रयास करने पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. सपना सिंह ने इस शिविर में होने वाली जांचों की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेंद्र पटेल ने शिविर को आयोजित करने का उद्देश्य व्यक्त किया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ किरण महेश्वरी ने आभार माना।

विश्वविद्यालय में परिचर्चा

शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा संकट नौकरशाही: प्रो.जगमोहन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर शिक्षकों के लिए मानक विषय पर एक दिवसीय खुली परिचर्चा आयोजित की गई। यह परिचर्चा टीएलसी राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली व विद्यालयी शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के सहयोग से आयोजित की गई। इसमें एनसीटीई के पूर्व अध्यक्ष पदमश्री जगमोहन सिंह राजपूत ने कहा कि वर्तमान में शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा संकट नौकरशाही है, जो उनकी स्वायत्ता को समाप्त करती है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारत में शिक्षक का सम्मान सदैव एक सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता का अंग रहा है। शिक्षक पर समाज सदैव विश्वास करता है। शिक्षक के लिए कौशल मानक आवश्यक है, जिनसे वह एक गुणात्मक शिक्षण-अधिगम कर सकेगा। परिचर्चा में केन्द्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक परिसंघ के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने बताया कि जब तक शिक्षकों की सेवा-शर्तों, कार्य प्रणाली में सुधार नहीं हो जाता तब तक किसी भी प्रकार के कौशल मानक व्यावहारिक नहीं कहे जा सकते। लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो.रमेश पाठक कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय शर्मा, डॉ.सतीश कुमार, ऋषभ खन्ना आदि ने अपने-अपने विचार रखे। संचालन डॉ. विवेक जायसवाल ने किया और आभार कुलसचिव संतोष सहगोरा ने माना।

विवि में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उपलक्ष्य में आचार्य शंकर भवन में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कई विभागों के छात्र.छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भागीदारी की और उत्कृष्ट पोस्टर बनाये. प्रतियोगिता के दौरान कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुँचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया. इस अवसर पर प्रो ममता पटेल, प्रो. अर्चना पाण्डेय, प्रो. श्वेता यादव, डॉ सुप्रभा दास रुपेश उपाध्याय उपस्थित थे.

आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस पर विवि में हुआ सेमीनार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के फॉर्मेसी विभाग में आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एंड ड्रग इंजीनियरिंग इन ड्रग डिस्कवरी पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन 4-5 मार्च को किया गया।यह सेमीनार शास्त्री इंडो-केनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. संजय सिंह ने आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एवं ड्रग डिस्कवरी पर आधारित व्याख्यान दिया। डारेक्टर शास्त्रीय इंडो केनेडियन इंस्टीट्यूट के डॉ प्राची कौल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। विवि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भी विचार रखे।

विवि में अन्तराष्ट्रीय सेमीनार संपन्न

सागर, आचरण संवाददाता।

सागर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एण्ड ड्रग इंजीनियरिंग इन ड्रग डिस्कवरी पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन 4-5 मार्च 2022 को संपन्न हुआ। यह सेमीनार शास्त्री इंडो-केनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. संजय सिंह (कुलपति बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ) ने आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एवं ड्रग डिस्कवरी पर आधारित सासस्वत व्याख्यान दिया। उद्घाटन सत्र में डॉ प्राची कौल (डारेक्टर शास्त्रीय इंडो केनेडियन इंस्टीट्यूट) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर द्वारा अपने उद्बोधन में ''आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एण्ड ड्रग इंजीनियरिंग इन ड्रग डिस्कवरी'' पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रो. वंदना सोनी द्वारा किया गया। आयोजन सचिव डॉ. सुशील कमार काशव ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया, प्रो. आर. के. रावत, अधिष्ठाता यांत्रिकी एवं तकनीकि संकाय द्वारा सेमीनार की थीम की उपयोगिता पर विशेष उद्बोधन दिया। प्रो. उमेश के. पाटिल ने कार्यक्रम में आभार प्रगट किया।

सेमीनार के प्रथम सत्र में प्रो. टाम.हाबमेन, डिपार्टमेन्ट ऑफ सेल बायोलाजी यूनिवरसिटि ऑफ अल्बर्ट, कनाडा ने होस्ट सेल बेसड टारगेट्स फॉर एन्टी वायरल थेरेपी अगेंस्ट पेथोजेनिक आर.एन.ए. वायरसिस पर व्याख्यान दिया। प्रो. बी.जयाराम, डिपार्टमेन्ट ऑफ केमेस्ट्री,आई.आई.टी. दिल्ली ने बायो-इनफोरमेटिक्स फॉर ए बैटर टूमोरो पर व्याख्यान दिया।

प्रो. संयोग जैन, नाईपर मोहाली ने ''नेनोमेडिसन फॉर कैंसर थेरापिटक्स'' पर व्याख्यान दिया। कनाडा सेमीनार के दूसरे दिन के सैशन में प्रो. देविका चित्रानी (यूनिवरसिटि ऑफ विक्टोरिया कनाडा) ने कैंसर नेनो मेडिसन ए स्मार्ट इन्टीग्रेशन आर्फ नेनोटेक्नोलॉजी विड कीमो थेरीप्यूटिक ड्रूनास टू एक्सपलाईट डी फुल पोर्टेशियल ऑफ करेंट रेडियो थेरेपी। डा. प्रेमनारायण गुप्ता (आई.आई.आई.एम.जम्मू) ने इम्पलीकेशन आर्फ मोकरोफेज इवेजन एण्ड पी-ग्लाईकोप्रोटीन इनहिबिशन इन थेरापूटिक आउटकम आर्फ नैनो-कीमोथेरेपी पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. अन्शुमान दीक्षित (डी.बी.टी.आई.एल.एस.भुवनेश्वर) ने डेवलपमेन्ट ऑफ पोली फामकोलोजिकल थेरापिटिक्स अगेस्ट इनफेंक्शन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सेमीनार में 510 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया उक्त सेमीनार में शिक्षकों वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने विभिन्न सत्रों में अपने अनुभव आधारित प्रश्न एवं विचार व्यक्त किये। 5 मार्च को आयोजित सेमीनार के समापन सत्र में विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. संजय के जैन ने इस दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमीनार के दौरान आयोजित हुए विभिन्न तकनीकि सत्रों पर आधारित विस्तृत व्याख्यान दिया। श्री संतोष सोहगोरा (कुलसचिव, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर) ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि प्रो. रंजीत सिंह (कुलपति,शोभित विश्वविद्यालय,मेरठ) ने समापन उद्बबोधन में शोध आधारित अनुभव साझा किये एवं उक्त कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर ध्यानाकर्षित किया। समापन सत्र के अन्त में डॉ. सुशील कमार काशव ने आयोजन समिति की ओर आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

सागर, आचरण। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 7 मार्च, समय प्रातः 11.00 बजे ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर (म.प्र.) द्वारा किया जा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने बतलाया कि इस ऑनलाइन व्याख्यान के सारस्वत अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सीताराम दुबे होंगे। यह व्याख्यान 'प्राचीन भारत में राजधर्म' पर केन्द्रित होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर. पी. सिंह एवं सह-संयोजक डॉ. एस. के. यादव होंगे। प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन शाला कार्यक्रम के अध्यक्ष होंगे।

सार-समाचार

विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय सेमीनार संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विवि के फार्मेसी विभाग में आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एण्ड ड्रग इंजीनियरिंग इन ड्रग डिस्कवरी पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन 4 व 5 मार्च को संपन्न हुआ। यह सेमीनार शास्त्री इंडो-केनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. संजय सिंह कुलपति भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एवं ड्रग डिस्कवरी पर आधारित सासस्वत व्याख्यान दिया। उद्घाटन सत्र में डॉ. प्राची कौल डारेक्टर शास्त्रीय इंडो केनेडियन इंस्टीट्यूट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। प्रो.नीलिमा गुप्ता कुलपति डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्बोधन में ''आर्टीफिशियल इनटेलीजेंस एण्ड ड्रग इंजीनियरिंग इन ड्रग डिस्कवरी'' पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रो.वंदना सोनी द्वारा किया गया। आयोजन सचिव डॉ. सुशील कमार काशव ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया, प्रो. आरके रावत, अधिष्ठाता यांत्रिकी एवं तकनीकि संकाय द्वारा सेमीनार की थीम की उपयोगिता पर विशेष उद्बोधन दिया। प्रो. उमेश के पाटिल ने आभार प्रकट किया।

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

सागर, आचरण। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 7 मार्च, समय प्रातः 11.00 बजे ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर (म.प्र.) द्वारा किया जा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने बतलाया कि इस ऑनलाइन व्याख्यान के सारस्वत अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सीताराम दुबे होंगे। यह व्याख्यान 'प्राचीन भारत में राजधर्म' पर केन्द्रित होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर. पी. सिंह एवं सह-संयोजक डॉ. एस. के. यादव होंगे। प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन शाला कार्यक्रम के अध्यक्ष होंगे।

प्राचीन भारत राजधर्म पर व्याख्यान आज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में सोमवार को सुबह 11 बजे ऑन लाइन व्याख्यान आयोजित किया गया है। प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने बताया कि इस ऑनलाइन व्याख्यान के अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सीताराम दुबे होंगे। यह व्याख्यान 'प्राचीन भारत में राजधर्म' पर केन्द्रित होगा।

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान आज

सागर। प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 7 मार्च को सुबह 11 बजे ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने बताया कि इस ऑनलाइन व्याख्यान के सारस्वत अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सीताराम दुबे होंगे। यह व्याख्यान प्राचीन भारत में राजधर्म पर केन्द्रित होगा।

लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन समेत ग्रुप-ए के पांच पद भरे

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 2 मार्च को हुई कार्यपरिषद की बैठक में अशैक्षणिक पदों पर नियुक्ति से संबंधित निर्णय लिए गए थे। बैठक में ग्रुप-ए के पांच पदों पर नियुक्ति की स्वीकृति दी गई थी। इसमें लाइब्रेरियन के पद पर संदीप कुमार पाठक, डिप्टी लाइब्रेरियन के पद पर संजीव सराफ, निदेशक शारीरिक शिक्षा के पद पर डॉ. राकेश मालिक, सीनियर सिस्टम एनॉलिस्ट के पद पर रूपेंद्र जुगल चौरसिया, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर सचिन सिंह गौतम का चयन हुआ है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन अशैक्षणिक पदों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, वे सभी पद सहित वर्तमान में ग्रुप-ए, बी एवं ग्रुप सी के सभी रिक्त पद जल्द फिर से विज्ञापित किए जाएं।

अंतर विश्वविद्यालयीन खो-खो प्रतियोगिता 10 से

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 10 से 13 मार्च तक पश्चिम-क्षेत्रीय अंतर-विश्वविद्यालयीन खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र के 65 विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर किया गया है।

स्पर्धा: पश्चिम क्षेत्र के 65 विश्वविद्यालय करेंगे प्रतिभागिता

वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता 10 मार्च से

आचरण संवाददाता

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 13 मार्च 2022 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र की 65 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेंगे। आयोजित प्रेस.वार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना की लम्बी अवधि के बाद विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधि एक बड़े आयोजन के साथ शुरू हो रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय खो.खो, पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। खेल से संबंध आत्मीय और प्रगाढ़ होते हैं और हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसलिए खेल से जुड़े रहना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति में खेल की भावना होनी चाहिए। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. रत्नेश दास ने 10 से 13 मार्च तक चलने वाली प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानदंड के अनुसार निर्णायक मंडल को भी आमंत्रित किया गया है सभी प्रतियोगी टीम के आवास.भोजन इत्यादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में की गई है कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने सभी पत्रकार गणों का आभार प्रकट किया। पूर्व में भी विश्वविद्यालय में हुई हैं अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताएं प्रो. दास ने बताया कि विश्वविद्यालय खेल परिसर में वर्ष 2002 में बैडमिन्टन 2010.11 में टेबल.टेनिस 2011.12 में हॉकी एवं वालीवाल अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इसके साथ ही 2015.16 में अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा चुका है। यह प्रतियोगिता 19 दिनों तक चली। इसी क्रम में खो-खो पुरूष का यह आयोजन कई मायने में महत्वपूर्ण है।

ये विश्वविद्यालय कर रहे हैं प्रतिभागिता

प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, मप्र, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के 65 विश्वविद्यालय की टीमें शामिल होंगी।

महिलाएं आज हर जगह सक्षम है इसका उदाहरण आज हर कहीं देखा जा सकता है जहां आज महिलाओं ने कुछ ना कुछ कार्य करके दिखाया है पर इसे प्रतिशत में देखा जाए तो बहुत कम है समाज में आज भी कई पाबंदियां है और कई जगह महिलाएं अपने लिए खुद यह लकीरें बना लेती हैं कि वह नहीं कर पाएंगी। लेकिन महिलाओं को इन विचारों से निकलकर बाहर आना होगा और समाज को उनका साथ देना होगा जब महिलाएं बाहर निकल कर आएंगी तब महिलाओं को उनका स्थान मिलेगा आज जो हम आत्मनिर्भर की बात करते हैं और आत्मनिर्भर भारत तब बनेगा जब महिलाएं सक्षम होगी और महिलाएं स्वयं के लिए आगे बढ़ेगी महिलाओं में जो कार्य कर सकती हैं जिसमें वह बेहतर है जिसमें श्रेष्ठ मैं उनको वही करना चाहिए। नौकरियों में महिलाएं बहुत कम प्रतिशत में दिखाई देती हैं शिक्षा के स्तर पर देखा जाए तो महिलाएं आगे आ रही है लेकिन जहां नौकरी की बात करें वहां महिलाएं पुरुषों की तुलना में बहुत कम है अगर हम बराबरी की बात करते हैं तो नौकरी पढ़ाई हर जगह पर महिलाओं की बराबरी होनी चाहिए।

प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति सागर विवि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विवि में ब्रेक द बायस थीम पर समारोह होगा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को दोपहर 2 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में ब्रेक द बायस थीम पर समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव होंगी। कार्यक्रम में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल उच्च प्रशासन में महिलाएं, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल वीमेन एंड पावर, गलगोटिया विश्वविद्यालय नोएडा की कुलपति प्रो. प्रीति बजाज उच्च शिक्षा में महिलाएं एवं ढाका विश्वविद्यालय बांग्लादेश की प्रो. हामिदा खानम बांग्लादेश में लड़कियों और महिलाओं पर कोविड का प्रभाव और सामाजिक समस्याएं विषय पर व्याख्यान देंगी।

चार दिवसीय राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता 13 से

नवभारत न्यूज

सागर 7 मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 13 मार्च तक किया जा रहा है. प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र की 65 विवि प्रतिभागिता करेंगें.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. रत्नेश दास ने 10 से 13 मार्च तक चलने वाली प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी.

पर्वतारोही संतोष यादव आयेगीं आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रेक द बायस थीम पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में दोपहर 2 बजे से आयोजित किया गया है.

मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव होंगी. इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और बुंदेलखंड रत्न पुरस्कार विजेता डॉ श्रीमती मीना पिंपलपुरे, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. लता वानखेडे विशिष्ट अतिथि होंगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, प्रो. निष्ठा जसवाल, प्रो. प्रीति बजाज, संबोधित करेगीं.

अंतर्राष्ट्रीय

विवि में होगी वेस्ट जोन अंतर-विवि पुरुष खो-खो प्रतियोगिता

खेल ▸ 10 मार्च से होने वाली प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र के 65 विवि की टीमें होंगी शामिल

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 10 से 13 मार्च तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र की 65 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेंगे। यह पहला मौका है जब विवि इतनी बड़ी खो-खो प्रतियोगिता करवा रहा है।

आयोजन की तैयारियों के संबंध में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना की लंबी अवधि के बाद विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधि एक बड़े आयोजन के साथ शुरू हो रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय खो-खो, (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल से संबंध आत्मीय और प्रगाढ़ होते हैं और हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है, इसलिए खेल से

प्रतियोगिता की जानकारी देती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

जुड़े रहना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति में खेल की भावना होनी चाहिए। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. रत्नेश दास ने 10 से 13 मार्च तक चलने वाली प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानदंड के अनुसार निर्णायक मंडल को भी आमंत्रित किया गया है सभी प्रतियोगी टीम के आवास-भोजन इत्यादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में की गई है।

पूर्व में भी विश्वविद्यालय में हुई हैं अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताएं : प्रो. दास ने बताया कि विश्वविद्यालय खेल परिसर में वर्ष 2002 में बैडमिंटन, 2010-11 में टेबल-टेनिस, 2011-12 में हाकी एवं बालीवाल अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इसके साथ ही 2015-16 में अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा चुका है। यह प्रतियोगिता 19 दिनों तक चली। इसी क्रम में खो-खो (पुरुष) का यह आयोजन कई मायने में महत्त्वपूर्ण है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों व कोच, मैनेजर के रुकने की व्यवस्था विवि प्रशासन द्वारा की गई है। मंच संचालन विवि के मीडिया प्रभारी ने किया व आभार कुलसचिव ने व्यक्त किया।

अंतर विश्वविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता 10 से 13 मार्च तक, 65 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी भाग लेंगे

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता 10 से होगी। प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र के 65 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी शिरकत करेंगे। प्रतियोगिता 13 मार्च तक चलेगी। पत्रकार वार्ता में कुलपति ने बताया कि कोरोना की लंबी अवधि के बाद विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधि एक बड़े आयोजन के साथ शुरू हो रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय प्रतियोगिता होगी। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. रत्नेश दास ने बताया कि मानदंड के अनुसार निर्णायक मंडल को भी आमंत्रित किया गया है सभी प्रतियोगी टीम के आवास-भोजन इत्यादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में की गई है।

पहले भी हो चुकी है अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताएं : प्रो. दास ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्ष 2002 में बैडमिंटन, 2010-11 में टेबल-टेनिस, 2011-12 में हॉकी एवं बॉलीवॉल अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हो चुकी है। 2015-16 में अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन हो जा चुका है।

चार राज्यों के 65 विश्वविद्यालय कर रहे प्रतिभागिता : प्रतियोगिता में चार राज्यों के 65 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता कर रहे हैं। इनमें मध्यप्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के विश्वविद्यालय शामिल हैं।

विधायक कप खेल महोत्सव का आयोजन 12 और 13 मार्च से, वात्सल्य स्कूल खेल मैदान पर

सागर | विधायक कप 2022 खेल महोत्सव का आयोजन विधायक शैलेंद्र जैन द्वारा 12 एवं 13 मार्च को पीली कोठी के बाजू में स्थित वात्सल्य स्कूल खेल मैदान में पर किया जाएगा। इस खेल महोत्सव में विभिन्न खेलों को शामिल किया गया है। इसमें कबड्डी, वॉलीबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन, शतरंज, तैराकी, कूडो, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल आदि खेलों का आयोजन बालक/बालिका स्कूल और महिला/पुरुष ओपन में किया जा रहा है। विधायक जैन ने खेल महोत्सव में अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए संबंधित प्रभारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी सौंपते हुए विशेष बिंदुओं पर चर्चा की।

सदर में 15 मार्च से फुटबॉल का प्रशिक्षण शिविर

सागर | सदर क्षेत्र में अब फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर भी शुरू होगा। सागर फुटबॉल एकेडमी द्वारा यह शिविर 15 मार्च को डीएनसीबी स्कूल के मैदान में शुरू होगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुए कार्यक्रम

दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति का नहीं कोई विकल्प

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ हरिसिंह गौर विश्विद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में ब्रेक द बायस थीम पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव थीं। केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने विचार रखे। पद्मश्री संतोष यादव ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य स्वस्थ रहना होना चाहिए। आज पूरी दुनिया कई तरह की समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे में हमें भय और प्रेम के सत्य को जानना बहुत आवश्यक है। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न आंकड़ों से हमें पता चलता है कि महिला और पुरुष में कितना भेद है। जिस तरह सफल पुरुष के पीछे महिला का योगदान होता है। सफल महिला के पीछे पुरुषों का भी सहयोग होता है।

देश की उन्नति, महिलाओं के योगदान बिना संभव नहीं

सागर. नोबल कॉलेज में महाविद्यालय के प्रांचार्य डॉ. कमलेश कुमार ने कहा कि किसी भी देश की उन्नति, महिलाओं की प्रगति के बिना संभव नहीं है। नारी को जाग्रत किए बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। वहीं, मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि एक शिक्षित महिला ही समाज का विकास कर सकती है, इसलिए महिला को शिक्षा प्राप्त करना अति आवश्यक है, जिससे वह समाज को एक नई दिशा प्रदान कर सके। अर्पणा तिवारी ने कहा कि सभी को महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

सड़क पर उतरी महिला पुलिस

सागर. मंगलवार को महिला पुलिस ने यातायात की कमान सम्हाली। इसी दौरान उन्होंने लोगों को यातायात के नियमों का पालन न करने वालों की जमकर क्लास लगाई। सड़क से निकल रही महिलाओं को रोककर उन्हें शुभकामनाएं दी और वाहन चालकों को रोक-रोक कर यातायात नियमों का पालन करने के लिए समझाइश दी। यातायात के नियम पालन करवाने के लिए टॅंपलेट देकर अपील की। उन्होंने कहा कि, दो पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के वाहन ना चलाएं वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग ना करें। आवश्यक हो तभी मोबाइल फोन का उपयोग करें। चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। कोई भी शराब पीकर वाहन ना चलाएं इस प्रकार की अपील की गई।

न्यायाधीशों का किया सम्मान

सागर. जिला अधिवक्ता संघ द्वारा महिला न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सागर अनिता श्रीवास्तव, विशेष अतिथि अपर आयुक्त शीतला पटेल रहीं। न्यायाधीश दीपाली शर्मा, नीतूकांता वर्मा, किरण तुमराची धुर्वे, रोहणी तिवारी, निधु श्रीवास्तव, स्वाती सिंह बघेल, रिशु भगत, साक्षी मसीह, सोनम रघुवंशी, स्मृति पटेल, आयुषी उपाध्याय, अधिवक्ता सुधा जैन पूर्व विधायक, मनोरमा गौर पूर्व महापौर, एनी गोस्वामी आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता रामदास राज, महेश नेमा द्वारा किया गया। संघ अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे, उपाध्यक्ष रामदास राज, सचिव राजू सराफ आदि उपस्थित रहे।

'एक धुरी के रूप में कार्य करती है महिला'

सागर. नव सर्वविप्र महासंगठन महिला इकाई द्वारा गोपालगंज स्थित कार्यालय में महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. पदमा ने कहा कि महिला परिवार की एक धुरी के रूप में कार्य करती है। वह परिवार और समाज प्रथम सोपान है। हमें पहली प्राथमिकता अपने बच्चों को समय देने को होनी चाहिए आज आधुनिकता की दौर में बेटा बेटी संस्कारों से भटक रहे हैं। कार्यक्रम में

किया चिकित्सकों का मैटरनिटी विंग लक्ष्य के लिए स्वागत

खेल से संबंध आत्मीय एवं प्रगाढ़ होते हैं: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 10 से 13 मार्च 2022 तक किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र की 65 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेंगे। इस अवसर पर आयोजित प्रेस-वार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कोरोना की लम्बी अवधि के बाद विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधि एक बड़े आयोजन के साथ शुरू हो रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. खेल से संबंध आत्मीय और प्रगाढ़ होते हैं और हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है, इसलिए खेल से जुड़े रहना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति में खेल की भावना होनी चाहिए।

शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. रत्नेश दास ने 10 से 13 मार्च तक चलने वाली प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मानदंड के अनुसार निर्णायक मंडल को भी आमंत्रित किया गया है सभी प्रतियोगी टीम के आवास-भोजन इत्यादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में की गई है. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने सभी पत्रकार गणों का आभार प्रकट किया।

प्रो. दास ने बताया कि विश्वविद्यालय खेल परिसर में वर्ष 2002 में बैडमिन्टन, 2010-11 में टेबल-टेनिस, 2011-12 में हॉकी एवं बालीवाल अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है. इसके साथ ही 2015-16 में अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा चुका है. यह प्रतियोगिता 19 दिनों तक चली. इसी क्रम में खो-खो (पुरुष) का यह आयोजन कई मायने में महत्वपूर्ण है.

डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा औरंगाबाद, कवियत्री भीनाबाई सीएनएम विवि.जलगांव, जेआर.एन. विश्वविद्यालय, उदयपुर. महाराजा गंगा सिंह विवि बीकानेर, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल, देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर, वीरनर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएस जयपुर, स्वर्णिम गुजरात विश्वविद्यालय, एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा, एसजीबी विश्वविद्यालय अमरावती, आर.टी.एम. विश्वविद्याल नागपुर, सरदार कृषिनगर डी.ए विवि. गुजरात, भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय पुणे, गोविंद गु आदिवासी विश्वविद्याल बांसवाड़ा, एलएनआईपी ग्वालियर. गोविंद गु यूनिवर्सिटी गुजरात, हेमचंद्रचा उत्तर गुजरात विश्वविद्याल भगवान महावीर विवि सू गुजरात, भक्तकवि नरसिं विवि, गुजरात, पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन यूनिवर्सिटी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्याल सागर, सेज यूनिवर्सिटी इंदौर, राजऋषि भर्तृह विश्वविद्यालय अलवर नवसारी कृषि विश्वविद्याल नवसारी, जूनागढ़ कृषि यूनिवर्सिटी जूनागढ़ गुजरात, गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिद्धपुर, गुजरात, निम्स विवि राजस्थान, जयपुर, सिंघानिया विवि झुंझुनू, राजस्थान, माधव यूनिवर्सिटी राजस्थान, श्री कौशलदास विवि, शिवाजी विवि आदि शामिल हुए।

प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष होंगी मुख्य अतिथि

सागर, आचरण। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'ब्रेक द बायस' थीम पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में दोपहर 02 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव होंगी। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और बुंदेलखंड रत्न पुरस्कार विजेता डॉ. श्रीमती मीना पिंपलपुरे, राज्य महिला आयोग, म.प्र. की पूर्व अध्यक्ष डॉ. लता वानखेड़े विशिष्ट अतिथि होंगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. इस आयोजन में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल कुलपति 'उच्च प्रशासन में महिलाएं', हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल 'वीमेन एंड पावर', गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा की कुलपति प्रो. प्रीति बजाज 'उच्च शिक्षा में महिलायें' एवं ढाका विश्वविद्यालय, बंगलादेश की प्रो. हामिदा खानम 'बांग्लादेश में लड़कियों और महिलाओं पर कोविड का प्रभाव और सामाजिक समस्याएं' विषय पर अपना व्याख्यान देंगी। व्याख्यान उपरान्त परिचर्चा-सत्र में आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम की कुलपति प्रो. सुजाता शाही, पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर सोलापुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मृणालिनी फडणवीस, जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.) की कुलपति प्रो. मीना राजेश अपने विचार प्रस्तुत करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कई जगह होगा महिलाओं का सम्मान

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को विवि, कोर्ट परिसर सहित कई जगह महिलाओं का सम्मान किया जाएगा।

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्रेक द बायस थीम पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में दोपहर 2 बजे से होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव होंगी। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और बुंदेलखंड रत्न पुरस्कार विजेता डा. मीना पिंपलपुरे, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष लता वानखेड़े विशिष्ट अतिथि होंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। आयोजन में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल, नोएडा की कुलपति प्रो. प्रीति बजाज एवं ढाका विश्वविद्यालय बंगलादेश की प्रो. हामिदा खानम व्याख्यान देंगी। परिचर्चा-सत्र में आइआइएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम की कुलपति प्रो. सुजाता शाही, पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर, कुलपति प्रो. मृणालिनी फडणवीस, जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की कुलपति प्रो. मीना राजेश अपने विचार प्रस्तुत करेंगी।

महिलाओं के संघर्ष, बलिदान और उनके त्याग को याद करने का दिन

जागरण, सागर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में ब्रेक द बायस थीम पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव थीं। केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी ने वीडियो संदेश के माध्यम से समारोह को संबोधित किया। मुख्य अतिथि पद्मश्री संतोष यादव ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य स्वस्थ रहना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति का कोई विकल्प नहीं है, बिना संकल्प के हम किसी उद्देश्य की प्राप्ति नहीं कर सकते। कार्यक्रम में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में महिलाओं के त्याग, साहस, बलिदान और संघर्ष की चर्चा की जा रही है। प्रसिद्ध समाजसेवी मीनाताई पिंपलापुरे ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष, बलिदान और उनके त्याग को याद करने का दिन है। उन्हीं के कारण आज महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिला है। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न आंकड़ों से हमें पता चलता है कि महिला और पुरुष में कितना भेद है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सफल पुरुष के पीछे महिला का योगदान होता है, उसी तरह सफल महिला के पीछे पुरुषों का भी सहयोग होता है। एक महिला के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रक्रिया को जानना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाएं कभी निर्बल नहीं रहीं। वे हमेशा से सशक्त थीं और आज भी हैं।

अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग में नवनिर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण गुरुवार को दोपहर 1.45 बजे केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर छग के कुलपति प्रो.एडीएन वाजपेयी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। कार्यक्रम में रतौना आंदोलन के नायक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्दुल गनी खान के परिवार के सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके बाद खेल परिसर में पश्चिम क्षेत्र के अंतर-विश्वविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जो 13 मार्च तक आयोजित की गई है, जिसमें 65 विवि प्रतिभागिता कर रहे हैं।

सागर, आचरण। माँ से बड़ा कोई सुरक्षा कवच नहीं, बेटी को हर बात माता से साझा करना चाहिए। यदि कोई गल्ती है तो या कोई भूल है तो भी हर बात को माता से साझा करने पर जीवन में बाधाएँ कभी नहीं आती। उक्त उद्‌गार भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमति संध्या भार्गव ने योग विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्याल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। श्रीमती संध्या भार्गव ने कहा कि आज के दौर में स्वयं मां की सोच में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है जिसमें वह पुत्र एवं पुत्री में भेदभाव न रखते हुए दोनों को बराबरी का दर्जा देती है।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया सम्मान

सागर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डॉ हरिसिंह गौर विश्विद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में 'ब्रेक द बायस' थीम पर समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव थीं. केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने वीडियो संदेश के माध्यम से समारोह को संबोधित किया. इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और बुंदेलखंड रत्न पुरस्कार विजेता डॉ. मीना पिंपलपुरे, कार्यक्रम की अध्युक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल, गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा की कुलपति प्रो. प्रीति

बजाज, ढाका विश्वविद्यालय, बंगलादेश की प्रो. हामिदा खानम ऑनलाइन-ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहीं.

मुख्य अतिथि पद्मश्री संतोष यादव ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य स्वस्थ रहना होना चाहिए. आज पूरी दुनिया कई तरह की समस्याओं से जूझ रही है. ऐसे में हमें भय और प्रेम के सत्य को जानना बहुत आवश्यक है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में महिलाओं के त्याग, साहस, बलिदान और संघर्ष की चर्चा की जा रही है. भारत सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लिए संकल्पबद्ध है। आज मुद्रा जैसी योजनाओं में महिलाओं की 70 प्रतिशत भागीदारी है स्टैंड अप योजना में उनकी भागीदारी 80 प्रतिशत है. यह इस बात के प्रमाण हैं कि देश. की बेटी सशक्त हो रही है।

समाजसेवी और बुंदेलखंड रत्न पुरस्कार से सम्मानित मीनाताई पिंपलापुरे ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष, बलिदान और उनके त्याग को याद करने का दिन है, उन्हीं के कारण आज महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिला है. अभी भी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में यह संघर्ष जारी है. जब तक महिलाओं को बराबरी का दर्जा नहीं मिलता तब तक हम बेहतर दुनिया नहीं बना सकते है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न आंकड़ों से हमें पता चलता है कि महिला और पुरुष में कितना भेद है. उन्होंने कहा कि जिस तरह सफल पुरुष के पीछे महिला का योगदान होता है, उसी तरह सफल महिला के पीछे पुरुषों का भी सहयोग होता है. एक महिला के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रक्रिया को जानना बहुत ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हमे अपने क्षेत्र में सफलता अवश्य मिलेगी बस हमें अंदर से प्रयास करने की आवश्यकता है। जब हर दिन-महिला दिवस के रूप में मनाया जाएगा तब असल मायने में महिलाओं की उन्नति दिखाई देगी।

मुख्य वक्ता प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान में ऐसे बहुत से अवसर हैं जिनसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में सुधार होगा। उन्होंने भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी का विस्तृत आंकड़ा प्रस्तुत किया।

प्रो हमीदा खानम ने कहा कि महिलाओं का विकास सिर्फ नारीवादी आंदोलन के कारण नहीं उसमें हुए सम्मिलित प्रयासों से हुआ है। कोविड के दौरान संसाधनों की कमी के चलते हुए सबसे ज्यादा महिलाओं ने संघर्ष किया। महिला स्वास्थ में मानसिक और शारीरिक स्वस्थ की बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को रिप्रोडक्टिव आजांदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिला होने का सही अर्थ तभी मालूम होता है जब हम अपनी क्षमताओं की पहचान कर सकें।

अब्दुल गनी खान के नाम पर होगा स्टेडियम

जागरण, सागर। रतौना कसाईखाना विरोधी सत्याग्रह के नायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्दुल गनी खान के परिजनों ने उनके पिता के नाम से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय स्टेडियम किए जाने पर आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह, समाजवादी विचारक रघु ठाकुर तथा वर्तमान विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की है। स्व अब्दुल गनी खान के परिजनों की ओर से उनके पुत्र अब्दुल रफीक गनी खान ने विज्ञप्ति जारी करके कहा है कि विवि के स्टेडियम को स्व.गनी खान के नाम पर रखने की घोषणा दिवंगत अर्जुन सिंह ने फरवरी, 2009 में सागर में आयोजित उनके नागरिक अभिनंदन समारोह के दौरान रघु ठाकुर की मांग पर की थी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह एक सकारात्मक और प्रशंसनीय पक्ष है।

शिक्षक समय का पर्याय होते हैं और इतिहास गढ़ने वालों को गढ़ते हैं: प्रो. राजपूत

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा में गुणवत्ता के लिए आवश्यक आधारभूत तत्वों पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है। शिक्षकों में व्यावसायिक कौशल उन्नयन और आदर्श शिक्षकीय व्यक्तित्व हेतु जरूरी चरणों को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। बदलते परिवेश में शिक्षक-वर्ग की तदनुरूप निपुणता विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के शैक्षिक परिवेश की समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षकों में विद्यार्थियों की तरह सीखने की ललक, कुछ नया करने का उत्साह और निरंतर प्रगतिपथ पर आगे बढ़ते रहने की व्यवस्थित कार्ययोजना होनी चाहिए। ये विचार दिये प्रो दिवाकर सिंह राजपूत ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में मुख्य वक्ता के रूप में उदबोधन देते हुए। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग में पदस्थ प्रोफ़ेसर दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान के लिए सेवारत शिक्षकों से शैक्षणिक संस्थानों और समाज को बहुत अपेक्षायें होती हैं। राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं के आदर्श व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में शिक्षक हमेशा प्रेरणा और गति प्रदान करने का काम करते हैं। इसके लिए स्वयं का व्यक्तित्व विकास और आदर्श शोध- अनुशासन पहले चरण के महत्वपूर्ण अंश कहे जा सकते हैं। राम-कृष्ण धर्मार्थ फाउण्डेशन विश्वविद्यालय (आर के डी एफ यूनिवर्सिटी) भोपाल द्वारा आयोजित ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता के रूप प्रो दिवाकर सिंह राजपूत ने विशेष रूप से आदर्श व्यक्तित्व निर्माण, शैक्षणिक गुणवत्ता, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, संसाधन प्रबंधन, राष्ट्रीय विकास एवं आदर्श सामाजिक साँस्कृतिक अकादमिक परिवेश पर केन्द्रित बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

आध्यात्मिक अर्थशास्त्र की प्रावैगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान 10 को

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आध्यात्मिक अर्थशास्त्र की प्रावैगिकता (डायनमिक्स ऑफ स्प्रिचुअल इकोनॉमिक्स) विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन 10 मार्च को सुबह 10.45 बजे से विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार में किया गया है. मुख्य अतिथि अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) के कुलपति प्रो. ए.डी.एन वाजपेयी होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता करेंगी. इस अवसर पर समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो ए डी शर्मा और विभाग के समस्त सदस्य उपस्थित रहेंगे

संक्षिप्त समाचार

नवनिर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण आज

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग में नवनिर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण दिनांक 10 मार्च को अपरान्ह 1:45 बजे होगा। स्टेडियम लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार, कैबिनेट मंत्री (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग) के कुलपति प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी मौजूद रहेंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. कार्यक्रम में रतौना आन्दोलन के नायक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्दुल गनी खान के परिवार के सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि लोकार्पण के उपरांत वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता का शुभारम्भ होगा। शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक प्रो रत्नेश दास ने बताया कि विश्वविद्यालय खेल परिसर में पश्चिम क्षेत्र के अंतर-विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता 10 से 13 मार्च 2022 तक आयोजित की गई है जिसमें 65 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त एवं कार्यरत शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने की अपील की है।

सरकार व विवि का आभार

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर में निर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम के लोकार्पण आयोजन की प्रशंसा करता है। विदित है कि वर्ष 2009 में सर्वदलीय मोर्चा के संरक्षक गांधी वादी चिंतक रघु ठाकुर की अगुवाई में चलाये गये लम्बे आंदोलन के फलस्वरूप तत्कालीन केन्द्र सरकार ने डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया था उस सरकार में अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में कार्यरत थे। फरवरी 2009 में मोर्चा के संरक्षक रघु ठाकुर के बुलावे पर अर्जुन सिंह सागर आये थे उनका नागरिक अभिनंदन मोर्चा की ओर से किया गया था उसी समारोह में रघु ठाकुर के कहने पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय मे निर्माण किये जाने वाले स्टेडियम का नाम इस क्षेत्र के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्दुल गनी खान के नाम पर रखने का निर्णय अर्जुन सिंह ने किया था। उसी के फलस्वरूप आज 10 मार्च को विश्वविद्यालय प्रशासन एवं वर्तमान सरकार इस स्टेडियम का लोकार्पण करने जा रही है। इस आयोजन को लेकर सर्वदलीय नागरिक संघर्ष मोर्चा विश्वविद्यालय प्रशासन वर्तमान सरकार एंव लोकार्पण समारोह में पधार रहे सभी माननीय अतिथियो का आभार प्रदर्शन करता है।

सागर शहर

आयोजन । स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण किया केन्द्रीय मंत्री ने

अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ेगी

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण कार्यक्रम मुख्य अतिथि माननीय डॉ. वीरेंद्र कुमार, कैबिनेट मंत्री (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली), विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) के कुलपति प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर स्व. अब्दुल गनी खान के पुत्र मो. रफीक गनी खान एवं परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. गौर एवं स्व. अब्दुल गनी खान की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ.

खेल समाजिक समरसता का सबसे बड़ा माध्यम: डॉ. वीरेन्द्र

मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार कैबिनेट मंत्री (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय डॉ. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है. यहाँ के विद्यार्थी अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं. डॉ. गौर के अवदान को नमन करते हुए उन्होंने कहा की डॉ. गौर केवल सागर के सपूत ही नहीं थे बल्कि वे देश के अनमोल रत्नों में से एक थे. उनका इस धरती पर बहुत बड़ा उपकार है. जब तक सागर अस्तित्व में रहेगा तब तक उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और हम इस पूरे वर्ष में देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्षों और योगदानों को याद कर रहे हैं. ऐसे में सागर की धरती पर जन्मे स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल गनी खान के नाम पर विश्वविद्यालय में निर्मित इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है. उन्होंने कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है. खेल एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच आपसी सौहार्द और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ और विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया।

अध्ययन केंद्र के अनुदान की घोषणा

उन्होंने विश्विद्यालय के लिए 300 सीट की क्षमता के ओबीसी/अनुसूचित जाति/ जनजाति कन्या छात्रावास और डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्ट केंद्र की घोषणा की. उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस समय 30 केंद्र संचालित हैं. इसमें एससी/एसटी/ओबीसी के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के निःशुल्क कोचिंग एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा, उन्होंने 500 सीट की क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट की भी घोषणा की जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा सकेगा. इसी के साथ विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रुपये करने की घोषणा भी की।

व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए खेल आवश्यक अंग- कुलपति गुप्ता

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा विश्वविद्यालय के लिए की गई घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्रालय से मिले अनुदान के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय दिन-प्रतिदिन और अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा और यहाँ के विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के लोग इससे लाभ ले पायेंगे. उन्होंने कहा कि स्टेडियम के माध्यम से रतौना आन्दोलन के महानायक स्व. अब्दुल गनी खान हमेशा के लिए अमर हो गए । उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल आवश्यक है. इस माध्यम से मनोरंजन भी होता है, शरीर भी स्वस्थ रहता है और हम प्रकृति के नजदीक रहते हैं. इस माध्यम से हम भारत सरकार के 'फिट इंडिया' के ध्येय को भी साकार कर पायेंगे. इस नवनिर्मित स्टेडियम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और नागरिक समाज खेलों से जुड़ पाएंगे. उन्होंने स्टेडियम में मौजूद आधुनिक साज-सज्जा युक्त सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

व्यक्ति के भीतर खेल भावना होना अनिवार्य

विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ. उन्होंने कहा कि डॉ हरीसिंह गौर का योगदान पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान जैसा ही है. इसलिए हमें डॉ गौर के लिए भी 'महामना' शब्द उपयोग करना चाहिए. उन्होंने कहा कि खेल युवा कल्याण का महत्वपूर्ण भाग है। आज खोखो प्रतियोगिता का उद्घाटन हो रहा है. कोविड के बाद इस तरह के आयोजन युवाओं में एक नए जोश और उमंग का संचार करेंगे. खेल में हार-जीत होती रहती है लेकिन व्यक्ति में खेल भावना का होना बहुत ही जरूरी है. उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन की प्रतियोगिता में जीतने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के महेंद्र बाथम ने किया. स्वागत भाषण संचालक प्रो रत्नेश दास ने दिया. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार ज्ञापन किया. इस ऐतिहासिक अवसर पर पूर्व विधायक धरमू राय, डॉ. भानू राणा, प्रदीप पाठक, शहर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु, विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और कार्यरत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित थे।

पुष्पांजलि दी, पौधारोपण भी किया

मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले की 125वीं पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान ,शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसी) सावित्रीबाई फुले भवन जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी, कुलसचिव संतोष सोहगौरा और केंद्र के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा की उपस्थित रही. उन्होंने केंद्र के पुस्तकालय का निरीक्षण किया और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया.

संत का श्राप भी वरदान बन जाता है: शुभम

केंद्रीय मंत्री ने अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का किया शुभारंभ

22 विधाओं की स्पर्धा शुरू हुई, 10 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी छात्र ले रहे हिस्सा, 150-150 सीर्टस के बालक एवं बालिका छात्रावासों की सौगात

छतरपुर।

महाराजा .छत्रसाल बुंदेलखण्ड यूनिवर्सिटी छतरपुर के प्रांगण में 10 मार्च को दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता कल्याण मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर भारतीय वैदिक संस्कृति श्लोक एवं मंत्र उच्चारण प्रक्रिया के बीच दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में कलेक्टर संदीप जी आर, कुलपति प्रो. टी.आर. थापक, बुन्देलखण्ड के प्रख्यात साहित्यकार और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. अवध किशोर जड़िया तथा एनएसएस अधिकारी डॉ. आर.के. विजय, कर्नल गोयात और डॉ. जे.पी. मिश्र कुल सचिव, चित्रकार रामकुमार सोनी, सांसद प्रतिनिधि धीरेन्द्र नायक, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. बलराम नामदेव मंचासीन रहे। युवा उत्सव का समापन 11 मार्च को सायं 4 बजे होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में आयोजित

किये गये राज्य स्तरीय आयोजन के लिये शासन का आभार प्रकट करते हुये कहा कि यह धरा शौर्य एंवं साहस की भूमि है। यहां की माटी में हीरे जवाहरात निकलते है, यहां की भूमि से रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगना, आल्हा-ऊदल, महाराजा छत्रसाल हुये है जो इतिहास में अमिट है।

उन्होंने राज्य स्तरीय आयोजन में भाग लें रहे युवाओं का भी आभार प्रकट किया और आयोजित प्रतिस्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आव्हान किया। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले दिनों में बुन्देलखण्ड क्षेत्र की तस्वीर बदलेंगी। यह क्षेत्र विश्वविद्यालयीन अनुसंधान प्रतीक केन्द्र के रूप में उभरेगा।

उन्होंने .सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय मंत्रालय की ओर से बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी कैम्पस में अम्बेडकर अनुसंधान शोध पीठ के साथ-साथ 150-150 सीटर्स के बालक एवं बालिका छात्रावासों के निर्माण कराने की घोषणा भी की। अनुसंधान पीठ के लिये प्रतिवर्ष 75 लाख रुपये मिलेंगे। तो शोध करने वाले प्रतिभागियों को मानदेय भी मिलेगा।

केन्द्रीय मंत्री ने आशा जताई की महाराजा छत्रसाल यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान समाज एवं देश में बनाएंगी। उन्होंने राज्य स्तरीय आयोजन में भाग लेने आये युवाओं का आव्हान करते हुये कहा कि ''चिंता करों न इसकी कभी, विजय कौन पराजित कौन, केवल देखों खेल के रण को, हंसते हंसते खेला कौन' इस भावना को साकार करें।

स्वच्छता एवं नशा मुक्ति के लिये युवा आगे आए-कलेक्टर: कलेक्टर संदीप जी आर ने राज्य स्तरीय आयोजन में भाग ले रहे युवा शक्तियों से आव्हान करते हुये कहा कि नशे से दूर रहे और समाज को भी दूर रहने के लिये जागृत करें, साथ ही छतरपुर जिले को स्वच्छता के मामले में आगे लाये इसके लिये युवा आगे आकर सहभागिता निभाये।

कुलपति टी.आर. थापक ने कहा कि युवा भागीदारी के बिना समाज एवं देश अधूरा है। उन्होंने युवा शक्तियों को जागृत करते हुये कहा कि खुद के ऊपर विश्वास रखे। ज्ञान सृजन के परिणाम स्वरूप वह समय भी जरूर आएगा। जब घड़ी दूसरों की होगी और समय युवाओं का होगा।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अवध किशोर जड़िया ने उन्हें सम्मानित करने पर कहा कि ये सम्मान मां शारदा, बुन्देलखण्ड के साथ-साथ शिक्षा का सम्मान है। इस आयोजन में वे अपनी उपस्थिति देकर स्वयं हर्षित एवं गौरन्वित हुये है। इस अवसर पर डॉ. अवध किशोर जड़िया, कलेक्टर संदीप जी आर और चित्रकार रामकुमार सोनी का शॉल एवं श्रीफल तथा महाराजा छत्रसाल का प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कुल सचिव जे.पी. मिश्र और श्रीमती ममता वाजपेयी ने भी संबोधित किया। चित्रकार रामकुमार सोनी द्वारा महाराजा छत्रसाल के बनाये गये चित्र का लोकार्पण केन्द्रीय मंत्री एवं कुलपति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। राज्य स्तरीय आयोजन में प्रदेश के 10 विश्वविद्यालयों के 550 युवा प्रतिभागी भाग लेने यहां उपस्थित हुये। प्रारंभ में छत्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं कुलगान की प्रस्तुति दी गई। समापन पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई।

दैनिक भास्कर | सागर

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने किया स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण

विवि में ओबीसी-एससीएसटी वर्ग के लिए शुरू होगा डॉ. अंबेडकर उत्कृष्ट केंद्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की कराएंगे निःशुल्क तैयारी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओबीसी तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के लिए 300 सीट का डॉ. अंबेडकर उत्कृष्ट केंद्र शुरू किया जाएगा। केंद्र में इस वर्ग के विद्यार्थियों को एक साथ 300 विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह घोषणा केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की। वे गुरुवार को विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में इस तरह के कुल 30 केंद्र संचालित हो रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए 300 सीट क्षमता के ओबीसी, अनुसूचित जाति, जनजाति कन्या छात्रावास निर्माण की घोषणा भी की। 500 सीट क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट जल्द जारी कराने और विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रुपए करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपने कार्यों से राष्ट्रीय एवं

केंद्रीय मंत्री ने किया स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं। डॉ. गौर केवल सागर के सपूत नहीं थे, बल्कि देश के अनमोल रत्नों में से एक थे। हम इस पूरे वर्ष में देश की आजादी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्षों और योगदानों को याद कर रहे हैं। ऐसे में सागर की धरती पर जन्मे स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल गनी खान के नाम पर इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव हो रहा है। विशिष्ट अतिथि अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी ने कहा कि डॉ. गौर का योगदान पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान जैसा ही है। कार्यक्रम को कुलपति ने भी संबोधित किया। संचालन महेंद्र बाथम ने किया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक प्रो. रत्नेश दास, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, पूर्व विधायक धरमू राय, डॉ. भानू राणा, प्रदीप पाठक सहित स्व. अब्दुल गनी खान के पुत्र मो. रफीक खान गनी एवं परिवार के सदस्य भी मौजूद थे।

पहले दिन 17 मैच, सागर विवि की टीम मैच जीतकर अगले दौर में: प्रतियोगिता के पहले दिन 17 मैच खेले गए। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की टीम ने पेसिफिक एकेडमी को 2 पॉइंट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इसी तरह श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय को हेमचन्द्र आचार्य नार्थ गुजरात विवि ने एक इनिंग व 3 पॉइंट से हराया। भगवान महावीर विवि को भक्त कवि नरसिंह मेहता विवि ने एक इनिंग 6 पॉइंट से हराया। भूपाल विवि उदयपुर पर एमआईएसयू विवि ने एक इनिंग 14 पॉइंट से जीत दर्ज की।

... कहा कि संस्कृति   दिव्यांगजन स्वयं को बोझ न समझें, हम शीघ्र ही   प्रदर्शनी ...

विश्वविद्यालय में केंद्रीय मंत्री ने किया स्टेडियम का लोकार्पण व खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के नवनिर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण गुरुवार को केंद्रीय मंत्री डॉ.वीरेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने इसके साथ साथ पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विवि खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का शुभारंभ भी किया। मुख्य अतिथि डॉ.वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय डॉ. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है। यहां के विद्यार्थी अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि स्टेडियम के माध्यम से रतौना आन्दोलन के महानायक स्व.अब्दुल गनी खान हमेशा के लिए अमर हो गए। विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर छग के कुलपति प्रोण् एडीएन वाजपेयी ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वहीं नवनिर्मित स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं। लोगों के लिए बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां तक नहीं थीं। वहीं मीडियाकर्मियों को भी फजीहत झेलनी पड़ी और लंबे कार्यक्रम के दौरान उन्हें पीने के लिए पानी तक उपलब्ध नहीं कराया गया। कार्यक्रम के बाद आयोजित जलपान में भी ऐसा ही कुछ नजर आया। नाश्ते के लिए पत्रकारों को भी नहीं पूछा गया। बात केवल मीडिया की नहीं है बल्कि पूरे आयोजन में ही अव्यवस्था दिखाई दे रही थी। कुल मिलाकर स्टेडियम लोकार्पण और खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ भले ही महत्वपूर्ण हो लेकिन इसके आयोजन का प्रबंधन पूरी तरह विफल रहा। हैरत की बात है कि इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी क्यों ऐसे व्यक्तियों को सौंप दी जाती है जो बेहतर प्रबंधन नहीं कर पाते।

निग... भ्रमण

केंद्रीय विवि में नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का हुआ लोकर्पण

सागर (आरएनएन)। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का गुरुवार को लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार एवं विशिष्ट अतिथि अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो एडीएन वाजपेयी रहे। इस अवसर पर स्व अब्दुल गनी खान के पुत्र मो. रफीक गनी खान एवं परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ गौर एवं स्व. अब्दुल गनी खान की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि डॉ गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है। यहां के विद्यार्थी अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवि नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और हम इस पूरे वर्ष में देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्षों और योगदानों को याद कर रहे हैं। ऐसे में सागर की धरती पर जन्मे स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल गनी खान के नाम पर विश्वविद्यालय

में निर्मित इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है। खेल एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज के अलग अलग वर्गों के बीच आपसी सौहार्द और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। उन्होंने भारतीय विवि संघ और विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर विवि में आयोजित चार दिवसीय वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने विश्विद्यालय के लिए 300 सीट की क्षमता के ओबीसी/अनुसूचित जाति/जनजाति कन्या छात्रावास और डॉ अम्बेडकर उत्कृष्ट केंद्र की घोषणा की। उन्होंने 500 सीट की क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट की भी घोषणा की जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा सकेगा। इसी के साथ विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रूपये करने की घोषणा भी की। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने डॉ वीरेंद्र कुमार द्वारा विश्वविद्यालय के लिए की गई घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्रालय से मिले अनुदान के माध्यम से हमारा विवि दिन प्रतिदिन और अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा और यहां के विद्यार्थियों शिक्षकों और समाज के लोग इससे लाभ ले पायेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रो एडीएन वाजपेयी ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि आज खोखो प्रतियोगिता का उद्घाटन हो रहा है। कोविड के बाद इस तरह के आयोजन युवाओं में एक नए जोश और उमंग का संचार करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ वीरेंद्र कुमार ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले की 125वीं पुण्यतिथि पर विवि के समाज विज्ञान शिक्षण अभिगम केंद्र सावित्रीबाई फुले भवन जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अर्थशास्त्र का कल्याण आध्यात्मिकता से ही सम्भव: वाजपेयी

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा केंद्रीय पुस्तकालय सभागार 'आध्यात्मिक अर्थशास्त्र की प्रावैगिकता' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. ए डी एन वाजपेयी ने कहा कि अर्थशास्त्र का आध्यात्मिकता से ही कल्याण संभव है। जब तक हम पूंजीवादी व्यवस्था की बुराइयों को दूर नहीं करेंगे तब तक सभी लोगों को खुशी नहीं मिल सकती। हमें विकास की अंधी दौड़ को कम करना होगा। दुनिया में आज असमानताएं लगातार बढ़ रही हैं जो हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए एक बड़े खतरे का संकेत है। इसलिए हमें आध्यात्मिकता को केंद्र में रखकर आर्थिक विकास की गतिविधियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी से पृथ्वी पर मानव जाति का ही नहीं बल्कि समस्त सृष्टि का कल्याण संभव हो सकेगा। उन्होंने कबीर के द्वारा किए गए समाज उत्थान के कार्यों एवं उनके विचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने संतुलित विकास के मॉडल का को अपनाने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि वास्तव में आध्यात्मिक अर्थशास्त्र की ओर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। जिससे कि आने वाली पीढ़ी इसके महत्व को अपने जीवन में सम्मिलित कर सके। इस विषय पर हमें शोध कार्य करने की आवश्यकता है जिससे इस विचार को हम जनमानस तक पहुंचाने में सफल हो सकें। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. जी एम दुबे ने दिया। इस अवसर पर मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो ए डी शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ उतसव आनंद, डॉ केशव टेकाम सहित काफी संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन डॉ बीना थावरे ने किया एवं डॉ वीरेंद्र मटसेनिया ने आभार व्यक्त किया। अकादमिक, खेल, शोध एवं आउटरीच प्रोग्राम को लेकर हुए एमओयू पर हस्ताक्षर। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए. कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी और कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने साझेदारी पत्रक पर हस्ताक्षर किये. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक उन्नयन और मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य के तहत साझेदारी पत्रक पर हस्ताक्षर हुए हैं. इस माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय शोध गतिविधियाँ, विद्यार्थी-शिक्षक एक्सचेंज, लैब कोलैबोरेशन, सामाजिक प्रतिबद्धता की गतिविधियाँ, खेल, आउटरीच प्रोग्राम, पाठ्यक्रम निर्माण, लर्निंग आउटकम एक्सचेंज इत्यादि गतिविधियों को संचालित करेंगे. इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुधीर शर्मा भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे तथा कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. चंदा बेन, प्रो. बी के श्रीवास्तव, प्रो ए पी मिश्रा, प्रो श्री भागवत, प्रो. जे के जैन, डॉ के एस माथुर, डॉ रामहेत गौतम, डॉ मुकेश साहू, डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ हरिनारायण विश्वकर्मा, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

खेल समाजिक समरसता का सबसे बड़ा माध्यम: डॉ. वीरेन्द्र कुमार

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्व.अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार कैबिनेट मंत्री सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्व.अब्दुल गनी खान के पुत्र मो. रफीक गनी खान एवं परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. गौर एवं स्व. अब्दुल गनी खान की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय डॉ. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है। यहां के विद्यार्थी अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं। डॉ. गौर के अवदान को नमन करते हुए कहा डॉ. गौर केवल सागर के सपूत ही नहीं थे बल्कि वे देश के अनमोल रत्नों में से एक थे। उनका इस धरती पर बहुत बड़ा उपकार है। जब तक सागर अस्तित्व में रहेगा तब तक उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे में सागर की धरती पर जन्मे स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल गनी खान के नाम पर विश्वविद्यालय में निर्मित इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए 300 सीट की क्षमता के ओबीसी, अनुसूचित जाति, जनजाति कन्या छात्रावास और डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्ट केंद्र की घोषणा की उन्होंने कहा पूरे देश में इस समय 30 केंद्र संचालित हैं इसमें एससी, एसटी, ओबीसी के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के निःशुल्क कोचिंग एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने 500 सीट की क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट की भी घोषणा की जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा सकेगा। इसी के साथ विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रूपये करने की घोषणा भी की।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा विश्वविद्यालय के लिए की गई घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्रालय से मिले अनुदान के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय दिन-प्रतिदिन और अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा और यहां के विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के लोग इससे लाभ ले पायेंगे स्टेडियम के माध्यम से रतौना आन्दोलन के महानायक स्व. अब्दुल गनी खान हमेशा के लिए अमर हो गए। पढ़ाई के साथ-साथ खेल आवश्यक है। इस माध्यम से मनोरंजन भी होता है, शरीर भी स्वस्थ रहता है और हम प्रकृति के नजदीक रहते हैं।

विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी ने कहा इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। डॉ. हरीसिंह गौर का योगदान पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान जैसा ही है। इसलिए हमें डॉ. गौर के लिए भी 'महामना' शब्द उपयोग करना चाहिए। खेल युवा कल्याण का महत्वपूर्ण भाग है। आज खोखो प्रतियोगिता का उद्घाटन हो रहा है कोविड के बाद इस तरह के आयोजन युवाओं में एक नए जोश और उमंग का संचार करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के महेंद्र बाथम ने किया. स्वागत भाषण संचालक प्रो रत्नेश दास ने दिया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार ज्ञापन किया।

खेल सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा माध्यम

सौगात ● केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार ने अब्दुल गनी खान स्टेडियम का किया लोकार्पण

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का गुरुवार को लोकार्पण होने के साथ ही विवि में पहली बार आयोजित हो रही चार दिवसीय वेस्ट जोन विवि खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का भी शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार ने स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार। ● नवदुनिया

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय डा. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है। यहां के विद्यार्थी अपने कार्यो के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं। डा. गौर केवल सागर के सपूत ही नहीं थे बल्कि वे देश के अनमोल रत्नों में से एक थे। उनका इस धरती पर बहुत बड़ा उपकार है, जब तक सागर अस्तित्व में रहेगा तब तक उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

देश के अलग-अलग स्थानों से आई विवि की टीमें भी कार्यक्रम में मौजूद थी। ● नवदुनिया

उन्होंने विश्विद्यालय के लिए 300 सीट की क्षमता के ओबीसी/अनुसूचित जाति/जनजाति कन्या छात्रावास और डा. आंबेडकर उत्कृष्ट केंद्र की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस समय 30 केंद्र संचालित हैं, जिसमें एससी/एसटी/ओबीसी के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के निशुल्क कोचिंग एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने 500 सीट की क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट की भी घोषणा की जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा सकेगा। इसी के साथ विवि में स्थापित आंबेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रुपये करने की घोषणा भी की।

खेल से सौहार्द और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है : उन्होंने कहा कि पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और हम इस पूरे वर्ष में देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्षों और योगदानों को याद कर रहे हैं। ऐसे में सागर की धरती पर जन्में स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल गनी खान के नाम पर विश्वविद्यालय में निर्मित इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है। खेल एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच आपसी सौहार्द और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। खेल का मैदान सामाजिक समरसता, एकात्मता और राष्ट्रीयता का स्थापित करने का श्रेष्ठ उदाहरण है। प्रतियोगिता के साथ साथ खेल के माध्यम से एक दूसरे से मिलना होता है जिससे आपस में मित्रता और आत्मीय संबंध स्थापित होते हैं।

व्यक्ति के भीतर खेल भावना होना अनिवार्य: प्रो. वाजपेयी : विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) के कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि डा. गौर का योगदान पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान जैसा ही है। इसलिए हमें डा. गौर के लिए भी महामना शब्द उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल युवा कल्याण का महत्वपूर्ण भाग है। आज खोखो प्रतियोगिता का उद्घाटन हो रहा है। कोविड के बाद इस तरह के आयोजन युवाओं में एक नए जोश और उमंग का संचार करेंगे।

मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र कुमार ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले की 125वीं पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसी) सावित्रीबाई फुले भवन जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने केंद्र के पुस्तकालय का निरीक्षण किया और केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया।

व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए खेल आवश्यक अंग : कुलपति

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्रालय से मिले अनुदान के माध्यम से हमारा विवि दिन-प्रतिदिन और अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा और यहां के विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के लोग इससे लाभ ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के माध्यम से रतौना आन्दोलन के महानायक स्व. अब्दुल गनी खान हमेशा के लिए अमर हो गए। उन्होंने कहा की पढाई के साथ-साथ खेल आवश्यक है। इस माध्यम से मनोरंजन भी होता है, शरीर भी स्वस्थ रहता है और हम प्रकृति के नजदीक रहते है। इस माध्यम से हम भारत सरकार के फिट इंडिया के ध्येय को भी साकार कर पाएंगे।

माह माह के योग, दिल वि की ...

विश्वविद्यालय में संगोष्ठी आज

सागर, देशबन्धु। डॉक्टर हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्त्वावधान में 'स्वतंत्रता के 75वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां' विषय पर शनिवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। विवि के पुस्तकालय सभागार में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक संचालित इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विवि सोनीपत हरियाणा के कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा होंगे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगीं। विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीपी सिंह ने बताया इस संगोष्ठी में भारत के आठ राज्यों के प्राध्यापक, शोध छात्र तथा विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थी थीम से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों जैसे साइबर क्राइम, मॉब लिंचिंग, समान सिविल संहिता आदि समकालीन विषयों पर लगभग 100 से अधिक शोध पत्रों की प्रस्तुति होगी।

विधि विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

सागर | डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां विषय पर शनिवार को केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार में सुबह 10 बजे से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सोनीपत हरियाणा की कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा होंगी। विधि विभागाध्यक्ष प्रो. पीपी सिंह ने यह जानकारी दी।

43 विद्यार्थी सीबीएसई टीईटी परीक्षा में पास

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के बीएबीएड, बीएससी-बीएड में अध्ययनरत 43 छात्र-छात्राओं ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा दिसंबर 2021 में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता पाई है। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने बताया कि अध्ययनरत 90 में एक साथ 43 विद्यार्थियों का सफल होना विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है।

विवि की टीम जीती

सागर। डा. हरीसिंह गौर विवि के स्टेडियम में चल रही खो खो पुरूश प्रतियोगिता में शुक्रवार को 14 मुकाबले हुए। रोमांचक मुकाबल में नागपुर दो प्वाइंट, भावनगर इनिंग 18, डा. हरीसिंह गौर 6 प्वाइंट, एसआरटीएम नादेड 02 प्वाइंट एवं जबलपुर की टीम 12 प्वाइंट से जीती।

4 खिलाड़ी का इंटर युनिवर्सिटी में चयन

सागर. खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा सागर में संचालित ताईक्वांडो खेल प्रशिक्षण केन्द्र के खिलाड़ी मोहम्मद रिहान खान, सौरभ राठौर, गौरव गोदरे, दीपेश पाण्डेय का ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी केरल में 21 से 24 मार्च तक आयोजित प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। प्रशिक्षक अर्जुन सिंह रावत विक्रम अवार्डी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर सागर डॉ. हरिसिंह गौर युनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी ताईक्वांडो खेल प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया।

काम की जानकारी

संवैधानिक चुनौतियां विषयक संगोष्ठी आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां विषय पर शनिवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा।

धर्म . समाज . संस्था

दैनिक भास्कर सागर, शनिवार, 12 मार्च, 2022

खेल • अंतर विश्वविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता में शुक्रवार को खेले गए 14 मैच

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की टीम दूसरे दौर में भी जीती, छतरपुर टीम बाहर

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम पर वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता में शुक्रवार को 14 मैच खेले गए। सागर विवि ने जीत का सिलसिला जारी रखा और तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं छतरपुर विवि सौराष्ट्र विवि से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गया। पहला मैच आरटीएम विश्वविद्यालय नागपुर ने एमएस विवि बड़ोदा को 2 पॉइंट से हराकर जीत लिया। एमके भावनगर विवि ने कच्छ विवि को 18 पॉइंट से हराया। डॉ हरीसिंह गौर वि वि ने आरआरएम्बीयू अलवर विवि को 6 पॉइंट और एक इनिंग से पटखनी दी। एसआरटीएम नांदेड़ विवि ने गोंडवाना विवि पर 2 पॉइंट से जीत हासिल की। गुजरात विवि नवरंगपुरा को आरडीविवि जबलपुर ने 12 पॉइंट से हराया । कवयित्री बीनाबाई

खो-खो खेलते खिलाड़ी।

जलगांव विवि गुजरात ने राजस्थान विवि जयपुर को 2 पॉइंट से हराया। देवी अहिल्या बाई विवि इंदौर को वीर नारमद साउथ गुजरात सूरत विवि ने 2 पॉइंट से हराया। सौराष्ट्र विवि राजकोट ने एमसीबीयू विवि छतरपुर पर 21 पॉइंट एक इनिंग से जीत दर्ज की। एसके भावनगर विवि को सरदार पटेल विवि वल्लभ नगर ने 12 पॉइंट से हराया। आरटीएम नागपुर ने गोविंद गुरु विवि बांसबाड़ा पर 15 पॉइंट एक इनिंग से जीत दर्ज की। वीर नारमद साउथ गुजरात विवि को कवयित्री बीनाबाई जलगांव विवि ने 10 पॉइंट से हराया। पंडित डीयूएस सीकर विवि ने ने जीवाजी विवि ग्वालियर पर 1 पॉइंट से जीत दर्ज की। मोहनलाल सुखाड़िया विवि उदयपुर को सरदार पटेल विवि वल्लभ नगर ने 2 पॉइंट एक इनिंग से हराया। हेमचंद्र आचार्य नार्थ गुजरात विवि ने भक्तकवि नरसिंह विवि गुजरात को 2 पॉइंट एक इनिंग से हराया ।

43 विद्यार्थी सीबीएसई टीईटी परीक्षा में सफल

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग के बीएबीएड, बीएससी बीएड में अध्ययनरत 43 छात्र–छात्राओं ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा दिसंबर 2021 में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता पाई है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्र–छात्राओं की इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

न्यूज गैलरी

स्वतंत्रता के 75 वर्ष विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

सागर। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां विषय पर दिनांक 12 मार्च को सुबह 10 बजे से केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डा. भीमराव आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा होंगी एवं उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। संगोष्ठी की संयोजक डा. रूचि रानी सिंह एवं सह संयोजक डा. अनुपमा पंडित सक्सेना ने बताया कि संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए हैं। (नप्र)

43 विद्यार्थी सीबीएसई-टीईटी परीक्षा में सफल

सागर, आचरण डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग के बी.ए.बी.एड., बी.एससी-बी.एड. में अध्ययनरत 43 छात्र-छात्राओं ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा दिसंबर 2021 में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता पाई है. विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्र-छात्राओं की इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ. रश्मि जैन ने बताया कि अध्ययनरत 90 में एक साथ 43 विद्यार्थियों का सफल होना विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है।

संगोष्ठी आज

सागर, आचरण। डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर के विधि विभाग के तत्वावधान में 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां' विषय पर 12 मार्च को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा होंगीं एवं उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विवि की कुलपति. प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगीं। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत के आठ राज्यों के प्राध्यापक, शोध छात्र तथा विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थी थीम से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों जैसे साइबर क्राइम, मॉब लिंचिंग, समान सिविल संहिता आदि समकालीन विषयों पर लगभग 100 से अधिक शोध पत्रों की प्रस्तुति होगी।

विवि के भौतिक शास्त्र विभाग में 3 दिवसीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की

सागर, आचरण संवाददाता।

भौतिक शास्त्र विभाग में तीन दिवसीय अतर्राष्ठीय कांफ्रेंस करेंट ट्रेंड्स इन एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड दिए एप्लीकेशन फॉर सोसाइटल डेवलपमेंट विषय पर 08 मार्च से 10 मार्च 2022 तक ऑनलाइन मोड में आयोजित की गयी जिसकी संयोजिक डॉ रेखा गंग सोलंकी सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र विभाग थीं। अंतर्राष्टीय कांफ्रेंस की शुरुआत 08 मार्च को हुई थी जिसमें अध्यक्षता विश्विद्यालय कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। मुख्य अथिति के रूप में गुरु घासीदास विश्विद्यालय के फिजिकल साइंस के डीन प्रो. पी के बाजपाई उपस्थित रहे। एस. एम् पी एस डॉ हरीसिंह गौर विश्विद्यालय के डीन प्रो आशीष वर्मा, भोतिक शास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो रणवीर कुमार, एवं विश्विद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे।

अतर्राष्ठीय कांफ्रेंस में विभिन्न शोध विषयों पर राष्टीय एवं अंतर्राष्टीय विषय विशेषज्ञों ने अपने- अपने शोध विषय पर वक्तव्य दिए। अतर्राष्ठीय कांफ्रेंस में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध कार्य को प्रस्तुत किया जिसमें 33 प्रतिभागियों ने ऑरल माध्यम से एवं 27 प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध कार्य को प्रस्तुत किया। जिसको मूल्यांकन समितियों द्वारा मूल्यांकित किया गया। ऑरल माध्यम में प्रस्तुत किये गये शोध कार्य का मूल्यांकन प्रो एपी मिश्रा, प्रो विजय वर्मा रसायन विभाग, प्रो आशीष वर्मा भोतिक शास्त्र विभाग, प्रो यू एस पाटिल फार्मेसी विभाग, डॉ पायल महोबिया जन्तुविज्ञान विभाग, डॉ हरी सिंह गौर विवि एवं प्रो शैलेन्द्र पाटिल फार्मेसी और मेडिकल विभाग, एस वी एन विश्वविद्यालय ने किया। तथा पोस्टर मूल्यांकन समिति में रिटायर्ड प्रो आर नाथ भोतिक शास्त्र विभाग, रिटायर्ड प्रो यू एस गुप्ता जन्तुविज्ञान विभाग , डॉ अष्मिता गजभिये फार्मेसी विभाग , डॉ के के कुशवाहा जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर, डॉ पूनम डहरिया वनस्पति विभाग तथा डॉ पूर्णिमा वर्मा भोतिक शास्त्र विभाग थे।

समापन समारोह की अध्यक्षता रिटायर्ड प्रो आर नाथ भोतिक शास्त्र विभाग ने की। एवं बेस्ट पोस्टर एवं बेस्ट ऑरल प्रेजेंटेशन के लिय अवार्ड की घोषणा की। ऑरल प्रेजेंटेशन में शोधार्थी नेहा भोतिक शास्त्र विभाग गुरु घासीदास विश्विद्यालय, प्रवीण कुमार लिटोरिया, पूजा अहिरवार भोतिक शास्त्र विभाग डॉ हरी सिंह गौर विश्विद्यालय, अनु जोश, सेंट टेरसा कॉलेज केरला, सुरभि चौरसिया जन्तुविज्ञान विभाग, डॉ हरी सिंह गौर विश्विद्यालय को बेस्ट ऑरल प्रेजेंटेशन अवार्ड दिए गये। पोस्टर मूल्यांकन में शोधार्थी ह्रितिनावा बनिक भोतिक शास्त्र विभाग त्रिपुरा विश्विद्यालय, मानवेन्द्र सिंह गंगवार आई आई टी गोवहटी, प्रमोद कुमार विश्वकर्मा सेंटर ऑफ़ मटेरियल साइंस इलाहाबाद विश्विद्यालय को बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड दिए गये। आयोजक समिति में पुष्पांजलि पटेल , प्रेरणा गुप्ता , के. एम. सुजाता आदि शोधार्थीयों ने सहभागिता की। समापन समारोह में कांफ्रेंस संयोजिक डॉ रेखा गर्ग सोलंकी सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र विभाग ने उपस्थित राष्टीय एवं अंतर्राष्टीय विषय विशेषज्ञों, विभिन्न वक्ताओं, आयोजक समिति, एवं प्रतिभागियों का आभार व्यंक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 3 विद्यार्थियों को बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन का अवार्ड

सागर | भौतिक शास्त्र विभाग में करंट ट्रेंड्स इन एडवांस्ड मेटेरियल्स एंड दि एरर एप्लीकेशन फॉर सोसाइटल डेवलपमेंट विषय पर आयोजित तीन दिन की अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन हो गय। कांफ्रेंस में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों को बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन का अवार्ड दिया गया। कांफ्रेंस में विभिन्न शोध विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों ने वक्तव्य दिए। 60 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। इनमें 33 ने ओरल और 27 प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन के जरिए शोध कार्य की प्रस्तुति दी। जिसको मूल्यांकन समितियों ने मूल्यांकित किया। प्रेजेंटेशन में शोधार्थी नेहा भौतिक शास्त्र विभाग गुरु घासीदास विश्विद्यालय, प्रवीण कुमार लिटोरिया, पूजा अहिरवार भौतिक शास्त्र विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्विद्यालय, अनु जोश सेंट टेरेसा कॉलेज केरला, सुरभि चौरसिया जंतु विज्ञान विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड दिया गया। पोस्टर मूल्यांकन में शोधार्थी ह्रितिनावा बनिक भौतिक शास्त्र विभाग त्रिपुरा विश्विद्यालय, मानवेन्द्र सिंह गंगवार आईआईटी गोवाहटी , प्रमोद कुमार विश्वकर्मा सेंटर ऑफ़ मटेरियल साइंस इलाहाबाद विश्वविद्यालय को बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन का अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के फिजिकल साइंस के डीन प्रो. पीके बाजपेयी तथा समापन समारोह के अध्यक्ष रिटायर्ड प्रो. आर नाथ भौतिक शास्त्र विभाग थे।

43 विद्यार्थी सीबीएसई-टीईटी परीक्षा में सफल

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग के बीए बीएड., बीएससी बीएड में अध्ययनरत 43 छात्र–छात्राओं ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा दिसंबर 2021 में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता पाई है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्र–छात्राओं को इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने बताया कि अध्ययनरत 90 में एक साथ 43 विद्यार्थियों का सफल होना विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में बीए फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय था राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका। प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें महिमा नामदेव ने प्रथम, हर्षिता साह ने द्वितीय तथा राज सिंह ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। राज सिंह ने अपना पुरस्कार दिव्यांग प्रतिभागी अरुण प्रजापति के साथ साझा करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच होने का आदर्श स्थापित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. चंदा बैन द्वारा सभी विजेताओ को पुरस्कार दिये गए। डॉ. अफरोज बेगम तथा डॉ. बबलू राय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। डॉ.राजेंद्र यादव और डॉ. हिमांशु कबीर और डॉ. अरविंद कुमार ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा में नई तकनीकों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

वैदिक वांग्मय के विविध आयामों एवं प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से 14 व 15 मार्च को अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता है। इस संगोष्ठी में सम्पूर्ण देश से चालीस विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। ये विद्वान उत्तराखंड, हिमांचल प्रदेश, जम्मू, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्रप्रदेश के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से सम्बंधित हैं। महत्वपूर्ण यह है कि उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली, संपूर्णानंद विश्वविद्यालय वाराणसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय कैथल हरियाणा, महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर आदि सहित देश के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालयों की प्रतिभागिता हो रही है।

साप्ताहिक सामुदायिक कार्य का समापन

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय सामुदायिक कार्य का समापन हो गया। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने बताया कि सामुदायिक कार्य की शुरुआत 4 मार्च को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरिया में पौधरोपण से हुई। समन्वयक डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति ने यह जानकारी दी।

वैदिक वांग्मय के विविध आयामों एवं प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत विभाग के तत्त्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से दिनांक 14 से15 मार्च 2022 को अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन सुनिश्चित है किया गया. संगोष्ठी का विषय 'वैदिक वांगमय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता' है. इस संगोष्ठी में सम्पूर्ण देश से चालीस विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। ये विद्वान उत्तराखंड, हिमांचल प्रदेश, जम्मू, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्रप्रदेश के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से सम्बंधित हैं। महत्वपूर्ण यह है कि उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली, संपूर्णानंद विश्वविद्यालय वाराणसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय कैथल हरियाणा, महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर आदि सहित देश के महत्त्वपूर्ण विश्वविद्यालयों की प्रतिभागिता हो रही है। संगोष्ठी के उद्घाटन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। बीज वक्तव्य प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी (पूर्व कुलपति) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली देंगे तथा मुख्य अतिथि प्रो. सच्चिदानंद मिश्र सदस्य सचिव भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली होंगे।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. विजय कुमार सी. जे., कुलपति महर्षि पाणिनि वैदिक एवं संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन होंगे। यह संगोष्ठी वैदिक वांगयम के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर केंद्रित है जिसमें सम्पूर्ण वैदिक वांगयम के संहिता ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद आदि पर चर्चा होनी है वस्तुतः वैदिक वांगयम के वैज्ञानिक सांस्कृतिक सामाजिक आध्यात्मिक आयुर्वेदिक मनोवैज्ञानिक पर्यावरणीय आदि अनेक विषयों को आज के संदर्भ में स्थापित करना ही इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य है। वेद सम्पूर्ण मानव जाति का है इसलिए इसके ज्ञान का लाभ सम्पूर्ण मानव जाति को मिलना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में बताई युवाओं की भूमिका

डॉ. हरीसिंह गौर विवि में हुई भाषण प्रतियोगिता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ.हरीसिंह गौर विवि के हिंदी विभाग में बीए फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका था। इस अवसर पर प्रो. चंदा बैन ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी पुस्तकों को अपना साथी बना ले, यह उम्र है ज्यादा से ज्यादा पढने और ज्ञान अर्जित करने की। आप केवल ऑनलाईन कंटेट के भरोसे मत रहिए बल्कि मूल पुस्तकों को खरीदें। डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ.हिमांशु कबीर और डॉ. अरविंद कुमार ने विद्यार्थियों को शिक्षा में नई तकनीक के प्रयोग के लिये प्रेरित किया। प्रतियोगिता में महिमा नामदेव ने प्रथम , हर्षिता साहू ने द्वितीय और राज सिंह ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. अफरोज बेगम और डॉ. बबलू राय ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

विभिन्न विभागों में पीजी की मान्यता

किसी भी प्रतियोगिता में खेलने पर पाबंदी का प्रस्ताव भी भेजा

जबलपुर व राजकोट विश्वविद्यालय के खो-खो खिलाड़ी मैदान में झगड़े, दोनों टीमों को बाहर किया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की मेजबानी में चल रही वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता के एक मुकाबले में जबलपुर और राजकोट गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाड़ी मैदान में भिड़ गए। दोनों पक्षों में मारपीट हुई और कुर्सियां उछाली गईं। दोनों ही टीमों को प्रतियोगिता से बाहर करते हुए वापस भेज दिया गया है। साथ ही इनके एक साल तक किसी भी प्रतियोगिता में शामिल होने पर पाबंदी लगाने के लिए प्रस्ताव भी भेजा गया है। जानकारी के अनुसार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर और सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट की खो-खो टीम के बीच शुक्रवार को मुकाबला हुआ था। शाम के वक्त अंधेरा हो जाने से खिलाड़ी एक दूसरे से टकरा गए। इससे विवाद खड़ा हो गया और नौबत हाथापाई की आ गई। विवाद बढ़ता देख केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिकारियों व आयोजकों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। हालांकि इस दौरान भी कुर्सियां उछाली जाती रहीं। शनिवार को मैदान में हुए इस व्यवहार की समीक्षा की गई और जबलपुर व राजकोट विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को अनुशासनहीनता और कदाचरण को दोषी पाया गया। इन दोनों ही टीमों को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया है।

एआइयू को पत्र लिखा

केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो रत्नेश दास ने दोनों टीमों को प्रतियोगिता से बाहर किए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जांच में पाया किया गया कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों का व्यवहार खेला भावना के प्रतिकूल था। इससे माहौल दूषित हुआ। उन्होंने बताया कि इस करतूत के लिए के ऑल इंडिया यूनिवर्सिटीज् को भी पत्र लिखा जा रहा है। जिसमें यह मांग की जाएगी कि उक्त दोनों टीमों को अगले एक साल तक किसी भी प्रतियोगिता में शामिल न किया जाए।

'समाज की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तित होते रहना चाहिए विधि को'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विधि विभाग द्वारा 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम केंद्रीय पुस्तकालय के सभागार में हुआ।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विवि सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा ने कहा कि जैसे नदी की स्वच्छता उसके बहते जल के कारण है और जल के स्थिर हो जाने पर उसमें मलिनता आ जाती है वैसे ही विधि के स्थिर हो जाने पर विधि में भी दोष आ जाते हैं। अतः विधि को समाज की आवश्यकता अनुसार परिवर्तित होते रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान भारतीय जनमानस की आत्मा की तरह है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि समाज और कानून एक दूसरे के पूरक हैं। समाज व्यवस्थित ढंग से चले इसके लिए कानूनों का होना आवश्यक है। इसके साथ ही समाज में व्यापत कुव्यवस्थाओं और बुरी प्रथाओं के खात्मे के लिए भी कानून का होना आवश्यक है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो पीपी सिंह ने दिया। संगोष्ठी परिचय डॉ. रुचि रानी सिंह ने दिया। संचालन सहायक प्राध्यापक कृष्ण कुमार ने किया। सहा प्राध्यापक डॉ विवेक दुबे ने आभार माना।

आयोजन | भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत महिला प्रकल्प सागर द्वारा परिसंवाद आयोजित

सूर्या सावित्री काव्य संग्रह का विमोचन

सागर, आचरण संवाददाता।

भारतीय शिक्षण मंडल महाकोशल प्रांत महिला प्रकल्प सागर द्वारा परिसंवाद, सिविल लाइंस स्थित दीपक होटल में आयोजित किया गया। परिसंवाद का विषय-महिला सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्र बोध तथा नारी शक्ति-यात्रा के असंख्य किरदार रखा गया। भारतीय शिक्षण मंडल, महाकौशल प्रांत महिला प्रकल्प सागर द्वारा आयोजित परिसंवाद महिला सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्रबोध कार्यक्रम में सूर्या सावित्री डा सरोज गुप्ता के काव्य संग्रह का विमोचन कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कपूर सोनीपत हरियाणा के करकमलों से किया गया। सरस्वती वंदना-श्रीमती रेनू कठल, ध्येय वाक्य एवं मंत्र आराधना रावत, संगठन गीत श्रीमती राजश्री दवे व संचालन श्रीमती क्लीं राय ने किया आभार श्रीमती पूनम मेवाती द्वारा व्यक्त किया गया। स्वागत उद्बोधन डॉ सरोज गुप्ता द्वारा किया गया।

श्रीमती अर्चना पाराशर द्वारा ब्रह्म वादिनी का प्रस्तुतीकरण किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा, कि महिलाओं को सशक्त शब्द और आरक्षण की कदापि आवश्यकता नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। आगे बढ़ने का एक ही सूत्र है दृढ़ निश्चय ! सिर्फ दृढ़ निश्चय के बल पर प्रत्येक महिला अपने एक ही गुण के आधार पर सफलता के उच्चतम सोपान को तय कर सकती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो विनय कपूर ने कहा कि हम सब एक दूसरे का सहारा बनें.और यह शुरुआत परिवार से ही होगी।

हर ननद अगर संकल्प ले ले कि मैं भाभी का संबल बनूंगी, तो महिला कहीं भी पीछे नहीं रह सकती है। उद्धरण देते हुए उन्होंने बताया कि महाराणा रंजीत सिंह का राज्य अटक से कटक तक था। उनकी मां को जन्म के बाद जमीन में दबा दिया गया था।

एक साधु ने उन्हें बाहर निकलवाया और वहीं बच्ची बाद में महाराणा रंजीत सिंह की मां बनीं। इसलिए घर से ही प्रत्येक नारी को अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि समाज में होने वाली बुराई को दूर करने के लिए शक्ति जब ठान लेती है, तो महिषासुर मर्दिनी बन जाती है। इसलिए हमें 10 भुजा वाली बनना है और हर एक में एक शस्त्र हो।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्रीमती डॉक्टर लता वानखेड़े ने कहा नारी विश्व की चेतना, मुक्ति, करुणा, ममता, शक्ति है। नारी दुर्गा भी है और शक्ति भी। सशक्तिकरण ऊपर से थोपा नहीं जा सकता, शक्ति तो अंदर है। 21वीं सदी को महिलाओं की सदी अवश्य कहा गया है, किंतु महिलाओं की स्थिति आज भी बहुत दयनीय है। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर अगर सब को जागरूक न कर सके, तो हमारी जागरूकता का कोई अर्थ नहीं है।

कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि एडवोकेट डॉ विनोद राणा ने कहा कि वह समाज सेवा के माध्यम से हर रक्षाबंधन और भाई दूज पर सब भाइयों से संकल्प लेते हैं कि वह बहनों को सेनेटरी नैपकिन भेंट स्वरूप प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूलों में बालिकाएं सिर्फ इसलिए नहीं पहुंच पाती क्योंकि उनके पास उन विशेष दिनों में अपने को सहेजने के उचित साधन नहीं है। डॉ संजय पाठक ने भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत की उपलब्धियों पर चर्चा की। मंचासीन अतिथियों को सम्बोधित करते हुए डॉ सरोज गुप्ता ने कहा कि महिला दिवस को महिला संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

इस दिन महिलाओं के द्वारा संकल्प लिया जाना चाहिए कि वे समाज के अंतिम छोर पर बैठी हर महिला को शिक्षित कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ेंगी। 21वीं सदी की महिलाएं स्वर्णिम इतिहास लिखने जा रही हैं, वे जल थल नभ सब कहीं अपना परचम लहरा रही हैं वे सशक्त हो रही हैं महिला अब नीर भरी दुख की बदली नहीं रही अब गुप्त जी की यह पंक्तियां भी प्रासंगिक नहीं रही कि अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी अब महिलाएं धर्म और अध्यात्म में भी आगे आ रही है वह दिन दूर नहीं जब महिलाएं मैत्री गार्गी लोपा की तरह शास्त्रार्थ में भी आगे आकर भारतीय नारी का इस क्षेत्र में भी खोया सम्मान वापस लाएंगी. किंतु अभी भी 50 प्रतिशत महिलाएं दबी कुचली शिक्षा विहीन जिंदगी जी रही हैं मैं उनसे कहती हूं कि जाग उठो चुप न बैठो आंधियों से अब चलो दर्द की तुरपाई तोड़ो, आंधियों सी अब चलो, वे अपनी शक्ति को पहचाने क्योंकि अब उन्हें यह एहसास दिलाना होगा के जब शत प्रतिशत महिलाएं शिक्षित होकर कदम से कदम मिलाकर चलेंगी तभी देश तरक्की कर सकेगा उनमें इतनी ताकत है कि मही को हिला सकती महिला हमें अहंकार से दूर रहकर पुरुष के साथ सामंजस्य बिठाकर चलना है क्योंकि पुरुष और महिला जीवन रथ के दो पहिए हैं साथ चलेंगे तभी जीवन सुगमता से चलते हुए अपने लक्ष्य पर पहुंचेगा और हम अपने आप को सम्मानित महसूस करेंगे। कार्यक्रम में डॉ राजू टण्डन, अनुराग विजपुरिया, सोनिक नामदेव, अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ आशीष द्विवेदी, प्रभा श्रीवास्तव, डॉ ऊषा मिश्रा, कविता लारिया, संध्या भार्गव, मनीषा मिश्रा, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती शैलबाला सुनरया, श्रीमती नन्दिनी सोनी सहित बड़ी संख्या में भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

व्यक्तित्व विकास के लिए स्थापित करते हैं.

विधि में निरंतर परिवर्तन की आवश्यकता : प्रो कपूर

नवभारत न्यूज

सागर 13 मार्च. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्त्वावधान में समकालीन संवैधानिक चुनौतियां विषय पर केंद्रीय पुस्तकालय सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया.

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा ने विधि में निरंतर परिवर्तन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसे नदी की स्वच्छता उसके बहते जल के कारण है और जल के स्थिर हो जाने पर उसमें मलिनता आ जाती है वैसे ही विधि के स्थिर हो जाने पर विधि में भी दोष आ जाते हैं.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि समाज और कानून एक दूसरे के पूरक हैं. समाज व्यवस्थित ढंग से चले इसके लिए कानूनों का होना आवश्यक है. इसके साथ ही समाज में व्यापत कुव्यवस्थाओं और बुरी प्रथाओं के खात्मे के लिए भी कानून का होना आवश्यक है. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो पीपी सिंह ने दिया. संगोष्ठी परिचय डॉ रुचि रानी सिंह ने प्रस्तुत किया. संचालन सहायक प्राध्यापक कृष्ण कुमार ने एवं सहा प्राध्यापक डॉ विवेक दुबे ने आभार माना.

वैदिक वांग्मय के विविध आयामों पर संगोष्ठी आज

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्त्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से 14 से 15 मार्च 2022 को अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता है। संगोष्ठी में सम्पूर्ण देश से चालीस विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। ये विद्वान उत्तराखंड, हिमांचल प्रदेश, जम्मू, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्रप्रदेश के विवि एवं महाविद्यालयों से सम्बंधित हैं। महत्वपूर्ण यह है कि उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली, संपूर्णानंद विश्वविद्यालय वाराणसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय कैथल हरियाणा, केंद्रीय संस्कृत विवि तिरुपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर आदि सहित देश के महत्त्वपूर्ण विवि की प्रतिभागिता हो रही है।

डॉ.हरीसिंह गौर विवि के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का हुआ लोकार्पण

सागर

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम का गुरुवार को लोकार्पण होने के साथ ही विवि में पहली बार आयोजित हो रही चार दिवसीय वेस्ट जोन विवि खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का भी शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार ने स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थापित डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय डा. गौर के महान संकल्पों एवं सपनों की देन है। यहां के विद्यार्थी अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय नाम रोशन कर रहे हैं। डा. गौर केवल सागर के सपूत ही नहीं थे बल्कि वे देश के अनमोल रत्नों में से एक थे। उनका इस धरती पर बहुत बड़ा उपकार है, जब तक सागर अस्तित्व में रहेगा तब तक उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होंने विश्विद्यालय के लिए 300 सीट की क्षमता के ओबीसी/अनुसूचित जाति/जनजाति कन्या छात्रावास और डा. आंबेडकर उत्कृष्ट केंद्र की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस समय 30 केंद्र संचालित हैं, जिसमें एससी/एसटी/ओबीसी के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के निश्शुल्क कोचिंग एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने 500 सीट की क्षमता के निर्माणाधीन बालक छात्रावास की अगली ग्रांट की भी घोषणा की जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा सकेगा। इसी के साथ विवि में स्थापित आंबेडकर अध्ययन केंद्र की अनुदान राशि बढ़ाकर 75 लाख रुपये करने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और हम इस पूरे वर्ष में देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्षों और योगदानों को याद कर रहे हैं। ऐसे में सागर की धरती पर जन्में स्वतंत्रता संग्राम के नायक स्व. अब्दुल

गनी खान के नाम पर विश्वविद्यालय में निर्मित इस स्टेडियम का लोकार्पण करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है। खेल एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच आपसी सौहार्द और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। खेल का मैदान सामाजिक समरसता, एकात्मता और राष्ट्रीयता का स्थापित करने का श्रेष्ठ उदाहरण है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्रालय से मिले अनुदान के माध्यम से हमारा विवि दिन-प्रतिदिन और अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा और यहां के विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के लोग इससे लाभ ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के माध्यम से रतौना आन्दोलन के महानायक स्व. अब्दुल गनी खान हमेशा के लिए अमर हो गए। उन्होंने कहा की पढ़ाई के साथ-साथ खेल आवश्यक है। इस माध्यम से मनोरंजन भी होता है, शरीर भी स्वस्थ रहता है और हम प्रकृति के नजदीक रहते हैं। इस माध्यम से हम भारत सरकार के फिट इंडिया के ध्येय को भी साकार कर पाएंगे। इस नवनिर्मित स्टेडियम से विवि के विद्यार्थी और नागरिक समाज खेलों से जुड़ पाएंगे।

विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छग) के कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेयी ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि डा. गौर का योगदान पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान जैसा ही है। इसलिए हमें डा. गौर के लिए भी महामना शब्द उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल युवा कल्याण का महत्वपूर्ण भाग है। आज खोखो प्रतियोगिता का उद्घाटन हो रहा है। कोविड के बाद इस तरह के आयोजन युवाओं में एक नए जोश और उमंग का संचार करेंगे। खेल में हार-जीत होती रहती है लेकिन व्यक्ति में खेल भावना का होना बहुत ही जरूरी है मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र कुमार ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले की 125वीं पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसी) सावित्रीबाई फुले भवन जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने केंद्र के पुस्तकालय का निरीक्षण किया और केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया।

महिमा सिंह को प्रधानमंत्री ने किया सम्मानित

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभागमें पदस्थ प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत की भांजी महिमा सिंह को गांधी नगर गुजरात के राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। महिमा को यह सम्मान और स्वर्ण पदक सायबर सेक्युरिटी एवं सायबर फोरेंसिक में पीजी डिप्लोमा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए मिला है। महिमा सिंह की उपलब्धि पर शुभचिंतकों ने बधाईयां दी। (नप्र)

समाज की आवश्यकतानुसार कानून में संशोधन आवश्यक: प्रो. विनय कपूर मेहरा

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां विषय पर विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय सभागार में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो.विनय कपूर मेहरा ने आजादी के अमृत महोत्सव, आजादी में शहीदों के बलिदान, नई शिक्षा नीति, जेलों में सेनानियों पर किए गए अत्याचार, लाला लाजपत राय द्वारा महिला शिक्षा, सह शिक्षा, अनाथ बच्चों के अधिकारों में दिए गए योगदान आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने विधि में निरंतर परिवर्तन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसे नदी की स्वच्छता उसके बहते जल के कारण है और जल के स्थिर हो जाने पर उसमें मलिनता आ जाती है वैसे ही विधि के स्थिर हो जाने पर विधि में भी दोष आ जाते हैं। अतः विधि को समाज की आवश्यकता अनुसार परिवर्तित होते रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान भारतीय जनमानस की आत्मा की तरह है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. पीपी सिंह ने दिया।। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित थे। एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन कुल 3 सत्रों में किया गया जिसमें देश भर के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों शोध प्रपत्रों का वाचन किया।

खो-खो में मुंबई सिरमौर, शिवाजी कोल्हापुर विवि सेकंड नंबर पर

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्व. अब्दुल गनी खान स्टेडियम पर चल रही वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में 6 पॉइंट हासिल कर मुंबई विश्वविद्यालय ने अव्वल नंबर का खिताब अपने नाम कर लिया है। शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर 3 अंक हासिल कर दूसरे नंबर पर रही। रविवार को लीग राउंड के दौरान पहला मैच बीएएम विश्वविद्यालय औरंगाबाद और मुंबई विश्वविद्यालय के बीच खेला गया। शान खेल का प्रदर्शन कर मुंबई की टीम ने औरंगाबाद को 5 पॉइंट और एक इनिंग से शिकस्त देकर प्रतियोगिता में बढ़त हासिल कर ली।

दूसरा मैच भी मुंबई विश्वविद्यालय और शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर के बीच हुआ। कोल्हापुर विश्वविद्यालय को 4 पॉइंट से हराकर मुंबई ने अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद बीएएम विश्वविद्यालय औरंगाबाद का मुकाबला शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर से हुआ। यह मैच ड्रा रहा। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिला । सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुणे और मुम्बई विश्वविद्यालय के बीच हुए मैच में भी मुम्बई ने 1 पॉइंट पुणे की टीम को हरा दिया। बीएएम विश्वविद्यालय औरंगाबाद और सावित्रीबाई विश्वविद्यालय पुणें के बीच खेला गया मैच भी ड्रा रहा। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट दिया गया। शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर और सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुणे के बीच हुए मैच में कोल्हापुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच में कोल्हापुर ने 7 पॉइंट से जीतकर दूसरे नंबर की अपनी जगह पक्की कर ली। जबकि तीसरे नंबर पर 2 पॉइंट के साथ बीएएम विश्वविद्यालय औरंगाबाद तथा 1 पॉइंट के साथ सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पुणे चौथे स्थान पर रही।

वेदों के उपदेश सार्वकालिक हैं: प्रो. त्रिपाठी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संस्कृत विभाग के तत्तवाधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से आयोजित 'वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता' पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं। इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों, एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए। संगोष्ठि की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत और वेदों के अवदान पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा भारतीय जनजीवन में वेदों का अप्रतिम योगदान है। मानव जीवन के आचार और विचार वेदों एवं उपनिषदों से ही लिए गए हैं। मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कहा सभी दर्शनों एवं उसकी विभिन्न शाखाओं का मूल उत्स वेड हैं। प्रो. अमलधारी सिंह ने ऋग्वेद की शाकल शाखा के मन्त्रों, सूक्तों एवं अन्य विषय वस्तुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर अतिथियों ने विभाग की शोध पत्रिका 'सागरिका' तथा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार द्वारा डॉ. रामजी उपाध्याय पर लिखित पुस्तक एवं डॉ. बालकृष्ण शर्मा की पुस्तक 'ध्वनि प्रकाशे मुक्तक विमर्शः' का विमोचन किया। डॉ. राधावालभ त्रिपाठी को सम्मान-पत्र और सभी अतिथियों स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यक्रम • महिला सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्रबोध विषय पर हुआ परिसंवाद

महिलाओं को सशक्त शब्द और आरक्षण की जरूरत नहीं, वह अपने आप में पूर्ण : कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत महिला प्रकल्प सागर द्वारा महिला सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्र बोध एवं नारी शक्ति यात्रा के असंख्य किरदार विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम सिविल लाइन स्थित होटल दीपक में हुआ। वहीं डॉ. सरोज गुप्ता के काव्य संग्रह सूर्या सावित्री का विमोचन हुआ। अध्यक्षता कर रहीं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त शब्द और आरक्षण की कदापि आवश्यकता नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। आगे बढ़ने का एक ही सूत्र है दृढ़ निश्चय। प्रत्येक महिला सिर्फ दृढ़ निश्चय के बल पर सफलता के उच्चतम सोपान को तय कर सकती है। मुख्य अतिथि प्रो. विनय कपूर ने कहा कि हम सब एक दूसरे का सहारा बनें और यह शुरुआत परिवार से ही होगी। हर ननद अगर संकल्प ले ले कि मैं भाभी का संबल बनूंगी, तो महिला कहीं भी पीछे नहीं रह सकती है। विशिष्ट अतिथि लता वानखेड़े ने कहा कि नारी विश्व की चेतना, मुक्ति, करुणा, ममता, शक्ति है। नारी दुर्गा भी है और शक्ति भी। सशक्तिकरण ऊपर से थोपा नहीं जा सकता, शक्ति तो अंदर है। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर अगर सब को जागरूक न कर सकें, तो हमारी जागरूकता का कोई अर्थ नहीं है।वहीं सारस्वत अतिथि एडवोकेट वीनू राणा ने भी अपनी बात कही। डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि महिला दिवस को महिला संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस दिन महिलाओं के द्वारा संकल्प लिया जाना चाहिए कि वे समाज के अंतिम छोर पर बैठी हर महिला को शिक्षित कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ेगी। 21 वीं सदी की महिलाएं स्वर्णिम इतिहास लिखने जा रही हैं, वे जल, थल, नभ सब कहीं अपना परचम लहरा रही हैं वे सशक्त हो रही हैं। इस दौरान डॉ. राजू टंडन, अनुराग विजपुरिया, सोनिक नामदेव, अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ. आशीष द्विवेदी, प्रभा श्रीवास्तव, डॉ. ऊषा मिश्रा, कविता, संध्या, मनीषा, पूनम, शैलबाला, नंदनी सोनी आदि मौजूद थीं।

सामाजिक क्षेत्र में रोजगार के साथ खुशियों के भी अवसर : बोस

सागर | सामाजिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर के साथ खुशियों के अवसर भी मिलते हैं। वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र से लेकर छोटी-छोटी इकाइयों में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के अवसर होते हैं। सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते समय हम लाभ की जगह इस बात पर ध्यान देते हैं कि अधिक से अधिक व्यक्तियों को लाभ कैसे पहुंचाया जाए। यह बात परिणाम फाउंडेशन बैंगलोर की सृष्टि बोस ने कही। वे सोमवार को शासकीय महाविद्यालय नरयावली में सामाजिक क्षेत्र में कॅरिअर के अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वर्तमान को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने कार्यानुभव को साझा करते हुए सामाजिक क्षेत्र की कार्यप्रणाली एवं आवश्यकताओं को समझाया। सामाजिक शोधकर्ता एवं शासकीय महाविद्यालय पीपलरावां देवास के डॉ. धर्मेंद्र पाटनी ने कहा कि सहकारी समितियां और स्वयं सहायता समूह भारतीय ग्रामीण क्षेत्र से विभिन्न आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को खत्म कर सकते हैं।

वेदों के उपदेश सार्वकालिक हैं, इनका निरपेक्ष भाव से अध्ययन करना चाहिए : प्रो. त्रिपाठी

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय में दो दिन की अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी शुरू।

वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं। इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कही। वे सोमवार को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय मनीषा का सम्पूर्ण विश्व में जो आदरपूर्ण स्थान है, वह वेदों के कारण ही है। मैक्समूलर का वेदों के प्रचार में महत्वपूर्ण अवदान है। मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कहा कि सभी दर्शनों एवं उसकी विभिन्न शाखाओं का मूल वेद हैं। उन्होंने सांख्य, न्याय आदि दर्शनों का विवेचन करते हुए इसके विकास में वेदों के अवदान को रेखांकित किया। प्रो. अमलधारी सिंह ने ऋग्वेद की शाकल शाखा के मंत्रों, सूक्तों एवं अन्य विषय वस्तुओं पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वेद विद्याओं के स्रोत हैं। ऋषियों ने अपने अंतःकरण में जिस तत्व का साक्षात्कार किया वह वेदवाणी है। कार्यक्रम को कुलपति ने भी संबोधित किया।

शोध पत्रिका सागरिका व पुस्तकों का विमोचन : कार्यक्रम में अतिथियों ने विभाग की शोध पत्रिका सागरिका तथा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार द्वारा डॉ. रामजी उपाध्याय पर लिखित पुस्तक एवं डॉ. बालकृष्ण शर्मा की पुस्तक 'ध्वनि प्रकाशे मुक्तक विमर्शः' का विमोचन किया। सभी अतिथियों ने डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी को सम्मान-पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए। विचार संस्था द्वारा गौ-उत्पाद से निर्मित वस्तुएं भी भेंट की गई।

वेदों के उपदेश सार्वकालिक हैं : प्रो. त्रिपाठी

विवि में वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उदघाटन हुआ। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से आयोजित वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उदघाटन हुआ। वैदिक मंगलाचरण के साथ संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं. इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों, एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए। भारतीय मनीषा का सम्पूर्ण विश्व में जो आदरपूर्ण स्थान है वह वेदों के कारण ही है. मैक्समूलर का वेदों के प्रचार में महत्वपूर्ण अवदान है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत और वेदों के अवदान पर अपना वक्तव्य दिया। मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र थे। प्रो. अमलधारी सिंह ने ऋग्वेद की शाकल शाखा के मन्त्रों, सूक्तों एवं अन्य विषय वस्तुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आइडिया अवार्ड समारोह आज

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान एवं पुरस्कार समारोह का आयोजन 15 मार्च को दोपहर 2.00 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया गया है. प्लेसमेंट और स्टार्टअप सेल के समन्वयक प्रो जी एल पुणताम्बेकर ने बताया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधि 'सामाजिक क्षेत्र में कैरियर के अवसर' विषय पर प्रेरक उद्बोधन देंगे. इसी आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता लोकप्रिय योजना 'निरंतर' का शुभारम्भ करेंगीं. इस अवसर पर चार उत्पादों को भी लांच करेंगीं जिसमें 'सेल्फ डिफेन्स पेन', कॉटन बरमुडा, 'सोलर ड्रायर', और 'बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट' होंगे. इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया जाएगा. द्वारा दिया जावेगा।

प्रेरक व्याख्यान एवं बिजनेस आइडिया अवार्ड समारोह आज

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान एवं पुरस्कार समारोह का आयोजन 15 मार्च को दोपहर 2 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया गया है। प्लेसमेंट और स्टार्टअप सेल के समन्वयक प्रो. जीएल पुणताम्बेकर ने बताया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधि सामाजिक क्षेत्र में कैरियर के अवसर विषय पर प्रेरक उद्बोधन देंगे। इसी आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता लोकप्रिय योजना निरंतर का शुभारंभ करेंगीं। इस अवसर पर चार उत्पादों को भी लांच करेंगी जिसमें सेल्फ डिफेन्स पेन, कॉटन बरमुडा, सोलर ड्रायर और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट होंगे। इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया जाएगा।

बिजनेस आइडिया अवार्ड समारोह आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा मंगलवार को बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान व पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 2 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया गया है।

बिजनेस आइडिया अवार्ड समारोह आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा मंगलवार को बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान व पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 2 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया गया है।

देखा सुना नहीं, पढ़ा जरूर है किंतु की। इस अवसर पर शायर डॉ.गजाधर फाउंडेशन के सदस्य उमा कान्त मिश्र

आयोजन 'वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

वेदों के उपदेश सर्वकालिक हैं: त्रिपाठी

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से आयोजित 'वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता' पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। वैदिक मंगलाचरण के साथ संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं। इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों, एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए. भारतीय मनीषा का सम्पूर्ण विश्व में जो आदरपूर्ण स्थान है वह वेदों के कारण ही है. मैक्समूलर का वेदों के प्रचार में महत्वपूर्ण अवदान है।

भारतीय जनजीवन में वेदों का अप्रतिम योगदान- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत और वेदों के अवदान पर अपना वक्तव्य दिया. उन्होंने कहा कि भारतीय जनजीवन में वेदों का अप्रतिम योगदान है. मानव जीवन के आचार और विचार वेदों एवं उपनिषदों से ही लिए गये हैं. प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में वेदों का स्वाधय्याय अवश्य करना चाहिए. मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कहा कि सभी दर्शनों एवं उसकी विभिन्न शाखाओं का मूल उत्स वेद है। उन्होंने सांख्य, न्याय आदि दर्शनों का विवेचन करते हुए इसके विकास में वेदों के अवदान को रेखांकित किया. प्रो. अमलधारी सिंह ने ऋग्वेद की शाकल शाखा के मन्त्रों, सूक्तों एवं अन्य विषय वस्तुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला. शाकल संहिता के सूक्तों पर सूक्ष्मता से अपने विचार प्रस्तुत किये और इसकी महत्ता को भी रेखांकित किया. विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वेद विद्याओं के स्रोत हैं. ऋषियों ने अपने अंतःकरण में जिस तत्व का साक्षात्कार किया वह वेदवाणी है. केवल भारतीय ही नहीं बल्कि पाश्चात्य विद्वानों ने भी वेदों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

शोध पत्रिका 'सागरिका' एवं पुस्तकों का विमोचन

इस अवसर पर अतिथियों ने विभाग की शोध पत्रिका 'सागरिका' तथा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार द्वारा डॉ रामजी उपाध्याय पर लिखित पुस्तक एवं डॉ बालकृष्ण शर्मा की पुस्तक 'ध्वनि प्रकाशे मुक्तक विमर्शः' का विमोचन किया. डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी को सम्मान-पत्र और सभी अतिथियों स्मृति चिन्ह भेंट किया गया. विचार संस्था द्वारा गौ-उत्पाद से निर्मित वस्तुएं भी अतिथियों को भेंट की गई. कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने दिया और संचालन डॉ नौनिहाल गौतम ने किया. इस अवसर पर भाषा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. बी आई गुरु, डॉ अनूप कुमार मिश्र, प्रो जे के जैन, प्रो नागेश दुबे, प्रो ए डी शर्मा, प्रो चंदा बेन, डॉ आशुतोष, डॉ आर पी सिंह, डॉ सुरेन्द्र यादव, डॉ वंदना, डॉ लक्ष्मी पाण्डेय, डॉ हिमांशु सहित विवि के कई शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी, शहर से पधारे गणमान्य नागरिक एवं देश भर से आये प्रतिभागी अतिथि उपस्थित थे।

वेदों के उपदेश सर्वकालिक हैं : प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

जागरण न्यूज,सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से आयोजित वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उदघाटन हुआ। वैदिक मंगलाचरण के साथ संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं। इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों, एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए। भारतीय मनीषा का सम्पूर्ण विश्व में जो आदरपूर्ण स्थान है वह वेदों के कारण ही है। मैक्समूलर का वेदों के प्रचार में महत्तवपूर्ण अवदान है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत और वेदों के अवदान पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनजीवन में वेदों का अप्रतिम योगदान है। मानव जीवन के आचार और विचार वेदों एवं उपनिषदों से ही लिए गये हैं। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में वेदों का स्वाधय्याय अवश्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कहा कि सभी दर्शनों एवं उसकी विभिन्न शाखाओं का मूल उत्स वेद हैं। उन्होंने सांख्य, न्याय आदि दर्शनों का विवेचन करते हुए इसके विकास में वेदों के अवदान को रेखांकित किया। प्रो. अमलधारी सिंह ने ऋग्वेद की शाकल शाखा के मन्त्रों, सूक्तों एवं अन्य विषय वस्तुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। शाकल संहिता के सूक्तों पर सूक्ष्मता से अपने विचार प्रस्तुत किये और इसकी महत्ता को भी रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वेद विद्याओं के स्रोत हैं। ऋषियों ने अपने अंतः करण में, जिस तत्त्व का साक्षात्कार किया वह वेदवाणी है। केवल भारतीय ही नहीं बल्कि पाश्चात्य विद्वानों ने भी वेदों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

शोध पत्रिका सागरिका एवं पुस्तकों का विमोचन

इस अवसर पर अतिथियों ने विभाग की शोध पत्रिका सागरिका तथा विभाग के साह्यक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार द्वारा डॉ. रामजी उपाध्याय पर लिखित पुस्तक एवं डॉ. बालकृष्ण शर्मा की पुस्तक ध्वनि प्रकाशे मुक्तक विमर्शः का विमोचन किया। डॉ. राधावालभ त्रिपाठी को सम्मान पत्र और सभी अतिथियों स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। विचार संस्था द्वारा गौ.उत्पाद से निर्मित वस्तुएं भी अतिथियों को भेंट की गई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने दिया और संचालन डॉ. नौनिहाल गौतम ने किया। इस अवसर पर भाषा अध्ययनशाला के अधिष्ठता प्रो. बीआई गुरु, डॉ. अनूप कुमार मिश्र, प्रो. जेके जैन, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. एडी शर्मा, पो. चंदा बेन, डॉ. आशुतोष, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. वंदना, डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय, डॉ. हिमांशु सहित विवि के कई शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी, शहर से पधारे गणमान्य नागरिक एवं देश भार से आये प्रतिभागी अतिथि उपस्थित थे।

वेदों के उपदेश सार्वकालिक हैं: प्रो. त्रिपाठी

केंद्रीय विवि में वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर संगोष्ठी

सागर (आरएनएन)। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वाधान में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से आयोजित वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का उद्घाटन सोमवार को वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि वेदों के उपदेश सर्वयुगीन, सार्वजनीन एवं सार्वकालिक हैं। इनकी सभी शाखाओं, सभी संहिताओं, ब्राह्मणों, अरण्यकों एवं उपनिषदों का अध्ययन निरपेक्ष भाव से करना चाहिए। भारतीय मनीषा का सम्पूर्ण विश्व में जो आदरपूर्ण स्थान है वह वेदों के कारण ही है। मैक्समूलर का वेदों के प्रचार में महत्वपूर्ण अवदान है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत और वेदों के अवदान पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनजीवन में वेदों का अप्रतिम योगदान है। मानव जीवन के आचार और विचार वेदों एवं उपनिषदों से ही लिए गये हैं। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में वेदों का स्वाधय्याय अवश्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो सच्चिदानंद मिश्र ने कहा कि सभी दर्शनों एवं उसकी विभिन्न शाखाओं का मूल तत्व वेद हैं। उन्होंने सांख्य, न्याय आदि दर्शनों का विवेचन करते हुए इसके विकास में वेदों के अवदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने विभाग की शोध पत्रिका सागरिका तथा विभाग के साहयक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार द्वारा डॉ रामजी उपाध्याय पर लिखित पुस्तक एवं डॉ बालकृष्ण शर्मा की पुस्तक ध्वनि प्रकाशे मुक्तक विमर्शः का विमोचन किया। कार्यक्रम में विवि के कई शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक व प्रतिभागी उपस्थित थे।

शैक्षणिक गतिविधियों पर की चर्चा

कुलपति ने मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र का किया निरीक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. सागर. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के क्षेत्रीय केंद्र सागर का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र सागर की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए सुझाव भी दिए। कुलपति ने कहा कि आपकी शिक्षा आपके द्वार योजना के अंतर्गत शिक्षा का यह अभियान सराहनीय है।

प्रो नीलिमा गुप्ता ने क्षेत्रीय केंद्र सागर के निर्देशक प्रो दिवाकर सिंह राजपूत से विभिन्न पाठ्यक्रमों और अकादमिक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए कुछ सुझाव भी दिए। प्रो राजपूत ने विस्तार से पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी से अवगत कराया।

प्रो राजपूत ने कहा कि सागर क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत सागर संभाग के सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी जिलों के महाविद्यालयों को अध्ययन केन्द्र बनाया गया है।

नातनी

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने क्षेत्रीय केंद्र का भ्रमण किया

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश की माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने आज मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के क्षेत्रीय केंद्र सागर का भ्रमण किया। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने क्षेत्रीय केंद्र सागर की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाईयाँ दीं। उन्होंने कहा कि आपकी शिक्षा आपके द्वार योजना के अंतर्गत शिक्षा का यह अभियान सराहनीय है। प्रो नीलिमा गुप्ता ने क्षेत्रीय केंद्र सागर के निर्देशक प्रो दिवाकर सिंह राजपूत से विभिन्न पाठ्यक्रमों और अकादमिक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए कुछ सुझाव भी दिये। प्रो राजपूत ने विस्तार से पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी से अवगत कराया। प्रो राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एम ओ यू के आधार पर सागर क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत सागर संभाग के सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ , एवं निवाड़ी जिलों के महाविद्यालयों को अध्ययन केन्द्र बनाया गया है। इसके अलावा केंद्रीय जेल सागर भी उप-अध्ययन केन्द्र के रूप में प्रारंभ किया गया है। उल्लेखनीय है कि जेल अंतर्वासियों के लिए भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पूर्णतः निशुल्क अध्ययन की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र सागर के निर्देशक प्रो दिवाकर सिंह राजपूत और कर्मचारी रंजीत ठाकुर, वीरेन्द्र चढ़ार, असित, पवन आदि उपस्थित रहे।

भारतीय साहित्य की वैश्विक स्वीकार्यता है

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में छठवीं स्वामीनाथन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। साहित्य का दर्शन विषय पर आयोजित व्याख्यान में कुलपति, प्रोफेसर नीलमा गुप्ता ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय साहित्य की विश्व में स्वीकार्यता का विशेष उल्लेख किया।

रविंद्र नाथ टैगोर को साहित्य में नोबेल प्राप्त करने का उल्लेख करते हुए अन्य उल्लेखनीय साहित्यकारों की चर्चा की, साथ ही अंग्रेजी विभाग के संस्थापक प्रोफेसर स्वामीनाथन द्वारा विभाग के उन्नयन हेतु किए गए प्रयासों की चर्चा की . उन्होंने अपने संबोधन में कौशल विकास पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय सिंह, हेड , सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, द्वारा साहित्य का दर्शन, विषय पर व्याख्यान दिया गया। विषय प्रवर्तक प्रोफेसर बी आई गुरु, संकाय प्रमुख स्कूल ऑफ लैंग्वेज ने साहित्य और दर्शन के परस्पर संबंध पर महत्वपूर्ण उद्बोधन दिया।

आयोजन **अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के दौरान कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी**

वैदिक जीवनशैली पूर्णता के लिए अनुकरणीय : त्रिपाठी

डा. हरीसिंह गौर विवि में आयोजित संगोष्ठी के दौरान बधाई नृत्य की प्रस्तुति देते हुए कलाकार। • नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। वैदिक जीवन शैली जीवन की पूर्णता के लिए अनुकरणीय है। इस वैदिक पक्ष को भी समाज के सामने लाया जाना चाहिए। वैदिक ज्ञान को वैज्ञानिक रीति से समझ कर जीवन में उतारा जाना अध्ययन का मूल प्रयोजन है। जो ग्रन्थ कण्ठस्थीकरण द्वारा व्यक्ति में विद्यमान रहता है, वह अपना अर्थ भी खोलता है। भारत देश में वर्तमान में भी ऐसे मनीषी हैं, जो ऋग्वेद के सम्पूर्ण मन्त्रों को कण्ठस्थ कर धनपाठ करने में समर्थ हैं। यह बात प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू सभागार में वैदिक वाङ्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता विषय पर आयोजित अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि ज्ञान की सनातन अव्याहत धारा ही वेद है। श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जैसे विद्वान जिन्होंने वैदिक जीवनपैली को जिया, वे अनुकरणीय हैं। मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विष्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रो. विजय कुमार सीजे ने कहा कि विद्यालयों एवं उच्च पिक्षा संस्थानों में वेदों के उच्चारण और पाठ मात्र तक सीमित न होकर शोधपरक अध्ययन भी वर्तमान समय की अपेक्षा है। वैज्ञानिक संस्थानों आदि में संस्कृत पाठ्यक्रम चल रहे हैं। जैसे व्यावसायिक संस्थानों में भी संस्कृत का अध्यापन चल रहा है। 'साइंटिफिक लिटरेचर इन संस्कृत' जैसी पुस्तकें प्रकापित हो रही हैं। सभी विद्याओं में परस्पर संबंध हैं। इसलिए अन्तरानुशासनिक विषयों का प्रवर्तन हो रहा है। संस्कृत में सभी ज्ञान विद्यमान हैं, उन्हें खंगालकर वर्तमान वर्तमान से जोड़ने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. अमलधारी सिंह, वाराणसी ने वैदिक वाङ्मय के महत्त्व और आज के समय में उसकी सार्थकता पर अपने विचार किए। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं संगोष्ठी संयोजक प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने दिया। संचालन डा. शशि कुमार सिंह ने किया और आभार डा. रामहेत गौतम ने किया।

बधाई नृत्य की दी मनमोहक प्रस्तुति: दो दिवसीय इस संगोष्ठी के प्रथम दिवस सांस्कृतिक संध्या एवं संस्कृत कवि समवाय का आयोजन स्वर्ण जंयती सभागार में हुआ, जिसमें ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्र/छात्राओं ने डा. राकेश सोनी के निर्देशन में बुंदेली नृत्य बधाई के साथ पार्थ घोष व यषगोपाल श्रीवास्तव व उनके साथियों के द्वारा प्रस्तुत प्रहसन ''द शू'' देखकर दर्षक प्रभावित हुए। ''ऐ कन्हैया याद है कुछ भी हमारी, कहूं क्या तेरे भूलने की बारी कबाली'' की बेजोड़ प्रस्तुति ने उपस्थित सभीजन का मन मोह लिया। निहारिका ठाकुर प्रस्तुत गणेश वन्दना व प्रियांशी का तांडव नृत्य देखकर सभी मंत्रमुग्ध हुए। समवाय के अन्तर्गत आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी की अध्यक्षता में बालकृष्ण शर्मा, सीएच नागराजू, कृष्णमोहन पाण्डेय, रामहेत गौतम, पूर्णचन्द्र उपाध्याय, सुकदेव वाजपेयी व आचार्य त्रिपाठी ने अपनी स्वरचित संस्कृत कविताओं का पाठ किया। इस अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के छः सत्रों में लगभग 40 विद्वानों ने वैदिक वाङ्मय के विभिन्न पक्षों पर अपने गंभीर विचार व्यक्त किए जिनमें प्रमुख है।

केंद्र की गतिविधियों की जानकारी ली कुलपति ने

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के क्षेत्रीय केंद्र का भ्रमण किया. प्रो. गुप्ता ने क्षेत्रीय केंद्र के निर्देशक प्रो दिवाकर सिंह राजपूत से विभिन्न पाठ्यक्रमों और अकादमिक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए कुछ सुझाव भी दिये. प्रो. राजपूत ने कहा कि एमओयू के आधार पर केंद्र के अंतर्गत संभाग के दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी जिलों के महाविद्यालयों को अध्ययन केन्द्र बनाया गया है. केंद्रीय जेल भी उप.अध्ययन केन्द्र के रूप में प्रारंभ किया गया है.

आयोजन

दो दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी

वैदिक जीवन शैली जीवन की पूर्णता के लिए अनुकरणीयः प्रो. राधावल्लभ

सागर, आचरण संवाददाता।

वैदिक जीवन शैली जीवन की पूर्णता के लिए अनुकरणीय है। इस वैदिक पथ को भी समाज के सामने रखा जाना चाहिए। वैदिक ज्ञान को वैज्ञानिक रीति से समझ कर जीवन में उतार जाना अध्ययन का मूल प्रयोजन है। जो ग्रन्थ कण्ठस्थीकरण द्वारा व्यक्ति में विद्यमान रहता है, वह अपना अर्थ भी खोलता है। भारत देश में वर्तमान में भी ऐसे मनीषी हैं, जो ऋग्वेद के सम्पूर्ण मन्त्रों को कण्ठस्थ कर घनपाठ करने में समर्थ हैं। ऐसी संगोष्ठियाँ लोगों को समिति दायरे से असीम की ओर ले जाती हैं। जयशंकर प्रसाद जैसे हिन्दी के कवियों का मर्म समझने के लिए वेद का ज्ञान अपेक्षित है। ज्ञान की शाश्वत, सनातन व असीम धारा है। यह विचार प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के सहयोग से संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) द्वारा जवाहरलाल नेहरू सभागार में वैदिक वाङ्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता विषय पर आयोजित अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान की सनातन अव्याहत धारा ही वेद है। श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जैसे विद्वान जिन्होंने वैदिक जीवनशैली को जिया, वे अनुकरणीय है। मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी जी ने कहा विद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में वेदों के उच्चारण और पाठ मात्र तक सीमित न होकर शोधपरक अध्ययन भी वर्तमान समय की अपेक्षा है। वैज्ञानिक संस्थानों आदि में संस्कृत पाठ्यक्रम चल रहे हैं। व्यावसायिक संस्थानों में भी संस्कृत का अध्यापन चल रहा है।

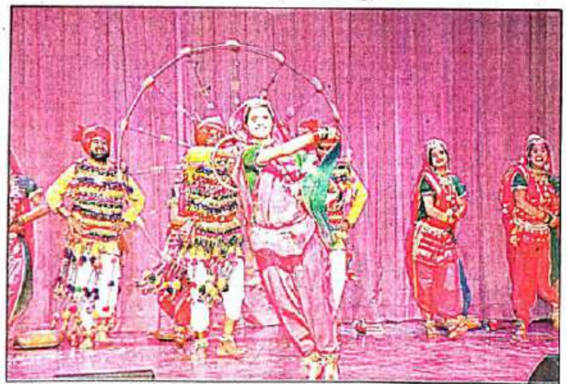

'साइंटिफिक लिटरेचर इन संस्कृत' जैसी पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। सभी विद्याओं में परस्पर सम्बन्ध है। इसलिए अन्तरनुशासनिक विषयों का प्रवर्तन हो रहा है। संस्कृत में सभी ज्ञान विद्यमान है, उन्हें खँगालकर वर्तमान वर्तमान से जोड़ने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. अमलधारी सिंह, वाराणसी ने वैदिक वाङ्मय के महत्व और आज के समय में उसकी सार्थकता पर अपने विचार किये। उन्होंने संगोष्ठी में आये सभी विद्वानों, संस्कृत विभाग के कर्मचारियों एवं छायाकारों का काशी से ले आये शाल के द्वारा सम्मानित किया। स्वागत उद्बोधन संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं संगोष्ठी-संयोजक प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने दिया। संचालन डॉ. शशिकुमार सिंह ने किया। और आभार ज्ञापन डॉ. रामहेत गौतम ने किया।

दो दिवसीय इस संगोष्ठी के प्रथम दिवस सांस्कृतिक संध्या एवं संस्कृत कवि समवाय का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ। जिसमें ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्र/छात्राओं ने डॉ. राकेश सोनी के निर्देशन में बुंदेली नृत्य बधाई के साथ पार्थ घोष व यशगोपाल श्रीवास्तव व उनके साथियों के द्वारा प्रस्तुत प्रहसन "द शू" देखकर दर्शक प्रभावित हुए। "ऐ कन्हैया याद है कुछ भी हमारी, कहूँ क्या तेरे भूलने की बारी कव्वाली" की बेजोड़ प्रस्तुति ने उपस्थित सभीजन का मन मोह लिया। निहारिका ठाकुर प्रस्तुत गणेश वन्दना व प्रियांशी का तांडव नृत्य देखकर सभी मंत्रमुग्ध हुए।

कवि समवाय के अन्तर्गत आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी की अध्यक्षता में बालकृष्ण शर्मा, सी.एच.नागराजु, कृष्णमोहन पाण्डेय, रामहेत गौतम, पूर्णचन्द्र उपाध्याय, सुकदेव वाजपेयी तथा आचार्य त्रिपाठी ने अपनी स्वरचित संस्कृत कविताओं का पाठ किया। मंच संचालन डॉ. नौनिहाल गौतम ने किया और आभार डॉ. संजय कुमार ने किया।

इस अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के छः सत्रों में लगभग 40 विद्वानों ने वैदिक वाङ्मय के विभिन्न पक्षों पर अपने गंभीर विचार व्यक्त किये जिनमें प्रमुख है - प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, डॉ. अमलधारी सिंह, प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी, डॉ. इन्द्र घोष, प्रो. सुद्युम्न आचार्य, डॉ. उदय प्रताप भारती, डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्याय, प्रो. गिरीश चन्द पन्त, प्रो. हरिश्वर दीक्षित, प्रो. शीतला प्रसाद पाण्डेय, डॉ. सत्येन्द्र कुमार यादव, डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय, डॉ. चक्रधर मेहर, डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. सी.एच. नागराजु, वैदिक बाबूलाल द्विवेदी, डॉ. उमाशंकर त्रिपाठी, डॉ. ओम प्रकाश शास्त्री, डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय, डॉ. राजकुमार मिश्र, प्रो. रामहित त्रिपाठी, डॉ. अरुण कुमार मिश्र, डॉ. सितांशु पण्डा, डॉ. मदनमोहन तिवारी, डॉ. शैलेन्दु शेखर वशिष्ठ आदि। इन विद्वानों ने वैदिक मनोविज्ञान, अक्षर विज्ञान, राष्ट्रीय भावना, शिक्षा एवं शिक्षा पद्धति, संस्कृत विश्वास, आयुर्वेद, भौतिकीय विज्ञान, सृष्टि विज्ञान, ऋषि चिंतन, मानवमूल्य, सौम्य का महत्व, कर्मकाण्ड की प्रासंगिकता, जल संरक्षण, यज्ञ स्वरूप, मंत्र चिकित्सा, शिल्पकला, चिकित्सा विज्ञान, पर्यावरण चेतना, हठयोग, धर्मबोध, स्त्री और दर्शन आदि विषयों पर वैदिक वाङ्मय के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये।

इस अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का संयोजन संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी थे। सचिव द्वय डॉ. शशिकुमार सिंह एवं डॉ. संजय कुमार थे। तथा सहसचिव डॉ. नौनिहाल गौतम, डॉ. किरण आर्या एवं डॉ. रामहेत गौतम थे।

भारतीय साहित्य की वैश्विक स्वीकार्यता है : कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में छठवीं स्वामीनाथन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। साहित्य का दर्शन विषय पर आयोजित व्याख्यान में कुलपति प्रोफेसर नीलमा गुप्ता ने भारतीय साहित्य की विश्व में स्वीकार्यता का विशेष उल्लेख किया। रविंद्र नाथ टैगोर को साहित्य में नोबेल प्राप्त करने का उल्लेख करते हुए अन्य उल्लेखनीय साहित्यकारों की चर्चा की, साथ ही अंग्रेजी विभाग के संस्थापक प्रो. स्वामीनाथन द्वारा विभाग के उन्नयन हेतु किए गए प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में कौशल विकास पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. धनंजय सिंह द्वारा साहित्य का दर्शन विषय पर व्याख्यान दिया। विषय प्रवर्तक प्रो. बीआई गुरु ने साहित्य और दर्शन के परस्पर संबंध पर महत्वपूर्ण उद्बोधन दिया। प्रो. निवेदिता मित्रा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

कौशल विकास एवं उद्यमिता के जरिए स्किल विलेज बनाएंगे: कुलपति

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के तत्तवावधान में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0 के अंतर्गत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से स्किल हब इनिशिएटिव के तहत छह सप्ताह के वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह पहला अवसर है जब विश्वविद्यालय में ऐसे लोगों को पढने का मौका मिल रहा है जो पढ़ाई से दूर रह गये हैं। पहले रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम बनाए जाते थे, आज रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता और रोजगार प्रदान कर सकने में सक्षम बनाने वाले पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं। कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से हम स्किल हब से आगे बढ़कर स्किल विलेज बनाएंगे और विश्वविद्यालय इसका प्लेटफॉर्म बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर जैसे पाठ्यक्रम एवं इसका अनुप्रयोग वेस्ट को कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होंगे। मुख्य अतिथि कैंटोनमेंट बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रिया जैन ने कहा कि वर्मी कम्पोस्टिंग भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है। यह कृषि का मूल्यवान अंग है। हमारे देश की पूरी अर्थव्यवस्था कृषि पर टिकी हुई है। इस पाठ्यक्रम के जरिये वर्मी वाश, वर्मी मील और वर्मी कम्पोस्ट जैसे प्रोडक्ट बनाना सिखाये जाएंगे। इसमें बैंगलोर, अमृतसर, जबलपुर, बरेली, उड़ीसा, देहरादून, गोरखपुर, पंजाब सहित अन्य स्थानों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि शोध संस्थानों के विशेषज्ञ कक्षाएं लेंगे।

छह सप्ताह के वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर पाठ्यक्रम का शुभारम्भ

सेलीब्रिटी हमारे संग

याद आती है जब रंगों से खेलते थे होली : कुलपति

डॉ सरहरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति डा नीलिमा गुप्ता का कहना है कि मुझे इस पर्व से विशेष लगाव है क्योंकि इस दिन अपनों से मिलने का एक सुनहरा अवसर मिलता है और वह दिन याद आते हैं जब रंगों से होली खेला करते थे। होली भारत का एक रंगों से भरा बसंत ऋतु का पर्व है जो बहुत हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस

वर्ष होली पर मैं सभी को शुभकामनायें देती हूँ कि यह पर्व खुशियों से भरा हो।

आयोजन | छह सप्ताह के वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर पाठ्यक्रम का शुभारम्भ

कौशल विकास एवं उद्यमिता के जरिये 'स्किल विलेज' बनाएंगे: कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के तत्वावधान में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (3.0) के अंतर्गत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 'स्किल हब इनिशिएटिव' के तहत छह सप्ताह के वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह पहला अवसर है जब विश्वविद्यालय में ऐसे लोगों को पढ़ने का मौका मिल रहा है जो पढ़ाई से दूर रह गये हैं. पहले रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम बनाए जाते थे।

आज रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता और रोजगार प्रदान कर सकने में सक्षम बनाने वाले पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं. कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से हम 'स्किल हब' से आगे बढ़कर 'स्किल विलेज' बनाएंगे और विश्वविद्यालय इसका प्लेटफ़ॉर्म बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर जैसे पाठ्यक्रम एवं इसका अनुप्रयोग वेस्ट को कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होंगे।

अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट में सहायक है वर्मी कम्पोस्टिंग: श्रिया

मुख्य अतिथि कैंटोनमेंट बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रिया जैन ने कहा कि वर्मी कम्पोस्टिंग भारत की अर्थव्यस्था से जुड़ा हुआ है. यह कृषि का मूल्यवान अंग है। हमारे देश की पूरी अर्थव्यवस्था कृषि पर टिकी हुई है. खाद्यानों की आपूर्ति के लिए लम्बे समय तक हमने रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किया जिससे आज मिट्टी, जल, और अन्य चीजों में पोषक तत्वों की कमी हो गई और बहुत से क्षेत्र अनुपजाऊ हो गये. हम एक बार फिर जैविक खेती की तरफ बढ़ रहे हैं. उन्होंने ऐसे पाठ्यक्रमों को महिला सशक्तिकरण के लिए भी आवश्यक बताया और कहा कि इससे अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम भी क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी। हम सही मायने में पर्यावरण को सुरक्षित रख आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ सकते हैं। कम्युनिटी कॉलेज की नोडल अधिकारी प्रो श्वेता यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और इस पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. उन्होंने बताया कि पूरा कोर्स 200 घंटे का है जिसमें 110 घंटे प्रैक्टिकल और 90 घंटे थ्योरी है. यह 15 मार्च से 30 अप्रैल तक चलेगा जिसमें विद्यार्थी की 70 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है. इसमें 35 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है।

इस पाठ्यक्रम के जरिये वर्मी वाश, वर्मी मील और वर्मी कम्पोस्ट जैसे प्रोडक्ट बनाना सिखाये जाएंगे. इसमें बैंगलोर, अमृतसर, जबलपुर, बरेली, उड़ीसा, देहरादून, गोरखपुर, पंजाब सहित अन्य स्थानों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि शोध संस्थानों के विशेषज्ञ कक्षाएं लेंगे. जंतु विज्ञान विभाग के प्रयोगशालाओं की सहायता से प्रायोगिक कार्य कराये जाएंगे। इस अवसर पर जंतु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुबोध जैन एवं अकादमिक अफेयर के निदेशक प्रो. नवीन कानगो ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन मानव विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वेन्द्र कुमार ने किया तथा आभार डॉ राजेश ने व्यक्त किया. इस अवसर पर प्रो अर्चना पाण्डेय, प्रो. यू एस गुप्ता, डॉ. आर पी सिंह सहित-कई शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

विवि में जल्द बनेगा स्टॉर्टअप इंक्यूबेशन सेंटर

नवभारत न्यूज

सागर 15 मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान एवं पुरस्कार समारोह का आयोजनस्वर्ण जयंती सभागार में हुआ.

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना के लंबी अवधि के बाद बिजनेस आइडिया का आमंत्रण किया गया जिसमें कई प्रतिभागियों के अच्छे बिजनेस आइडिया के प्रस्ताव प्राप्त हुए. यह सेल विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना विकसित करने, उनकी सोच को उड़ान देने और उनके सपनों को साकार करने में मदद करने का एक माध्यम है. उन्होंने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय में स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर बनाया जाएगा. उन्होंने इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया. मुख्य अतिथि फाल्गुनी सारंगी ने सामाजिक क्षेत्र की कार्यशैली तथा मानवीय मूल्यों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की. उन्होंने बताया कि अगर हमें राष्ट्र को विकसित बनाना है तो उच्च शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है.

आत्मनिर्भरता और उद्यमिता वर्तमान समय की आवश्यकता: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्लेसमेंट, स्टार्टअप और कौशल विकास सेल द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता के विशेष प्रेरक व्याख्यान एवं पुरस्कार समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने लोकप्रिय योजना 'निरंतर' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोरोना के लंबी अवधि के बाद बिजनेस आइडिया का आमंत्रण किया गया जिसमें कई प्रतिभागियों के अच्छे बिजनेस आइडिया के प्रस्ताव प्राप्त हुए. यह सेल विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना विकसित करने, उनकी सोच को उड़ान देने और उनके सपनों को साकार करने में मदद करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय में स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर बनाया जाएगा जिसमें छात्रों के स्टार्टअप आईडिया का स्वागत किया जाएगा तथा विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाएगी. उन्होंने कहा कि 'निरंतर पोर्टल' के माध्यम से किसी भी समय छात्र अपने विचार साझा कर सकते हैं. उन्होंने इस अवसर पर चार उत्पादों 'सेल्फ डिफेन्स पेन', कॉटन बरमुडा, 'सोलर ड्रायर', और 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' को भी लांच किया तथा विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। कार्यक्रम में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधि 'सामाजिक क्षेत्र में कैरियर के अवसर' विषय पर प्रेरक उद्बोधन दिया।

मुख्य अतिथि फाल्गुनी सारंगी ने सामाजिक क्षेत्र की कार्यशैली तथा मानवीय मूल्यों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि अगर हमें राष्ट्र को विकसित बनाना है तो उच्च शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के मुकाबले उच्च शिक्षा के छात्रों को अपने कैरियर की चिंता ज्यादा रहती है और यहीं से सामाजिक क्षेत्र में जाने का रास्ता खुलता है। उन्होंने कहा कि अगर छात्रों में कौशल, हौसला, ज्ञान और हुनर हो तो वे अपने स्टार्टअप में सफल हो सकते हैं. जब छात्र अपने द्वारा सुझाए गए स्टार्टअप में सफल हो जाएंगे तो वे एक सुनहरे भविष्य के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक क्षेत्र को कैरियर के रूप में पार्ट टाइम के साथ साथ फुल टाइम जॉब के रूप में भी देखा जाने लगा है। सामाजिक क्षेत्र में तभी आप सफल होते हैं जब आप इसके लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

प्लेसमेंट और स्टार्टअप सेल के समन्वयक प्रो. जीएल पुणतांबेकर ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में 'निरंतर' पोर्टल छात्रों के लिए 24 घण्टे खुला रहेगा जिसमें छात्र अपने स्टार्टअप आईडिया दे सकते हैं. स्टार्टअप आईडियाज़ को लेकर आयोजित की गई प्रतियोगिता में चंडीगढ़ की तमन्ना शर्मा ने अपने महिलाओं के 'सेल्फ डिफेंस' के लिए बनाए गए प्रोटोटाइप पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने सामुदायिक सेवा गतिविधि के तहत श्रमदान किया। सभी स्वयंसेवकों ने केन्द्रीय प्रशासनिक भवन के बाह्य परिसर में साफ-सफाई की, पेड़-पौधों के चारों तरफ क्यारियों का निर्माण कर सौन्दर्यीकरण किया। समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने स्वयंसेवकों के साथ परिचर्चा की। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, लक्ष्यों एवं विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा और श्रमदान की महत्ता को समझाया गया।

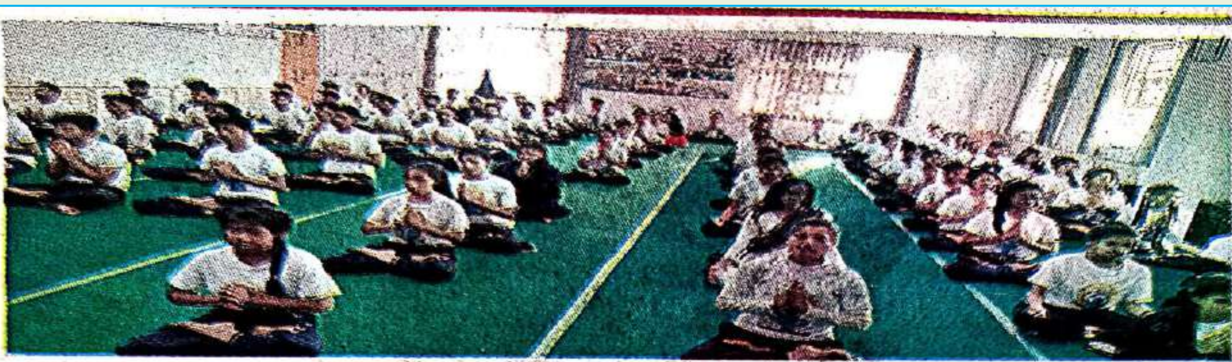

भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व को देन : मारिया

सागर। व्यक्ति को स्वयं से बात करना चाहिए, स्वयं से पूछना चाहिए कि मुझे क्या समस्या है, क्या इच्छायें हैं, क्या आवश्यकताएं हैं ? जो भी व्यक्ति स्वयं से बात करता है, वही इस जीवन को वास्तविक रूप से समझ पाता है।

यह बात वियाना आस्ट्रिया की सुश्री मारिया ने योग शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारी कार्यक्रम में बतौर अतिथि कही। सुश्री मारिया ने कहा कि जब हम स्वयं को जानने की प्रक्रिया प्रारंभ करते हैं तब योग एवं ध्यान की भूमिका और महत्व बढ़ जाता है। भारतीय व्यंजनों एवं खानपान की तारीफ करते हुए मारिया ने कहा कि भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व को जीवन की गहराई से परिचित कराती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो यूएस गुप्ता पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं योग विज्ञार्न ने कहा कि कोविड महामारी ने जीवन दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव लाने को सभी को मजबूर कर दिया है।

डॉ हरिसिंह गौर विवि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारियों का शुभारंभ

ऐसे में योगाभ्यास द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक संतुलन की विद्या का जीवन मे दिनचर्या के रूप में अनुसरण बेहद प्रभावशाली सबित हो रहा है। विशिष्ट अतिथि योगाचार्य एन.आर.भार्गव ने कहा कि व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होना है। यदि इस रहस्य को व्यक्ति समझ लेता है तभी वह योग मनोविज्ञान का साधक बन सकता है। सूर्य नमस्कार के प्रथम मंत्र ऊँ मित्राय नमः से भी यही बात साबित होती है कि हम परमात्मा के दृष्टिगोचर प्रकाशित स्वरूप सूर्य रूपी मित्र को प्रणाम करते हैं। आस्ट्रिया के मनोचिकित्सक डॉ.हिमांशु गिरी ने कहा कि मनोचिकित्सा अपने मरीज को वह माहौल प्रदान करता हैं जहां मरीज अपनी व्यथा पर खुलकर बात कर सके।

स्वागत भाषण देते हुए प्रो.गणेश शंकर गिरी विभागाध्यक्ष ने कहा कि आज से तीन माह की उल्टी गिनती अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रारंभ हुई है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के तहत विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला का शुभारंभ हुआ है। विभिन्न व्याख्यानों, संगोष्ठी, कैम्प तथा कार्यशालाओं का सतत आयोजन 21 जून तक चलता रहेगा जिसमें विद्यार्थियों कर्मचारियों शिक्षकों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जावेगी।

तैयारियां। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों का शुभारंभ किया

शारीरिक, प्राणिक तथा बुद्धि व्यायाम की तिकड़ी ही योग : योगाचार्य भार्गव

आचरण संवाददाता।

सागर। व्यक्ति को स्वयं से बात करना चाहिए, स्वयं से पूछना चाहिए कि मुझे क्या समस्या है, क्या इच्छायें है, क्या आवश्यकताएं है ? जो भी व्यक्ति स्वयं से बात करता है, वहीं इस जीवन को वास्तविक रूप से समझ पाता है। यह बात वियाना आस्ट्रिया की सुश्री मारिया ने योग शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारी कार्यक्रम में बतौर अतिथि कही। सुश्री मारिया ने कहा कि जब हम स्वयं को जानने की प्रक्रिया प्रारंभ करते है तब योग एवं ध्यान की भूमिका और महत्त्व बढ़ जाता है। भारतीय व्यंजनों एवं खानपान की तारीफ करते हुए मारिया ने कहा कि भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व को जीवन की गहराई से परिचित कराती है।

योगाभ्यास द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक संतुलन की प्राप्ति

मुख्य अतिथि प्रो यू.एस.गुप्ता पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं योग विज्ञान ने कहा कि कोविड महामारी ने जीवन दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव लाने को सभी को मजबूर कर दिया है। सांचागत परिवर्तन, शिक्षा पद्धति में परिवर्तन व्यवसाय के तरीकों में परिवर्तन तो सेवा क्षेत्र में घर से कार्य की छूट, कम से कम व्यक्तिगत संपर्क में कार्य निष्पादन, ऐसी परिस्थितियों में लोगों का आपस में संपर्क घटा है जिससे आपसी व्यवहार, बोलचाल में कमी से एक नए प्रकार का तनाव जीवन में लोगों को संक्रमण हो रहा है। ऐसे में योगाभ्यास द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक संतुलन की विद्या का जीवन में दिनचर्या के रूप में अनुसरण बेहद प्रभावशाली सबित हो रहा है। आगामी योग दिवस तक अधिक से अधिक लोगों के बीच योग को पहुंचाने की आव्हान प्रो.यू.एस.गुप्ता ने किया।

विशिष्ट अतिथि योगाचार्य एन.आर.भार्गव ने कहा कि व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होना है। यदि इस रहस्य को व्यक्ति समझ लेता है तभी वह योग मनोविज्ञान का साधक बन सकता है। सूर्य नमस्कार के प्रथम मंत्र ऊँ मित्राय नमः से भी यही बात साबित होती है कि हम परमात्मा के दृष्टिगोचर प्रकाशित स्वरूप सूर्य रूपी मित्र को प्रणाम करते है। योग शारीरिक व्यायाम प्राणिक व्यायाम तथा बुद्धि व्यायाम की तिकड़ी है जिससे उच्चतर मानवीय चरित्र का निर्माण होता है। आस्ट्रिया के मनोचिकित्सक डॉ.हिमांशु गिरी ने कहा कि मनोचिकित्सा अपनें मरीज को वह माहौल प्रदान करता है जहां मरीज अपनी व्यथा पर खुलकर बात कर सकें। तनाव और अवसाद से मुक्त होकर समस्या व्यक्त कर अपने अंदर की कुंठाओं से मुक्त हो सकें। इसके पश्चात योग चिकित्सा एवं मनोचिकित्सक का क्रम आता है जिससे रोगी अपने मनोभावों एवं संवेगों की शोधन की प्रक्रिया से गुजरकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है।

2022 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की उल्टी गिनती प्रारंभ

स्वागत भाषण देते हुए प्रो.गणेश शंकर गिरी विभागाध्यक्ष ने कहा कि आज से तीन माह की उल्टी गिनती अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रारंभ हुई है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के तहत विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला का शुभारंभ हुआ है। विभिन्न व्याख्यान मालाऐं, संगोष्ठी, कैम्प तथा कार्यशालाओं का सतत आयोजन 21जून तक चलता रहेगा जिसमें विद्यार्थियों कर्मचारियों शिक्षकों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जावेगी। डॉ.अरूण कुमार साव ने कहा कि सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास ही योग दिवस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम में प्रियांशी सिंह द्वारा शिव स्तुति, कृतिज्ञा ठाकुर एवं पूजा चौन द्वारा महर्षि पतंजलि एवं योगेश्वर कृष्ण पर कविता, प्रज्ञा साव, अंशी मिश्रा मानसी मिश्रा, [illegible] नृत्य, दीपेश एवं इकबालजोत सिंह [illegible] भांगड़ा प्रस्तुत किया गया। [illegible] विद्यार्थियों द्वारा सरल एवं कठिन योगाभ्यासों का संगीतमय प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन [illegible] शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ.[illegible] कोरपाल ने किया।

विवि... भौतिक शास्त्र विभाग में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस, विभिन्न शोध विषयों पर हुआ मंथन

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग में करंट ट्रेंड्स इन एडवांस्ड मेटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशन फॉर सोसाइटल डेवलपमेंट विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन हुआ। जिसकी संयोजक सहायक प्राध्यापक डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी थीं। कांफ्रेंस की अध्यक्षता कुलपति ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के फिजिकल साइंस के डीन प्रो. पीके बाजपेयी उपस्थित रहे।

विवि • संस्कृत विभाग में म.प्र. का आधुनिक संस्कृत साहित्य और पं. प्रेमनारायण द्विवेदी विषय पर व्याख्यान हुआ

प्रदेश में संस्कृत में सतत रचनाएं होती रही हैं, सागर की संस्कृत साहित्य परंपरा और मनीषियों का स्मरण करना जरूरी : प्रो. त्रिपाठी

भास्कर संवाददाता | सागर

संस्कृत विभाग में आधुनिक संस्कृत साहित्य और पं. प्रेमनारायण द्विवेदी विषय पर हुए व्याख्यान में मौजूद लोग।

मध्यप्रदेश में संस्कृत में सतत रचनाएं होती रही हैं। प्रो. श्रीनिवास रथ, पं. बच्चूलाल अवस्थी जैसे विद्वानों ने नए ढंग की रचनाएं की हैं। वर्तमान में भी रचनाएं हो रही हैं, जिनमें नए विषय पिरोए जा रहे हैं। सागर की संस्कृत साहित्य परंपरा और यहां के मनीषियों का स्मरण किया जाना जरूरी है। यह बात राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कही। वे कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में मप्र का आधुनिक संस्कृत साहित्य और पं. प्रेमनारायण द्विवेदी विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मप्र के पिछेले 100 वर्षों के संस्कृत साहित्य के इतिहास की जानकारी देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सागर मे जैन कवियों ने पर्याप्त संस्कृत साहित्य की रचना की है। संस्कृत विभाग के पूर्व शिक्षकों ने कई महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की। वर्तमान शिक्षकों में भी यह संभावना दिख रही है। सागर के सबसे बड़े संस्कृत रचनाकार और अनुवादकर्ता पं. प्रेमनारायण द्विवेदी हैं। वे स्वांत सुखाय रचनाएं करते रहे। उन्हें शास्त्रों का अच्छा ज्ञान था। वे नयी-नयी पुस्तकें पढ़कर उनकी गंभीर समीक्षा करते थे। ऐसे मनीषियों का स्मरण करना जरूरी है। जबलपुर के प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी ने पं. प्रेमनारायण द्विवेदी पर श्रद्धांजलि पद्य पढ़े।

उन्होंने कहा कि द्विवेदीजी के जैसा साहित्य लेखन बड़ी तपस्या से ही संभव है। उनका प्रत्येक ग्रंथ कई व्याख्यानों की अपेक्षा रखता है। विशेषकर वैदिक सूक्तों के अनुवाद की उन्होंने सराहना की। साथ ही कहा कि अप्रकाशित साहित्य को प्रकाशित कराया जाना चाहिए। व्याख्यान में डॉ. संजय कुमार, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. शशिकुमार सिंह, डॉ. किरण आर्या, प्रो. बीआई गुरु, प्रो. नागेश दुबे, डॉ. गजाधर सागर, हरगोविंद विश्व, टीकाराम त्रिपाठी, पीआर मलैया, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ. मनीषा दुबे, डॉ. सुकदेव बाजपेयी, डॉ. रामरतन पाण्डेय, डॉ. शरद सिंह, डॉ. वीरेंद्र प्रधान, डॉ. प्रमोद द्विवेदी, मुकेश तिवारी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. अवधेश यादव, डॉ. विकास कुमार पाठक, आकाश दुबे, अजय मेहता उज्जैन व विद्यार्थी उपस्थित थे। स्वागत भाषण संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने दिया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर हुआ व्याख्यान

सागर । डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में बीए फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका। प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। महिमा नामदेव ने सबसे अच्छा भाषण देकर प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि हर्षिता साहू द्वितीय तथा राज सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला। राज सिंह ने अपना पुरस्कार दिव्यांग प्रतिभागी अरुण प्रजापति से साझा करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच होने का आदर्श स्थापित किया। प्रतिभागिता में अंकित बेडिया, अनुश्री जैन, दीक्षा चढ़ार, यशवंत सिंह, आनंद घोषी, अभिषेक शुक्ला, आंचल मदेशिया, प्रगति जैन, आफताब रज़ा तथा अरुण प्रजापति ने भी विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रो. चंदा बैन ने विजेताओं को पुरस्कार दिए।

भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व की देन : मारिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारियों का शुभारंभ: प्रो. जीएस गिरि

जागरण न्यूज, सागर

व्यक्ति को स्वयं से बात करना चाहिए, स्वयं से पूछना चाहिए कि मुझे क्या समस्या है, क्या इच्छायें हैं, क्या आवश्यकताऍं हैं। जो भी व्यक्ति स्वयं से बात करता है, वही इस जीवन को वास्तविक रूप से समझ पाता है। यह बात वियाना आस्ट्रिया की सुश्री मारिया ने योग शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारी कार्यक्रम में बतौर अतिथि कही। सुश्री मारिया ने कहा कि जब हम स्वयं को जानने की प्रक्रिया प्रारंभ करते हैं तब योग एवं ध्यान की भूमिका और महत्व बढ़ जाता है। भारतीय व्यंजनों एवं खानपान की तारीफ करते हुए मारिया ने कहा कि भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व को जीवन की गहराई से परिचित कराती है। मुख्य अतिथि प्रो. यूएस गुप्ता पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं योग विज्ञान ने कहा कि कोविड महामारी ने जीवन दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव लाने को सभी को मजबूर कर दिया है। ढांचागत परिवर्तन, शिक्षा पद्धति में परिवर्तन व्यवसाय के तरीकों में परिवर्तन तो सेवा क्षेत्र में घर से कार्य की छूट, कम से कम व्यक्तिगत संपर्क में कार्य निष्पादन, ऐसी परिस्थितियों में लोगों का आपस में संपर्क घटा है जिससे आपसी व्यवहार, बोलचाल में कमी से एक नए प्रकार का तनाव जीवन में लोगों को महसूस हो रहा है। ऐसे में योगाभ्यास द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक संतुलन की विद्या का जीवन मे दिनचर्या के रूप में अनुसरण बेहद प्रभावशाली साबित हो रहा है। आगामी योग दिवस तक अधिक से अधिक लोगों के बीच योग को पहुंचाने की आव्हान प्रो. यूएस गुप्ता ने किया। विशिष्ट अतिथि योगाचार्य एनआरभार्गव ने कहा कि व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होना है। यदि इस रहस्य को व्यक्ति समझ लेता है तभी वह योग मनोविज्ञान का साधक बन सकता है। सूर्य नमस्कार के प्रथम मंत्र ऊँ मित्राय नमः से भी यही बात साबित होती है कि हम परमात्मा के दृष्टिगोचर प्रकाशित स्वरूप सूर्य रूपी मित्र की प्रणाम करते हैं। योग शारीरिक व्यायाम प्राणिक व्यायाम तथा बुद्धि व्यायाम की तिकड़ी है जिससे उच्चतर मानवीय चरित्र का निर्माण होता है। आस्ट्रिया के मनोचिकित्सक डॉ. हिमांशु गिरी ने कहा कि मनोचिकित्सा अपने मरीज को वह माहौल प्रदान करता है जहां मरीज अपनी व्यथा पर खुलकर बात कर सके। तनाव और अवसाद से मुक्त होकर समस्या व्यक्त कर अपने अंदर की कुंठाओं से मुक्त हो सके। इसके पश्चात योग चिकित्सा एवं मनोचिकित्सक का क्रम आता है जिससे रोगी अपने मनोभावों एवं संवेगों की शोधन की प्रक्रिया से गुजरकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है।

2022 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की उल्टी गिनती प्रारंभ

स्वागत भाषण देते हुए प्रो. गणेश शंकर गिरी विभागाध्यक्ष ने कहा कि आज से तीन माह की उल्टी गिनती अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रारंभ हुई है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के तहत विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला का शुभारंभ हुआ है। विभिन्न व्याख्यानमालाओं, संगोष्ठी, कैम्प तथा कार्यशालाओं का सतत आयोजन 21 जून तक चलता रहेगा जिसमें विद्यार्थियों, कर्मचारियों शिक्षकों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जावेगी। डॉ. अरूण कुमार साव ने कहा कि समग्र व्यक्तित्व विकास ही योग दिवस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में प्रियांशी सिंह द्वारा शिव स्तुति, कृतिज्ञा ठाकुर एवं पूजा जैन द्वारा महर्षि पतंजलि एवं योगेश्वर कृष्ण पर कविता, प्रज्ञा साव, अंशी मिश्रा मानसी मिश्रा, द्वारा नृत्य, दीपेश एवं इकबालजीत सिंह द्वारा भांगड़ा प्रस्तुत किया गया। समस्त विद्यार्थियों द्वारा सरल एवं कठिन योगाभ्यासों का संगीतमय फ्यूजन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. नितिन कोरपाल ने किया।

सागर की संस्कृत परंपरा और साहित्यकारों के प्रति श्रद्धा प्रशंसनीय है : प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग सागर के सहयोग से सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने म.प्र. के पिछले 100 वर्षों के संस्कृत साहित्य के इतिहास की जानकारी देते हुए उसकी विषेताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण म.प्र. में संस्कृत में सतत रचनाएं होती रही हैं।

प्रो. श्रीनिवास रथ, पं. बच्चूलाल अवस्थी जैसे विद्वानों ने नए ढंग की रचनाएं की हैं। वर्तमान में भी रचनाएं हो रही हैं जिनमें नए विषय पिरोये जा रहे है। सागर की संस्कृत साहित्य परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सागर मे जैन कवियों ने पर्याप्त संस्कृत साहित्य की रचना की है।

संस्कृत विभाग के पूर्व शिक्षकों ने कई महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की। वर्तमान के शिक्षकों में भी यह सम्भावना दिखाई देती है। सागर के सबसे बड़े संस्कृत रचनाकार और अनुवादकर्ता पं. प्रेमनारायण द्विवेदी हैं। वे 'स्वान्तः सुखाय' रचनाएं करते रहे। उन्हें शास्त्रों का अच्छा ज्ञान था। वे नई-नई पुस्तकें पढ़कर उनकी गंभीर समीक्षा किया थे। ऐसे मनीषियों का स्मरण करना आवश्यक है। उनका अनुवाद संस्कृत को जानने वाले गैर हिन्दी भाषी लोगों में भी लोकप्रिय है।

सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि। ● नवदुनिया

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रोता व कवि मौजूद थे। ● नवदुनिया

द्विवेदी के जैसा साहित्य लेखन बड़ी तपस्या से ही संभव है : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी ने पं. प्रेमनारायण द्विवेदी पर श्रद्धांजलि पद्य पढे। उन्होंने कहा कि प्रेमनारायण द्विवेदी के जैसा साहित्य लेखन बड़ी तपस्या से ही संभव है। उन्होंने ऐसे मनीषी पर श्रद्धा व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में नगर से पधारे श्रोताओं की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि पं. प्रेमनारायण द्विवेदी का प्रत्येक ग्रन्थ कई व्याख्यानों की अपेक्षा रखता है। विशेषकर वैदिक सूक्तों के अनुवाद की उन्होंने सराहना की। साथ ही कहा कि अप्रकाशित साहित्य को प्रकाशित कराया जाना चाहिए। इस अवसर पर डा. संजय कुमार, डा. रामहेत गौतम, डा. शशिकुमार सिंह, डा. किरण आर्या, प्रो. बीआई गुरु, प्रो. नागेश दुबे, डा. गजाधर सागर, हरगोविन्द विश्व, टीकाराम त्रिपाठी 'रुद्र', पीआर मलैया, डा. ऋषभ भारद्वाज, डा. अभिज्ञान द्विवेदी, डा. मनीषा दुबे, डा. सुकदेव वाजपेयी, डा. रामरतन पाण्डेय, डा. शरद सिंह, डा. वीरेन्द्र प्रधान, डा. प्रमोद द्विवेदी, मुकेश तिवारी, डा. राजेन्द्र प्रसाद, डा. अवधेश यादव, डा. विकास कुमार पाठक, आकाश दुबे, अजय मेहता, उज्जैन व अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

योग शिक्षा विभाग में कार्यक्रम

जीवन की गहराई से परिचित कराती है भारतीय संस्कृति व पद्धति : मारिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. व्यक्ति को स्वयं से बात करना चाहिए, स्वयं से पूछना चाहिए कि मुझे क्या समस्या है, क्या इच्छाएं हैं, जो भी व्यक्ति स्वयं से बात करता है, वही इस जीवन को वास्तविक रूप से समझ पाता है। यह बात वियाना आस्ट्रिया की मारिया ने योग शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तीन माह पूर्व तैयारी कार्यक्रम में बतौर अतिथि कही। मारिया ने कहा कि जब हम स्वयं को जानने की प्रक्रिया प्रारंभ करते हैं तब योग एवं ध्यान की भूमिका और महत्व बढ़ जाता है। भारतीय व्यंजनों एवं खानपान की तारीफ करते हुए मारिया ने कहा कि भारतीय आहार, आचार विचार पद्धति और संस्कृति विश्व को जीवन की गहराई से परिचित कराती है। मुख्य अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं योग विज्ञान प्रो यूएस गुप्ता ने कहा कि कोविड महामारी ने जीवन दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव लाने को सभी को मजबूर कर दिया है। आपसी व्यवहार, बोलचाल में कमी से एक नए प्रकार का तनाव जीवन में लोगों को महसूस हो रहा है। ऐसे में योगाभ्यास द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक संतुलन की विद्या का जीवन में दिनचर्या के रूप में अनुसरण बेहद प्रभावशाली सबित हो रहा है। योगाचार्य एनआर भार्गव ने कहा कि व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होना है। यदि इस रहस्य को व्यक्ति समझ लेता है तभी वह योग मनोविज्ञान का साधक बन सकता है।

मध्य प्रदेश इतिहास परिषद का 39वां अधिवेशन कल से

सागर | मध्य प्रदेश इतिहास परिषद का 39वां अधिवेशन 26 एवं 27 मार्च को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में सुबह 10 बजे से आयोजित किया गया है। अधिवेशन की अध्यक्षता कुलपति करेंगी । विषय प्रवर्तक पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के इतिहास विभाग की प्रो. आभा रूपेंद्र पाल होंगी।

अधिवेशन में देश के विभिन्न भागों से आ रहें शिक्षक, शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। कोरोना काल के बाद यह पहला ऑफलाइन अधिवेशन हो रहा है। अधिवेशन के तहत राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी भी होगी। समापन 27 मार्च को दोपहर 3:30 बजे होगा। परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर बीके श्रीवास्तव एवं सचिव प्रोफेसर नवीन गिडियन हैं।

मध्य प्रदेश इतिहास परिषद का अधिवेशन 26 एवं 27 को

सागर, आचरण। मध्य प्रदेश इतिहास परिषद का 39 वां अधिवेशन 26 एवं 27 मार्च 2022 को डॉ हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अधिवेशन की अध्यक्षता कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी । अधिवेशन में विषय प्रवर्तक प्रो आभा रूपेंद्र पाल , इतिहास विभाग ,पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर होंगी। उद्घाटन सत्र 26 मार्च को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरु पुस्तकालय सभागार में संपन्न होगा। इस अधिवेशन में भारत के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में आ रहे शिक्षक , शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। कोरोना काल के पश्चात यह अधिवेशन ऑफलाइन होने जा रहा है। परिषद के कुछ सदस्य कोरोना महामारी के कारण अब हमारे बीच नहीं रहे हैं अतः अधिवेशन के दौरान उन सभी सम्मानित सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की जावेगी। इस अधिवेशन के तहत राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भी आयोजन किया जा रहा है, जो भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के विविध आयाम, मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में विषय पर केंद्रित होगी। समापन सत्र 27 मार्च को दोपहर 3:30 बजे आयोजित किया जाएगा।मध्य प्रदेश इतिहास परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर बी के श्रीवास्तव एवं सचिव प्रोफेसर नवीन गिडियन हैं?।अधिवेशन के स्थानीय सचिव डॉ पंकज सिंह रहेंगे।

मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है : प्रो. त्यागी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, एसएस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 'शोध एवं प्रकाशन नैतिकता मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कहा कि मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है। शोधार्थी का प्रशिक्षण कुछ इस प्रकार होना चाहिए जिसमें भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अथवा नैतिक मूल्य एवं सम्बंधित कानूनों की जानकारी के अभाव में उपरोक्त का उल्लंघन शोध कार्य में न हो। विशिष्ट वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए। सागर विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है, उसी प्रकार शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है। स्वागत वक्तव्य प्रो. नवीन कानगो ने दिया, संचालन डॉ. अनुराधा सिंह एवं प्रो. निरंजन सहाय ने किया। केंद्र समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने पूरे आयोजन की रूपरेखा एवं नियमों से अवगत कराया। आभार प्रो. हरीश कुमार ने व्यक्त किया। प्रोग्राम में देश भर के लगभग 200 शिक्षक एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं।

मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है : प्रो.त्यागी

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, एसएस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शोध एवं प्रकाशन नैतिकता: मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन वक्तव्य में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कहा कि मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है। उन्होंने शोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उसे पांच खंडो में बांटा जिसमें मौलिकता, नैतिकता, अधिकार, ज्ञान की गुणवत्ता एवं ज्ञान की प्रकृति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शोधार्थी का प्रशिक्षण कुछ इस प्रकार होना चाहिए, जिसमें भौगोलिक परिस्थितियों के कारण या नैतिक मूल्य एवं सम्बंधित कानूनों की जानकारी के अभाव में उपरोक्त का उल्लंघन शोध कार्य में न हो। उन्होंने नई शिक्षा नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि विधार्थी को स्नातक स्तर से ही मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता की समझ विकसित करने की आवश्यकता है।

विशिष्ट वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए। शोध की नैतिकता और पवित्रता के मायने समझाते हुए उन्होंने कहा कि शोध विद्यार्थी के मानसिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नयन का कारण बनना चाहिए। प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा कि जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है, उसी प्रकार शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान पाने का तरीका शोध है। तकनीक के विकास के साथ नयी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। जैसे-आज हर विषय की शोध पत्रिकाओं की संख्या बहुतायत में हैं, जिसके साथ प्रकाशन की प्रतियोगिता भी बढ़ रही है।

एस एस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद की प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह ने कहा कि शोध की प्रक्रिया में मूल्यों का बहुत महत्त्व है। मूल्य शोध को दिशा देने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रो. नवीन कानगो ने दिया। संचालन डा. अनुराधा सिंह एवं प्रो. निरंजन सहाय ने किया। केंद्र समन्वयक डा. संजय शर्मा ने पूरे आयोजन की रूपरेखा एवं नियमों से अवगत कराया। आभार ज्ञापन प्रो. हरीश कुमार ने किया। समन्वयक डा. विवेक जायसवाल ने बताया कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुरूप शोध छात्रों के कोर्स वर्क में शोध प्रकाशन एवं नैतिकता नामक प्रश्न-पत्र अनिवार्य किया गया है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए यह आयोजित किया गया है।

विवि के ईएमआरसी की डाक्यूमेंट्री महायात्रा फिल्म फेस्टिवल में चयनित

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के एजुकेशन मल्टीमीडिया रिसर्च सेन्टर (ईएमआरसी) द्वारा निर्मित लघु वृत्तचित्र (शार्ट डाक्यूमेंट्री) महायात्रा यूनिटी इन डाइवर्सिटी सर्वश्रेष्ठ 100 में चयनित हुई है। फिल्म का प्रदर्शन नई दिल्ली में आयोजित 5 वें फिल्म महोत्सव (एनडीएफएफ) में विगत दिवस किया गया। इस फिल्म फेस्टिवल में 40 देशों की 607 फिल्मों एवं डाक्यूमेंट्रीज को शामिल किया गया था, जिसमें से 30 देशों की 100 श्रेष्ठ फिल्मों का चयन किया गया है। पटकथा लेखक एवं निर्देशक भरतेश जैन ने बताया कि 35 मिनट की अवधि की महायात्रा शीर्षक से बनी डाक्यूमेंट्री एक भारत-श्रेष्ठ भारत की थीम पर बनी है और इसे फिल्म फेस्टिवल में प्रतियोगिता की श्रेणी में नामांकित किया गया है। प्रतियोगिता के पुरस्कारों की घोषणा आयोजकों द्वारा 27 मार्च 2022 को की जाएगी।

आयोजन 'शोध एवं प्रकाशन नैतिकता- मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर चर्चा

मौलिकता शोध का मूलभूत आधार : त्यागी

सागर, आचरण संवाददाता।

'डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, एस एस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 'शोध एवं प्रकाशन नैतिकता- मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ. उद्घाटन वक्तव्य में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो ए. के. त्यागी ने कहा कि मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है. उन्होंने शोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उसे पांच खंडों में बांटा जिसमें मौलिकता, नैतिकता, अधिकार, ज्ञान की गुणवत्ता एवं ज्ञान की प्रकृति शामिल है. उन्होंने कहा कि शोधार्थी का प्रशिक्षण कुछ इस प्रकार होना चाहिए जिसमें भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अथवा नैतिक मूल्य एवं सम्बंधित कानूनों की जानकारी के अभाव में उपरोक्त का उल्लंघन शोध कार्य में न हो. उन्होंने नयी शिक्षा नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि विधार्थी को स्नातक स्तर से ही मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता की समझ विकसित करने की आवश्यकता है.

शोध का सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से जुड़ना आवश्यक : प्रो. शर्मा

विशिष्ट वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए. शोध की नैतिकता और पवित्रता के मायने समझाते हुए उन्होंने कहा कि शोध विद्यार्थी के मानसिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नयन का कारण बनना चाहिए।

शोध का उद्देश्य सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना है: प्रो. कठल

प्रभारी कुलपति डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, प्रो. पी. के. कठल ने कहा कि जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है, उसी प्रकार

शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है. उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान पाने का तरीका शोध है. तकनीक के विकास के साथ नयी समस्याएँ भी सामने आ रही हैं. जैसे-आज हर विषय की शोध पत्रिकाओं की संख्या बहुतायत में हैं, जिसके साथ प्रकाशन की प्रतियोगिता भी बढ़ रही है. हमें अपने शोध को मौलिक बनाने के लिए स्वयं प्रयासरत रहना चाहिए।

शोधार्थी को शोध प्राविधि का ज्ञान होना आवश्यक : प्रो. लालिमा सिंह

एस एस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद की प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह ने कहा कि शोध की प्रक्रिया में मूल्यों का बहुत महत्त्व है. मूल्य शोध को दिशा देने में सहायक होते हैं. शोध में यदि वस्तुनिष्ठता नहीं होगी तो सही परिणाम नहीं आयेंगे. शोध में नैतिकता की कमी शोध की सामाजिक प्रासंगिकता को कमतर कर देते हैं. उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोधार्थी को शोध प्रविधि से परिचित होना चाहिए। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रो. नवीन कानगो ने दिया. संचालन डॉ. अनुराधा सिंह एवं प्रो. निरंजन सहाय ने किया. केंद्र समन्वयक डॉ संजय शर्मा ने पूरे आयोजन की रूपरेखा एवं नियमों से अवगत कराया. आभार ज्ञापन प्रो. हरीश कुमार ने किया. समन्वयक डॉ. विवेक जायसवाल ने बताया कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुरूप शोध छात्रों के कोर्स वर्क में शोध प्रकाशन एवं नैतिकता नामक प्रश्न-पत्र अनिवार्य किया गया है. इसी को दृष्टिगत रखते हुए यह साप्ताहिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया है. इसमें देश भर के लगभग 200 शिक्षक एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं. यह सभी अनुशासनों के शोधार्थियों के लिए लाभकारी होगा।

ज्ञान की गुणवत्ता और प्रकृति शोध का मूल आधार : प्रो. त्यागी

विश्वविद्यालय में शोध एवं प्रकाशन नैतिकताः मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

भास्कर संवाददाता | सागर

मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है। शोध के पांच खंड हैं। इनमें मौलिकता, नैतिकता, अधिकार, ज्ञान की गुणवत्ता एवं ज्ञान की प्रकृति शामिल हैं। शोधार्थी का प्रशिक्षण कुछ इस प्रकार होना चाहिए जिसमें भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अथवा नैतिक मूल्य एवं संबंधित कानूनों की जानकारी के अभाव में उपरोक्त का उल्लंघन शोध कार्य में न हो। यह बात महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कही। वे डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी तथा एसएस खन्ना महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शोध एवं प्रकाशन नैतिकताः मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नयी शिक्षा नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि विधार्थी को स्नातक स्तर से ही मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता की समझ विकसित करने की आवश्यकता है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए। बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए। शोध विद्यार्थी के मानसिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नयन का कारण बनना चाहिए। प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा कि जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है, उसी प्रकार शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है। किसी भी समस्या का समाधान पाने का तरीका शोध है।

मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है: प्रोफेसर एके त्यागी

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, एसएस खन्ना महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शोध एवं प्रकाशन नैतिकता मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर सासाहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन वक्तव्य में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कहा कि मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है। उन्होंने शोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उसे पांच खंडो में बांटा जिसमें मौलिकता, नैतिकता, अधिकार, ज्ञान की गुणवत्ता एवं ज्ञान की प्रकृति शामिल हैं। विशिष्ट वक्ता प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए। शोध की नैतिकता और पवित्रता के मायने समझाते हुए उन्होंने कहा कि शोध विद्यार्थी के मानसिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नयन का कारण बनना चाहिए। प्रभारी कुलपति डॉ हरिसिंह गौर विवि प्रो. पीके कठल ने कहा कि जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है, उसी प्रकार शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रो. नवीन कानगो ने दिया। संचालन डॉ. अनुराधा सिंह एवं प्रो. निरंजन सहाय ने किया। केंद्र समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने पूरे आयोजन की रूपरेखा एवं नियमों से अवगत कराया। आभार ज्ञापन प्रो. हरीश कुमार ने किया। समन्वयक डॉ.विवेक जायसवाल ने बताया कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुरूप शोध छात्रों के कोर्स वर्क में शोध प्रकाशन एवं नैतिकता नामक प्रश्न पत्र अनिवार्य किया गया है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए यह सासाहिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें देश भर के लगभग 200 शिक्षक एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विवि में दो दिवसीय अधिवेशन आज से

सागर. मप्र इतिहास परिषद का 39 वां अधिवेशन 26 एवं 27 मार्च को डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है. इस अधिवेशन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. अधिवेशन में विषय प्रवर्तक प्रो. आभा रूपेंद्र पाल, इतिहास विभाग, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर होंगी. उद्घाटन सत्र 26 मार्च को विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरु पुस्तकालय सभागार में संपन्न होगा. शिक्षक, शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे.

शोध का मूलभूत आधार है मौलिकता : प्रो. त्यागी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, एसएस खन्ना महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शोध एवं प्रकाशन नैतिकता मुद्दे व चुनौतियां विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो एके त्यागी ने कहा कि मौलिकता शोध का मूलभूत आधार है। उन्होंने शोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उसे पांच खंडों में बांटा, जिसमें मौलिकता, नैतिकता, अधिकार, ज्ञान की गुणवत्ता एवं ज्ञान की प्रकृति शामिल हैं।

विशिष्ट वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शोध केवल अकादमिक दृष्टि से ही नहीं होने चाहिए बल्कि शोध का विषय सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार से भी जुड़ना चाहिए। प्रभारी कुलपति डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा कि जिस प्रकार सभी धर्मों का उद्देश्य केवल ईश्वर को पाना होता है।उसी प्रकार शोध का उद्देश्य भी सत्य और वस्तुनिष्ठता को हासिल करना होता है। कार्यक्रम में प्रो. नवीन कांगो व डॉ. अनुराधा सिंह ने संचालन किया।

सागर सांसद ने लोस में उठाई मांग

डॉ. गौर को भारत रत्न दिया जाए समाज में उनका अमूल्य योगदान

सागर| लोकसभा में शुक्रवार को सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरी सिंह गौर को भारत रत्न देने की फिर मांग उठी। शून्यकाल के दौरान सांसद राजबहादुर सिंह ने यह मांग रखते हुए कहा कि डॉ. गौर एक ऐसी शख्सियत है जिन्हें किसी परिचय की जरूरत नहीं है। सागर विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ. गौर ने सन 1946 में अपनी निजी पूंजी से की थी। यह भारत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। अपनी स्थापना के समय यह भारत का 18वां और किसी एक व्यक्ति के दान से स्थापित होने वाला देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। उन्होंने अपनी कमाई से 20 लाख रुपए की राशि से सागर में विश्वविद्यालय की स्थापना की और वसीयत द्वारा अपनी पैतृक संपत्ति से दो करोड़ रुपए दान भी दिया था। यही नहीं डॉ. गौर बीसवीं शताब्दी के शिक्षा मनीषियों में से एक मात्र व्यक्ति थे, जिन्होंने कानून, शिक्षा, साहित्य, समाज सुधार, संस्कृति, राष्ट्रीय आंदोलन एवं संविधान निर्माण के साथ समाज में अमूल्य योगदान दिया था। सांसद सिंह ने कहा शिक्षा, समाज एवं राष्ट्र को दिए अतुलनीय योगदान के लिए डॉ. गौर को भारत रत्न दिया जाए। सांसद राज बहादुर सिंह ने दो साल में दूसरी बार डॉ. गौर को भारत रत्न देने की मांग संसद में उठाई है। सागर में एक गरीब परिवार में जन्में डॉ. गौर ने संघर्ष और मुश्किलों में जीवन जीते हुए अपनी शिक्षा पूरी की थी। उन्होंने विदेश में कानून की पढ़ाई कर पूरी दुनिया में अपनी वकालत का लोहा मनवाया था। उन्होंने एक शिक्षाविद के रूप में भी ख्याति अर्जित की।

खेल

अंतर विवि खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का समापन, विजेताओं को कुलपति ने बांटे पुरस्कार

खो-खो में छह पाइंट के साथ मुंबई की टीम ने जीता खिताब

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रही अंतर विवि खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमां गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर आगे भी इस तरह के आयोजन करने की घोषणा की।

बीएएम विवि औरंगाबाद व मुम्बई विवि के मैच में मुंबई की टीम पांच प्वाइंट व एक इनिंग से विजयी रही। इसके बाद मुम्बई विवि और शिवाजी विवि कोल्हापुर के मैच में मुंबई 04 प्वाइंट से विजयी रही। बीएएम विवि औरंगाबाद व शिवाजी विवि कोल्हापुर का मैच ड्रा हुआ और दोनों टीमो को 1-1 प्वाइंट मिला।

इसके बाद साबित्री बाई फुले विवि पुणे व मुम्बई विवि के मैच में मुंबई 01 पाइंट से विजयी रहा। बीएएम विवि औरंगाबाद और सावित्री बाई विवि पुणे का मैच ड्रा हुआ और 1-1 प्वाइंट दिए गए। शिवाजी विवि कोल्हापुर व साबित्री बाई फुले वि पुणे के मैच में शिवाजी वि वि 07 पाइंट से विजयी रहा। प्रतियोगिता में 6 पाइंट पाकर मुंबई पहले स्थान पर रही। 3 पाइंट पाकर शिवाजी विवि दूसरे स्थान पर रही। 2 प्वाइंट पाकर औरंगाबाद तीसरे स्थान पर रही। एक प्वाइंट पाकर सावित्रीबाई फुले वि वि पुणे चौथे स्थान पर रही।

विजेताओं को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार बांटे गए। ● नवदुनिया

प्रतियोगिता में 65 विवि के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

मैच के बाद कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मुख्यातिथ्य एवं प्रो रत्नेश दास की अध्यक्षता में चारों टीमों को ट्राफी दी गई। कुलपति ने विजेता खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए कहा कि डा. हरीसिंह गौर विवि प्रशासन आगे भी खेल प्रतियोगिता आयोजित करता रहेगा। उन्होंने चारों क्वालीफाइंग टीमों को आगामी अखिल भारतीय अंतर विवि खो-खो प्रतियोगिता में भाग लेने एवं अच्छे प्रर्दशन की कामना की। संचालन महेंद्र कुमार बाथम ने किया। विवि में पहली बार खो-खो पुरुष प्रतियोगिता में 65 विवि के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और इस दौरान दर्शकों को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने केन्द्रीय प्रशासनिक भवन के बाहरी परिसर में सामुदायिक सेवा गतिविधि के तहत श्रमदान किया और पेड़-पौधों के चारों तरफ क्यारियों का निर्माण कर सौन्दर्यकरण किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा स्वयंसेवकों के साथ परिचय कर परिचर्चा की शुरुआत की। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, लक्ष्यों एवं विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्रमदान की महत्ता को समझाया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को स्वच्छता के मूल्य को आत्मसात करते हुए विवि परिसर एवं उन्नत भारत अभियान में गोद लिए गए गावों में श्रमदान एवं अन्य सामुदायिक सेवा की गतिविधियों को संचालित किया जाएगा। इस दौरान विवि के प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्त्व को बताया।

समय और समाज की आवश्यकतानुसार कानून में संशोधन आवश्यकः प्रो विनय कपूर मेहरा

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विवि के विधि विभाग के तत्त्वावधान में 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष और समकालीन संवैधानिक चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विवि सोनीपत हरियाणा के कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा ने आजादी के अमृत महोत्सव, आजादी में शहीदों के बलिदान, नई शिक्षा नीति, जेलों में सेनानियों पर किए गए अत्याचार, लाला लाजपत राय द्वारा महिला शिक्षा, सहशिक्षा, अनाथ बच्चों के अधिकारों में दिए गए योगदान आदि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा समाज और कानून एक दूसरे के पूरक हैं। समाज व्यवस्थित ढंग से चले इसके लिए कानूनों का होना आवश्यक है। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. पीपी सिंह ने दिया। परिचय डॉ. रुचि रानी सिंह ने प्रस्तुत किया। संचालन सहायक प्राध्यापक कृष्ण कुमार ने किया।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in